Model: Duastro-In-Depth-Horoscope

SrNo: 115-120-105-3261 / 68 Date: 12/01/2024

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/01/1999**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:00:00 घंटे**
इष्ट	08:00:49 घटी
स्थान	**london**
देश	United Kingdom

अक्षांश	57:09:00 उत्तर
रेखांश	02:06:00 पश्चिम
मध्य रेखांश	00:00:00 पश्चिम
स्थानिक संस्कार	-00:08:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:51:36 घंटे
वेलान्तर	-00:03:25 घंटे
साम्पातिक काल	18:34:24 घंटे
सूर्योदय	08:47:40 घंटे
सूर्यास्त	15:36:30 घंटे
दिनमान	06:48:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:46:29 धनु
लग्न के अंश	03:19:58 मेष

चैत्रादि संवत / शक	2055 / 1920
मास	पौष
पक्ष	शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	15
तिथि समाप्ति काल	26:49:34
जन्म तिथि	15
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	मृगशिरा
नक्षत्र समाप्ति काल	09:04:43 घंटे
जन्म नक्षत्र	आर्द्रा
सूर्योदय कालीन योग	ब्रह्म
योग समाप्ति काल	24:32:09 घंटे
जन्म योग	ब्रह्म
सूर्योदय कालीन करण	विष्टि
करण समाप्ति काल	16:07:55 घंटे
जन्म करण	विष्टि

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	मेष – मंगल
राशि–स्वामी	**मिथुन – बुध**
नक्षत्र–चरण	**आर्द्रा – 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ब्रह्म
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू–कुणाल
पाया(राशि–नक्षत्र)	ताम्र – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

घात चक्र

मास	आषाढ़
तिथि	2-7-12
दिन	सोमवार
नक्षत्र	स्वाति
योग	परिघ
करण	कौलव
प्रहर	3
वर्ग	मूषक
लग्न	कर्क
सूर्य	मीन
चन्द्र	कुम्भ
मंगल	मेष
बुध	मकर
गुरु	वृष
शुक्र	मिथुन
शनि	कुम्भ
राहु	कर्क

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	03:19:58	1033:32:22	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	———
सूर्य			धनु	16:46:29	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	08:26:35	14:34:53	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल			कन्या	24:47:21	00:29:38	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	28:07:45	01:24:09	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			कुंभ	28:10:25	00:08:51	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मक	02:10:09	01:15:12	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			मेष	02:56:06	00:00:19	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	28:58:02	00:06:33	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:58:02	00:06:33	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	17:08:34	00:03:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	———
नेप			मक	07:14:11	00:02:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	———
प्लूटो			वृश्चि	15:17:29	00:02:05	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	———
दशम भाव			धनु	14:03:08	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट
चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:25

लग्न–चलित

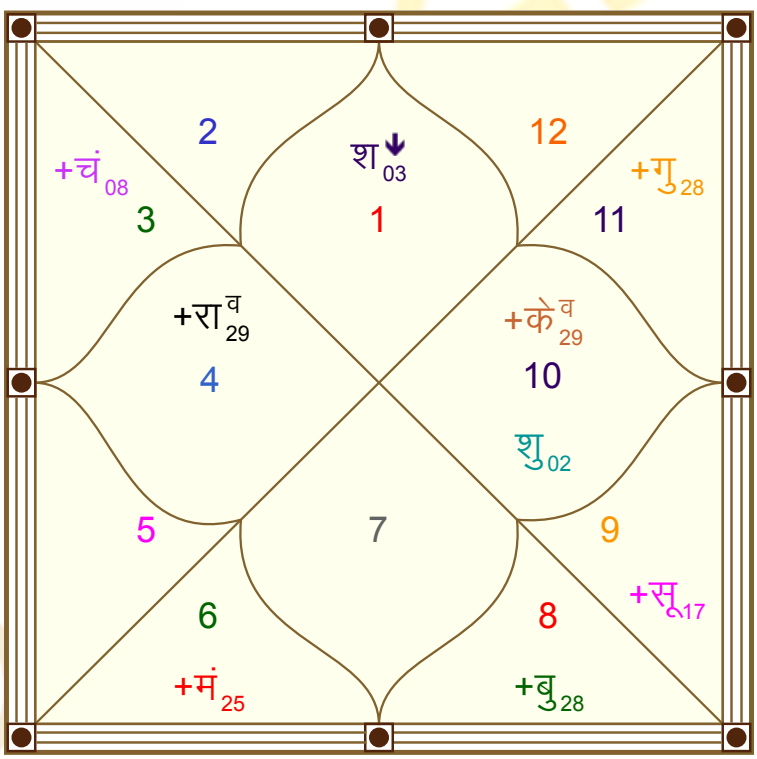

चन्द्र कुंडली

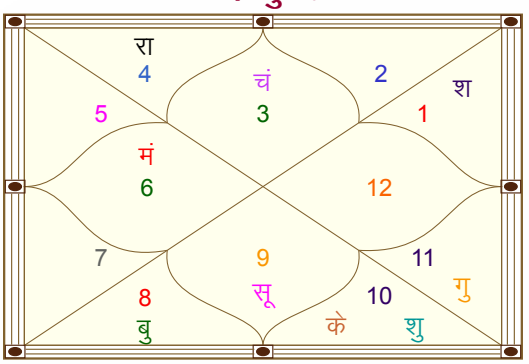

नवमांश कुंडली

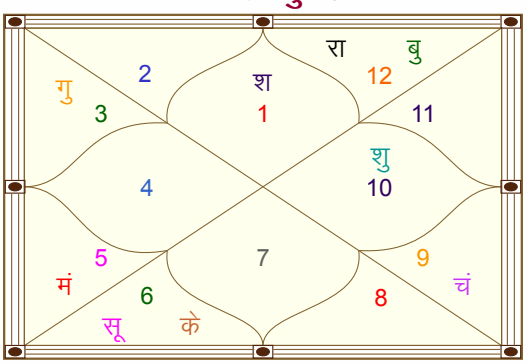

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

नक्षत्रफल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ हैं। अतः आपकी जन्म राशि मिथुन तथा राशि स्वामी बुध होगा। नक्षत्रानुसार आपका वर्ण शूद्र, वर्ग मार्जार, नाड़ी आद्य, गण मनुष्य तथा श्वान योनि होगी। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रथम अक्षर "कु" से प्रारम्भ होगा। यथा कुलदीप, कुलानन्द।

आप अपने जीवन काल में व्यस्तता या अन्य कारणों से भोजन समय पर लेने में प्रायः असमर्थ रहेंगे। आप में शारीरिक लावण्यता भी अल्प मात्रा में ही विद्यमान रहेगी। आपके स्वभाव में क्रोध की प्रवलता रहेगी तथा छोटी छोटी बातों पर आप अनावश्यक क्रोध का प्रदर्शन करेंगे साथ ही समाज में अन्य जनों से उपकृत होने पर आप उनके उपकार को अल्प मात्रा में ही स्वीकार करेंगे। आप दया एवं करूणा के स्थान पर कठोरता का प्रदर्शन अधिक मात्रा में करेंगे। आप समीपस्थ सम्बन्धियों के प्रिय रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी।

क्षुधाधिको रूक्षशरीरकान्ति बन्धुप्रियः कोपयुतः कृतघ्नः।
प्रसूति काले च भवेत्किलार्द्रा दयाद्रचेता न भवेन्मनुष्यः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् आर्द्रा नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक क्षुधा से आतुर, रूक्ष शरीर वाला, कुपित रहने वाला, कृतघ्न तथा दया से हीन होता है।

आपमें चंचलता का भाव प्रबलरूप से विद्यमान रहेगा तथा आप किसी भी कार्य को स्थिर मन से करने में असमर्थ रहेंगे। साथ ही आप एक स्थान पर स्थिर नहीं रहेंगे तथा नित्य परिवर्तन की इच्छा करेंगे। आपके पास धनार्जन भी मध्यम रूप से ही होगा परन्तु शारीरिक बल से आप सर्वदा पूर्ण रहेंगे एवं अपने वाहुबल से समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगे। आपकी शिक्षा भी मध्यम ही रहेगी परन्तु आचरण श्रेष्ठ रहेगा।

कृतघ्नः गर्वितोहीनः नरो पापरतः शठः।
आर्द्रानक्षत्र सम्भूतो धनधान्य विवर्जितः।।
मानसागरी

अर्थात् आर्द्रा नक्षत्र में उत्पन्न मनुष्य कृतध्न, गौरव विहीन, पापी तथा धन एवं धान्य से हमेशा हीन होता है।

आपके मन में अभिमान का भाव भी नित्य विद्यमान रहेगा साथ ही आपको अत्यन्त परिश्रम से महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त होंगी। आपका सामान्य जीवन संघर्षमय रहेगा एवं परिश्रम पूर्वक आप जीविकार्जन करेंगे। अन्य लोगों के प्रति आपमें सामान्यतया प्रेम का भाव ही रहेगा

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

अतः सामाजिक जनों से आप सौहार्द अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

शठगर्वितः कृतघ्नो हिंस्रः पापश्च रौद्रर्क्षे।
बृहज्जातकम्

अर्थात् आर्द्रा नक्षत्र का जातक कुटिल हृदय वाला, अभिमानी, कृतघ्न, हिंसक प्रवृति वाला तथा पाप कर्म करने वाला होता है।

आपका जन्म ताम्रपाद में हुआ है। अतः जीवन में आप धन वैभव से प्रायः सुसम्पन्न ही रहेंगे तथा सुखपूर्वक जीवन में इसका उपभोग करेंगे। काव्यशास्त्र के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी तथा इसमें आप परिश्रमपूर्वक ख्याति भी अर्जित करेंगे। भाइयों के प्रति आपके मन में पूर्ण स्नेह रहेगा तथा उनको आप हमेशा अपने ओर से प्रत्येक क्षेत्र में पूर्ण सहयोग प्रदान करते रहेंगे। सुन्दर वस्त्रों के प्रति आपके मन में आकर्षण रहेगा तथा इनको पहनने एवं संग्रह करने में आपकी पूर्ण रूचि रहेगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा आप एक बलशाली पुरूष होंगे। साथ ही आप पराक्रम से भी युक्त रहेंगे एवं शौर्योचित कार्यों को करने के लिए सर्वदा उद्यत तथा तत्पर रहेंगे। आप सामान्यतया प्रसन्नचित रहेंगे। परन्तु आपका स्वभाव कृपण होगा। इसके अतिरिक्त आप एक विद्वान एवं सौभाग्यशाली पुरूष भी रहेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे।

आपने मिथुन राशि में जन्म लिया है। अतः आप के नेत्र अल्प रक्तता के साथ श्यामल वर्ण के होंगे तथा सिर के बाल घुंघराले होंगे। आपके समस्त शरीर के अंग स्वस्थ तथा सुडौल होंगे तथा आपकी नासिका भी उन्नत होगी। आप विभिन्न प्रकार के शास्त्रों का अध्ययन करेंगे तथा उनका विषद् रूप से ज्ञान प्राप्त करेंगे। आप दूत या सन्देशवाहक के कार्य करने में अति निपुण होंगे। आपकी बुद्धि अत्यन्त ही तीक्ष्ण होगी तथा इसी तीक्ष्णता के कारण आप सम्मुख खडे अन्य व्यक्तियों की मन की बात को शीघ्र ही जान लेने में सफलता प्राप्त करेंगे। आपका व्यवहार अन्य लोगों के साथ अत्यन्त ही विनयशील रहेगा फलतः समाज में आप प्रशंसा के पात्र होंगे। आपकी वाणी अत्यन्त ही श्रेष्ठ एवं मधुर होगी जो श्रोताओं को हर्ष प्रदान करेगी। आप हंसने तथा हंसाने के कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पन्न करेंगे। संगीत तथा नृत्य में आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इनके विषय में आपको पर्याप्त ज्ञान होगा।

स्त्रीलोलः सुरतोपचारकुशलताम्रेक्षणः शास्त्राविद्।
दूतः कुञ्चिद् मूर्धजः पटुमति हास्योङ्गित द्यूतवित्।।
चार्वाङ्गाः प्रियवाक् प्रभक्षण रूचिर्गीतप्रियो नृत्यवित्।
क्लीबैर्याति रतिं समुन्नतश्चन्द्रे तृतीयर्क्षगे।।
बृहज्जातकम्

आपकी हथेली मत्स्य चिन्ह से सुशोभित होगी तथा नसें भी शरीर से बाहर दिखाई देंगी तथा लम्बाई भी आपकी अधिक होगी। आपका रूप अत्यन्त सुन्दर तथा दर्शनीय होगा।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

काव्य लेखन की प्रतिभा नैसर्गिक रूप से आप में विद्यमान रहेगी। अतः साहित्य के प्रति भी आपके मन में अभिरूचि रहेगी। आप अपने जीवन में समस्त सांसारिक तथा भौतिक सुखों का उपभोग करने वाले होंगे। लेकिन आप अपने अधिकाँश समय को विषय वासनाओं में लिप्त रहकर बिताएगें। आप सर्वदा सौभाग्यशाली पुरूष सिद्ध होंगे। साथ ही स्त्री जाति के वश में रहेंगे तथा उनसे पराजित रहेंगे।

उन्नासश्यामचक्षु सुरतविधिकला काव्यकृद्भोग भोगी।
हस्ते मत्स्याधिपाङ्को विषय सुखरतो बुद्धिदक्षः सिरालः।।
कान्तः सौभाग्य हास्य प्रियवचनयुतः स्त्रीजितौ व्यायताङ्गो।
याति क्लीबैश्च रतिकर्म संख्यशशिनि मिथुनगे मातृयुग्मप्रपुष्टः।
सारावली

आप दीर्घकाल तक जीवित रहेंगे तथा सम्पूर्ण जीवन हास्य प्रिय रहेंगे। आप भ्रमण या यात्रा भी समयानुसार करते रहेंगे। घर के अन्दर रहकर भी आप आनन्दानुभूति करेंगे।

दीर्घायुः सुरतोपचारकुशलो हास्यप्रियो युग्मके।।
जातकपरिजातः

आपका सामाजिक क्षेत्र विस्तृत रहेगा तथा समाज के सभी वर्गों में आप खूब लोकप्रिय रहेंगे। स्त्रीवर्ग आपसे अत्यन्त आकर्षित रहेगा तथा आप उनमें अत्यन्त प्रिय एवं आदरणीय समझे जाएगें। आप अपनी सज्जनता तथा योग्यता से सामाजिक सम्मान एवं गौरव को प्राप्त करेंगे।

प्रियकरः करमत्स्ययुतोनरः सुरतसौख्यभरो युवतीप्रियः।
मिथुन राशि गतौहिम गौ भवेत्सुजनतजनताकृत गौरवः।।
जातकाभरणम्

आप अपने भाषण या लेखन में श्लिष्टयुक्त भाषा का प्रयोग करेंगे परन्तु अन्यजन स्पष्ट रूप से उनके अर्थ को समझने में सफल रहेंगे। आप अपने बन्धुबान्धवों तथा अन्य सामाजिक लोगों की सेवा तथा सहायता करने में भी सदैव तत्पर रहेंगे। आपकी प्रकृति पित्त तथा कफ से मिश्रित होगी तथा आपका चाल चलन हमेशा उत्तम रहेगा।

मृदुरूपचित्तगात्रः श्लिष्टविस्पष्टवाक्यः।
परजनहितकर्ता पंडितौ हास्य युक्तः।।
प्रकृति शुभचरित्रं श्लेष्मचित्त स्वभावो।
भवति मिथुन जातो गीतवाद्यानुरक्तः।।
जातक दीपिका

चंचलता का आधिक्य हमेशा आपके नेत्रों में विद्यमान रहेगा। नृत्य एवं संगीत के आप अनन्य प्रेमी होंगे। आप अपने धनैश्वर्य, दयालुता तथा सद्व्यवहार के कारण दूर दूर

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

तक यश को प्राप्त करेंगे। आपकी आकृति दीर्घ होगी तथा भाषण देने की कला में भी चतुर होंगे। आप पक्के निश्चय वाले आदमी होंगे। जिस बात का मन में एकबार संकल्प कर लेंगे उसे पूर्ण करके ही छोड़ेंगे। साथ ही आप न्याय में भी विश्वास करेंगे।

मृदुवाक्यो लोलदृष्टिर्दयालु मैथुनप्रियः।
गान्धर्ववित् कासरोगी कीर्तिभोगी धनी गुणी।।
गौरोदीर्घः पटुर्वक्ता मेधावी च दृढव्रतः।
समर्थो न्यायवादी च जायते मिथुने जनः।।
मानसागरी

आप मनुष्य गण में उत्पन्न हुए हैं अतः आप स्वभाव से ही धार्मिक प्रवृति के होंगे। आपकी देवताओं तथा ब्राह्मणों में पूर्ण श्रद्धा होगी तथा श्रद्धानुसार इनका पूजन एवं सत्कार करते रहेंगे। आप में अहंकार का भाव यदा कदा जागृत रहेगा। मन से आप दयालु होंगे तथा दीन दुःखियों की यथा शक्ति सेवा तथा सहायता करेंगे। आप एक से अधिक कार्यों के जानने वाले भी होंगे। परिश्रम से आप ज्ञानार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगे। आपका शरीर सुन्दर एवं कान्तिमय रहेगा। इसके अतिरिक्त आप बहुत से लोगों को सुख प्रदान करने वाले होंगे। ज्ञान का भण्डार भी आपके पास रहेगा।

आप जीवन भर धन तथा मान सम्मान से युक्त रहेंगे तथा इनका आपको कभी भी अभाव नहीं रहेगा। निशाने बाजी की कला में आप अत्यन्त चतुर होंगे। आपका शरीर गौरवर्ण का होगा तथा सम्पूर्ण नगरवासियों को आप वश में करने वाले होंगे अर्थात आप किसी नगर या समूह के एक सम्माननीय व्यक्ति हो सकते हैं। साथ ही आखें आपकी देखने में बड़ी बड़ी होंगी।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

श्वानयोनि में उत्पन्न होने के कारण आप हमेशा परिश्रम पूर्वक कार्य करते रहेंगे। आप का मन हमेशा उत्साह से परिपूर्ण रहेगा। आप बहादुर भी होंगे तथा बिना किसी भय के समस्याओं का मुकाबला करेंगे लेकिन अपने भाई बन्धुओं से आपका मेल जोल कम ही रहेगा। आपस में झगड़ा या मनमुटाव चलता रहेगा। माता पिता के आप अत्यन्त प्यारे होंगे तथा निश्छलता पूर्वक आप आजीवन उनकी सेवा में तत्पर रहेंगे।

सोद्यमः सुमहोत्साही शूरः स्वज्ञाति विग्रही।
मातृपित्रो सदाभक्तः श्वानयोनौसमुद्भवः।।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

मानसागरी

अर्थात् श्वान योनि में उत्पन्न जातक उद्यमी, उत्साह से परिपूर्ण, शूरवीर, अपने बन्धुवर्ग से द्वेष रखने वाला तथा माता पिता का भक्त होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति तृतीय भाव में है। अतः माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आपके प्रति उनका पूर्ण अपनत्व तथा स्नेह का भाव रहेगा एवं जीवन में सर्वप्रकार से आपकी सहायता करने के लिए वे नित्य तत्पर रहेंगी। साथ ही शक्ति, साहस एवं पराक्रम में आपकी वृद्धि में वे सदैव सहायक रहेंगी। इसके अतिरिक्त वे आपको समय समय पर अच्छा भोजन खिलाने के लिए भी तत्पर रहेंगी।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा एवं उनकी आज्ञा पालन के लिए प्रायः तत्पर रहेंगे। साथ ही यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे परन्तु इससे आपके मधुर संबंधों में कोई विशेष प्रभाव नहीं पडेगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में उनकी पूर्ण सेवा तथा आर्थिक सहायता तथा अन्य प्रकार का सहयोग करने के लिए तत्पर रहेंगे एवं उन्हें किसी भी प्रकार असुविधा नहीं होने देंगे। इसके लिए आप सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगे।

आपके जन्म काल में सूर्य नवम भाव में स्थित है अतः आप पिता के स्नेह पात्र होंगे। उनका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर शारीरिक रूप से वे व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। जीवन में धन सम्पत्ति से सर्वदा युक्त रहेंगे एवं समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको अपनी ओर से पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आपके भाग्योदय संबंधी कार्यों में भी उनकी आपके लिए पूर्ण प्रेरणा तथा सहयोग का भाव रहेगा।

आप भी उनका पूर्ण हार्दिक सम्मान करेंगे एवं उनकी आज्ञा पालन तथा सेवा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर मधुर संबंध रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद उत्पन्न होने के कारण इनमें अल्प मात्रा में तनाव या कटुता का समावेश का आभास होगा जो कुछ समयोपरान्त स्वतः ही समाप्त हो जाएगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में उनकी हार्दिक सहायता करेंगे एवं सुख दुःख में उनको पूर्ण वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से अपना सहयोग प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

आपके जन्म समय में मंगल छठे भाव में है अतः भाईयों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर वे शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नही रहेगा एवं आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह एवं सम्मान का भाव रहेगा। जीवन में वे समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों तथा क्षेत्र में आपको अपना वांछित सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे एवं अपनी ओर से आपको किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगे। साथ ही शत्रुवर्ग से भी वे आपकी नित्य रक्षा करने में तत्पर रहेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह का भाव रहेगा एवं हमेशा उनको अपना

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। आपकी आपसी संबंध मधुर रहेंगे तथा यदा कदा सामान्य रूप से मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे संबंधों में क्षणिक तनाव की स्थिति रहेगी परन्तु कुछ समय के उपरान्त स्वतः ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आप सुख दुःख में उनकी वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार से भी सहयोग देंगे एवं यत्नपूर्वक उनकी भलाई करने में तत्पर रहेंगे।

आपके लिए आषाढ़ मास, द्वितीया, सप्तमी तथा द्वादशी शुक्ल तथा कृष्ण पक्ष की तिथियां, स्वाती नक्षत्र, परिघयोग, सोमवार तृतीय प्रहर तथा कुम्भ राशिस्थ चन्द्रमा हमेशा अशुभ फल देने वाले रहेंगे। अतः आप 15 जून से 14 जुलाई के मध्य 2,7,12 तिथियों, स्वाती नक्षत्र, परिघयोग तथा चतुष्पाद करण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, लेन देन या क्रय विक्रय आदि कार्य सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही सोमवार, तृतीय प्रहर तथा कुम्भ राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इससे भी अशुभ फल ही अधिक होंगे। इन दिनों तथा समय में शरीर की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखें।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो व्यापार में हानि, नौकरी या प्रोन्नति में बाधाएं उत्पन्न हो रही हो अथवा मानसिक शान्ति भंग हो रही हो तो ऐसे समय में आपको नियमित रूप से प्रातः तथा सायं काल गणेश जी के दर्शन करने चाहिए। साथ ही पन्ना, हरित वस्त्र, मिश्री, गुड़, घी इत्यादि पदार्थों का भी दान करना चाहिए इससे अनिष्ट फलों में न्यूनता होगी तथा शुभ फलों में बृद्धि होगी। साथ ही आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त बुध के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 17000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए।

ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रों सः बुधाय नमः।
मंत्र– ऊँ ऐं स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

ग्रह फल

सूर्य

नवमभाव में सूर्य होतो जातक साहसी, ज्योतिषी, नेता सदाचारी, तपस्वीयोगी, वाहनसुख, भृत्यसुख एवं पिता के लिए अशुभ होता है।

धनु राशि में रवि हो तो जातक विवेकी, योगमार्गरत, बुद्धिमान्, धनी, आस्तिक, व्यवहार कुशल, दयालु, शान्त, लोकप्रिय एवं शीघ्र क्रोधित होने वाला होता है।

आपके जन्म काल में सूर्य नवम भाव में स्थित है अतः आप पिता के स्नेह पात्र होंगे। उनका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर शारीरिक रूप से वे व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। जीवन में धन सम्पत्ति से सर्वदा युक्त रहेंगे एवं समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको अपनी ओर से पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आपके भाग्योदय संबंधी कार्यों में भी उनकी आपके लिए पूर्ण प्रेरणा तथा सहयोग का भाव रहेगा।

आप भी उनका पूर्ण हार्दिक सम्मान करेंगे एवं उनकी आज्ञा पालन तथा सेवा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर मधुर संबंध रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद उत्पन्न होने के कारण इनमें अल्प मात्रा में तनाव या कटुता का समावेश का आभास होगा जो कुछ समयोपरान्त स्वतः ही समाप्त हो जाएगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में उनकी हार्दिक सहायता करेंगे एवं सुख दुःख में उनको पूर्ण वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से अपना सहयोग प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

चन्द्र

तृतीय,भाव में चन्द्रमा हो तो जातक आस्तिक, तपस्वी, प्रसन्नचित्त, कफरोगी, मधुरभाषी प्रेमी, भाईयों और बहिनों का रक्षक, साहसी, विद्वान, एवं कंजूस होता है।

मिथुन राशि में चन्द्रमा हो तो जातक विद्वान, अध्ययनशील, सुन्दर, रतिकुशल, भोगी, मर्मज्ञ, नेत्र चिकित्सक, अच्छा वक्ता एवं अच्छा अन्तर्ज्ञान वाला होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति तृतीय भाव में है। अतः माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आपके प्रति उनका पूर्ण अपनत्व तथा स्नेह का भाव रहेगा एवं जीवन में सर्वप्रकार से आपकी सहायता करने के लिए वे नित्य तत्पर रहेंगी। साथ ही शक्ति, साहस एवं पराक्रम में आपकी वृद्धि में वे सदैव सहायक रहेंगी। इसके अतिरिक्त वे आपको समय समय पर अच्छा भोजन खिलाने के लिए भी तत्पर रहेंगी।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा एवं उनकी आज्ञा पालन के लिए प्रायः तत्पर रहेंगे। साथ ही यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे परन्तु इससे आपके मधुर संबंधों में कोई विशेष प्रभाव नहीं पडेगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

में उनकी पूर्ण सेवा तथा आर्थिक सहायता तथा अन्य प्रकार का सहयोग करने के लिए तत्पर रहेंगे एवं उन्हें किसी भी प्रकार असुविधा नहीं होने देंगे। इसके लिए आप सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगे।

मंगल

छठेभाव में मंगल हो तो जातक बलवान्, धैर्यशाली, प्रबल जठराग्नि, कुलवन्त, प्रचण्ड शक्ति, शत्रुहन्ता, ऋणी, दादरोगी, क्रोधी, पुलिस अफसर, व्रण और रक्तविकार युक्त एवं अधिकव्यय करने वाला होता है।

कन्या राशि में मंगल हो तो जातक सुखी, शिल्पज्ञ, पापभीरु, लोकमान्य एवं व्यवहार कुशल होता है।

आपके जन्म समय में मंगल छठे भाव में है अतः भाईयों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर वे शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नही रहेगा एवं आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह एवं सम्मान का भाव रहेगा। जीवन में वे समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों तथा क्षेत्र में आपको अपना वांछित सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे एवं अपनी ओर से आपको किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगे। साथ ही शत्रुवर्ग से भी वे आपकी नित्य रक्षा करने में तत्पर रहेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह का भाव रहेगा एवं हमेशा उनको अपना सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। आपकी आपसी संबंध मधुर रहेंगे तथा यदा कदा सामान्य रूप से मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे संबंधों में क्षणिक तनाव की स्थिति रहेगी परन्तु कुछ समय के उपरान्त स्वतः ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आप सुख दुःख में उनकी वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार से भी सहयोग देंगे एवं यत्नपूर्वक उनकी भलाई करने में तत्पर रहेंगे।

बुध

अष्टमभाव में बुध हो तो जातक दीर्घायु, अभिमानी, राजमान्य, कृषक, लब्धप्रतिष्ठ, मानसिक दुखी, कवि, वक्ता, न्यायाधीश, मनस्वी, धनवान् एवं धर्मात्मा होता है।

वृश्चिक राशि में बुध हो तो जातक व्यसनी, दुराचारी, मुर्ख, ऋणी भिक्षुक, अनैतिक चरित्र, रतिक्रिया की अति करने वाला, गुप्तांगों के रोगों से पीड़ित, स्वार्थी एवं अपशब्द बोलने वाला होता है।

गुरु

ग्यारहवें भाव में गुरु हो तो जातक व्यवसायी, धनिक, सन्तोषी, सुन्दरनिरोगी, लाभवान्, पराक्रमी, सद्व्ययी, बहुस्त्रीयुक्त, विद्वान् राजपूज्य एवं अल्पसन्ततिवान् होता है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

कुम्भ राशि में गुरु होतो जातक विद्वान परन्तु धनहीन, लोकप्रिय, मिलनसार, स्वप्नों के जगत में विचार करने वाला डरपोक प्रवासी, कपटी एवं रोगी होता है।

शुक्र

दशम भाव में शुक्र हो तो जातक गुणवान्, दायालु, विलासी, ऐश्वर्यवान्, भाग्यवान्, न्यायवान् विजयी, गानप्रिय, धार्मिक ज्योतिषी एवं लोभी होता है।

मकर राशि में शुक्र हो तो जातक बलहीन, कृपण, घ्दयरोगी, दुखी, मानी, नीच जाति की स्त्रियों में रुचि, सिद्धान्तहीन एवं अनैतिक चरित्र होता है।

शनि

लग्न (प्रथम) में शनि मकर, कुम्भ तथा तुला का हो तो धनाढ्य, सुखी, धनु और मीन राशियों में हो तो अत्यन्त धनवान् और सम्मानित एवं अन्य राशियों का हो तो अशुभ होता है।

मेष राशि में शनि हो तो जातक आत्मबलहीन, मूर्ख, आवारा, क्रूर जालफरेव करने वाला, व्यसनी, निर्धन, दुराचारी, कपटी लम्पट एवं कृतघ्न होता है।

राहु

चतुर्थभाव में राहु हो तो जातक असन्तोषी, दुखी, अल्पभाषी, मिथ्याचारी, उदरव्याधियुक्त, कपटी, मातृक्लेशयुक्त एवं क्रूर होता है।

कर्क राशि में राहु हो तो जातक चतुर, उदार, रोगी, अनेकों शत्रुओं वाला, धोखेबाज, धनहीन एवं पराजि होता है।

केतु

दशम भाव में केतु हो तो जातक अभिमानी, परिश्रमशील मूर्ख, पितृद्वेषी, दुर्भागी, संन्यास लेना एवं योगी होता है।

मकर राशि में केतु हो तो जातक परिश्रमशील, पराक्रमी जन्म स्थान छोड़कर जाने वाला, प्रसिद्ध एवं तेजस्वी होता है।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म समय में लग्न में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। सामान्यतया मेष लग्न में उत्पन्न जातक साहसी पराक्रमी तेजस्वी तथा परिश्रमी होते है तथा अपने इन्हीं गुणों से वे जीवन में वांछित मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ रहते हैं। ये अत्याधिक सक्रिय एवं क्रियाशील होते है तथा अपने इन्हीं गुणों से जीवन में इच्छित उन्नति प्राप्त करते है।

अतः इस लग्न के प्रभाव से आप साहसी परिश्रमी तथा पराक्रमी पुरूष होंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम एवं निर्भयता से सम्पन्न करेंगे। आप में स्वाभिमान का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा स्वपरिश्रम तथा योग्यता से जीवन में मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ होंगे।

आपके स्वभाव में प्रारंभ से ही तेजस्विता का भाव विद्यमान रहेगा फलतः यदा कदा आप अनावश्यक क्रोध एवं चंचलता का प्रदर्शन करेंगे। जीवन में आपको जन्म भूमि के अतिरिक्त अन्य स्थान में सफलता एवं उन्नति प्राप्त होगी तथा वहीं आपका जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही सांसारिक सुखोपभोग के साधनों को भी आप परिश्रम पूर्वक अर्जित करके सुख पूर्वक इनका उपभोग करने में समर्थ होंगे।

लग्न में शनि की स्थिति के प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा समय समय पर मानसिक व्याकुलता भी बनी रहेगी। यद्यपि आपको जीवन में काफी समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा परन्तु अपने परिश्रम एवं दृढ़ संकल्प शक्ति के द्वारा आप इनका सामना तथा समाधान करने में समर्थ होंगे। आपकी प्रवृति में उदारता तथा सहिष्णुता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा अवसरानुकूल अन्य जनों को आप अपना सहयोग प्रदान करेंगे। जिससे आपके प्रति लोगों के मन में आदर का भाव उत्पन्न होगा।

आपके सांसारिक कार्य यद्यपि विलम्ब से सिद्ध होंगे परन्तु गौरव एवं सम्मान बना रहेगा। कार्य क्षेत्र में आपको परिश्रम से उन्नति प्राप्त होगी तथा सामाजिक जनों के मध्य भी समय समय पर मान सम्मान मिलता रहेगा। आपको अपनी प्रवृति का अन्य जनों के समक्ष सादगी पूर्ण प्रदर्शन करना चाहिए तथा इसमें अनावश्यक दिखावे का समावेश नहीं होना चाहिए। इस प्रकार से जीवन में आपको इच्छित सुखैश्वर्य एवं वैभव की प्राप्ति होगी।

इस प्रकार आप एक परिश्रमी, तेजस्वी, कार्य निकालने में चतुर परन्तु मन्द गति से कार्य करने वाले होंगे तथा जीवन में आवश्यक सुखों का उपभोग करने में समर्थ होंगे।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में समस्त सांसारिक सुखों तथा धनऐश्वर्य का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे साथ ही किसी संबंधी की सम्पत्ति आदि को भी प्राप्त कर सकते है क्योंकि अपने नजदीक के संबंधियों के प्रति आपके मन में हमेशा सद्भावना रहेगी तथा सुख दुख में आप उनकी सेवा तथा सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। बागवानी के प्रति भी आपके मन में रूचि रहेगी तथा समय समय पर आप इस रूचि का प्रदर्शन करते रहेंगे।

आपका पारिवारिक सुख उत्तम रहेगा तथा शान्ति एवं आनन्द पूर्वक परिवार के मध्य आपका समय व्यतीत होगा। सामाजिक जनों के मध्य भी आप एक सम्माननीय पुरूष रहेंगे तथा सभी लोग आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। आप स्वभाव से उदार तथा भावुक प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा मिष्ठान भक्षण के प्रति आपकी तीव्र रूचि रहेगी। साथ ही अपने सम्भाषण में हमेशा मधुर शब्दों का प्रयोग करेंगे। इसके अतिरिक्त वाहन तथा बहुमूल्य रत्नों को भी आप जीवन में प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति अच्छी रहेगी तथा किसी वस्तु को एक बार देखकर या सुनकर आप चिरकाल तक उसे नहीं भूलेंगे। साथ ही आप शीघ्र ही किसी कार्य प्रणाली को हृदयगम कर सकते है। आप उच्च शिक्षा, नीति, शास्त्र आदि में सफलता प्राप्त करने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेंगे तथा लेखन आदि क्षेत्र में भी ख्याति प्राप्त कर सकते है। आपके भाई बहिनों से मधुर संबंध रहेंगे तथा उनको सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

आप एक बुद्धिजीवी प्राणी होंगे तथा शारीरिक बल की अपेक्षा बौद्धिक कार्य ही अधिक सम्पन्न करेंगे। अतः समाज में एक बुद्धिमान व्यक्ति के रूप में आपकी पहचान बनी रहेगी। आप एक बहादुर एवं साहसी पुरूष होंगे तथा कलम की ताकत भी आपके पास रहेगी। अतः किसी उच्च अधिकारी या नेता के विरूद्ध आप साहस पूर्वक कुछ भी लिख सकते है। आप एक स्पष्टवादी पुरूष होंगे तथा स्पष्ट रूप से अपनी राय अन्य जनों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। संचार के सभी साधनों से आप युक्त रहेंगे तथा सूचना केन्द्रों में आप कार्यरत भी हो सकते है। जैसे डाकखाना, दूर भाष केंद्र , दूर संचार विभाग। आप संगीत प्रिय होंगे तथा वाद्य यंत्रों के उपयोग से आपको आनन्द प्राप्त होगा। समीपस्थ यात्राओं से आपको लाभ होगा तथा ऐसी यात्राओं से आपको महत्वपूर्ण स्मृतियां भी प्राप्त हो सकती हैं। कला के क्षेत्र में भी आपकी इच्छा रहेगी परन्तु समाचार पत्र के संपादक या संवाद दाता के रूप में कार्य करना आपके लिए अधिक लाभदायक रहेगा। इसके अतिरिक्त आप वाहन आदि से युक्त रहेंगे तथा पत्नी के प्रति आपके मन में निश्चल प्रेमभावना रहेगी। साथ ही हृदय में उदारता रहेगी एवं सत्य का आप पालन करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने कुल में प्रधान रहेंगे तथा सज्जन लोगों से सम्मान प्राप्त होता रहेगा।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है तथा राहु भी चतुर्थ भाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में सुख संसाधनों से आप युक्त होंगे तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से इन्हें अर्जित करेंगे। यद्यपि इनको अर्जित करने में आपको कई बार समस्याओं एवं परेशानियों का भी सामना करना पड सकता है एवं इनकी प्राप्ति में विलम्ब भी हो सकता है क्योंकि सुख भाव में राहु लग्नेश की राशि में स्थिति है। अतः आधुनिक भौतिक सुख साधनों एवं ऐश्वर्य का आप अवश्य उपभोग करेंगे भले ही इसमें आपको विलम्ब का सामना करना पड़े।

राहु की स्थिति चन्द्रमा की राशि में चतुर्थ भाव में होने के कारण जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को आप अवश्य प्राप्त करेंगे परंतु इसमें न्यूनाधिक विलम्ब की संभावना होगी। लेकिन आप परिश्रमी व्यक्ति है। अतः स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से आप सम्पत्ति अर्जित करने में समर्थ होंगे। लेकिन आपको विवादित सम्पत्ति से हमेशा दूर ही रहना चाहिए क्योंकि इसके क्रय–विक्रय से आपका ऐसी सम्पत्ति से संबंधित होने पर अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

जीवन में आपका अपने घर विलम्ब से ही होगा परंतु सुख सामान्यता अच्छा रहेगा तथा अच्छे मकान में निवास करेगे चाहे वह किराये का ही क्यों न हो। आप किसी धनाढ्य क्षेत्र में मकान को निर्माण करेंगे तथा आपके पडोसी या कालोनी के लोग धनाढ्य एवं शिक्षित होंगे लेकिन आपसी संबंधों में औपचारिकता का भाव ही अधिक होगा। साथ ही वाहन सुख भी अवसरानुकूल प्राप्त होगा।

आपकी माता जी तेजस्वी स्वभाव की शिक्षित महिला होंगी तथा आधुनिक एवं पाश्चात्य संस्कृति की पक्षधर होंगी। पारिवारिक जनों के प्रति उनका दृष्टिकोण अनुकूल होगा तथा अपना नियंत्रण रखेगी। आपके प्रति भी उनका वात्सल्य पूर्ण दृष्टिकोण होगा एवं उनसे नैतिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आप भी उनके प्रति सम्मान एवं श्रद्धा का भाव रखेंगे तथा सुख दुख में उनका पूर्ण ध्यान रखेंगे परंतु आप दोनो के मध्य वैचारिक भिन्नता रहेगी जिससे यदा कदा संबंधो में मधुरता में कमी आएगी। अतः ऐसी स्थिति की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

शिक्षा के क्षेत्र में परीक्षाएं आप परिश्रम से ही उतीर्ण करेंगे तथापि प्रारंभिक कक्षाओं में आपको अच्छी सफलता मिलेगी लेकिन अन्य कक्षाओं में प्रतिशत अंकमें कमी आ सकती है जिससे स्नातक परीक्षा आप अत्यधिक परिश्रम से उतीर्ण करेंगे लेकिन तकनीकी शिक्षा आपके लिए लाभदायक होगी। अतः स्नातक की अपेक्षा यदि आप तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में ही अध्ययन करें तो आपको इच्छित सफलता मिलेगी तथा आपका परिश्रम भी रंग लाएगा एवं मानसिक असंतुष्टि से भी सुरक्षित होंगे।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

चतुर्थभाव मनुष्य की कुंडली में हृदय का स्थान माना गया है। इस भाव में नैसर्गिक पाप ग्रह राहु की स्थिति के प्रभाव से आयु में वृद्धि के साथ साथ आपको हृदय संबंधी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही रक्त चाप की भी संभावना है। अतः युवावस्था से ही आपको खान पान पर नियंत्रण रखना चाहिए जिससे भविष्य में आपको अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

DUASTRO

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा अपनी बुद्धिमता से समस्त सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इससे आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर तो होंगे ही साथ ही सामाजिक जनो में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा वे आपकी बुद्धिमता का आदर करेंगे। आपकी बुद्धि व्यावहारिक होगी तथा शीघ्र एवं व्यावहारिक रूप से किसी भी समस्या का समाधान करने में समर्थ होंगे। वैदिक शास्त्रों एवं साहित्य में आपकी रूचि कम होगी परंतु आधुनिक शास्त्रों के प्रति विशेष लगाव होगा तथा इसके ज्ञानार्जन में तत्पर होंगे जिससे आपकी विद्वता समाज में दूर दूर तक व्याप्त होगी।

पंचमभाव में सिंह राशि के प्रभाव से आप एक व्यावहारिक व्यक्ति होंगे तथा भावुकता के भाव की आप में न्यूनता होगी। प्रेम प्रसंगों में आपकी विशेष रूचि कम ही होगी तथापि यदि कोई प्रसंग चला भी तो इसमें आप आदर्शवादिता एवं मर्यादा का पूर्ण ध्यान रखेंगे क्यों कि आप स्वाभिमानी एवं आदर्शवादी व्यक्ति है। इससे आपका प्रेम प्रसंग विवाह में भी परिवर्तित हो सकता है लेकिन प्रेम में भावुकता को कोई स्थान नहीं देंगे।

जीवन में आपको सन्तति का सुख अवश्य प्राप्त होगा तथा पुत्र की भी विलंब से परंतु निश्चित प्राप्ति होगी। आपकी संतति संख्या अल्प ही होगी तथा सभी योग्य कुशल परिश्रमी एवं बुद्धिमान होंगे। माता की अपेक्षा पिता से बच्चों का अधिक लगाव होगा तथा अपनी व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान के लिए पिता पर अधिक निर्भर होंगे तथापि दोंनो को पूर्ण सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में माता पिता की अवश्य सलाह लेंगे। अतः बच्चों से आप सुखी एवं संतुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अध्ययन के प्रति बच्चों की प्रारंभ से ही रूचि होगी तथा शिक्षा के क्षेत्र में वे वांछित उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। वे तेजस्वी बुद्धिमान एवं व्यावहारिक होंगे तथा अन्य सामाजिक जनों, समीपरस्थ संबंधियों एवं मित्रवर्ग के मध्य अपना प्रभाव स्थापित करने में समर्थ होंगे जिससे वे सबके स्नेह एवं आदर के पात्र होंगे। बच्चों के इनगुणों से आप भी अभिभूत होंगे तथा स्वयं को गौरवान्वित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में बच्चे आपका पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी। जिसका स्वामी बुध है चूंकि यह भाव रोग का प्रतिनिधित्व करता है। अतः इसके प्रभाव से आप नाक कान तथा गले आदि के कष्ट से परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही आप में सहन शक्ति के भाव की भी यदा कदा अल्पता रहेगी एवं चर्म रोगों से आपको परेशानी होगी ।

आपको क्रोध एवं उत्तेजना पर हमेशा नियंत्रण रखना चाहिए अन्यथा इसके दुष्प्रभाव से आपके मित्रों की संख्या में कमी आएगी तथा विरोधी पक्ष में वृद्धि होगी। साथ ही बन्धु वर्ग तथा अन्य संबन्धी आप के लिए छिपकर षडयंत्र भी कर सकते हैं। सरकार या पड़ोसियों से भी आपको शत्रुता का सामना करना पड़ सकता है। अतः आप अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें तथा किसी अन्य की अनावश्यक आलोचना न करें एवं सहनशीलता बनाएं रखें। यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपको जीवन में अनावश्यक शत्रुओं एवं समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

आपके लिए धन सम्बन्धी झगड़े या मुकद्दमे अनुकूल नहीं रहेंगे। अतः ऐसे मामलों की यत्न पूर्वक उपेक्षा ही करें। सेवक वर्ग की आपको प्रबल आवश्यकता रहेगी लेकिन इनसे आपको समय समय पर धन एवं अन्य प्रकार से हानि होती रहेगी अतः नौकरों का अत्यधिक सावधानी से चयन करें। साथ ही ऋण आदि लेने की भी आपको उपेक्षा करनी चाहिए यदि आपकी प्रवृत्ति इस ओर रही तो आप काफी समय तक ऋण के भार से दबे रहेंगे। बचपन में मामा तथा मामी से आपको सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त खान पान में तेज मसालों आदि का भी परहेज रखना चाहिए अन्यथा इससे उदर या गुर्दे सम्बन्धी परेशानी उत्पन्न हो सकती है। इसके अतिरिक्त शत्रु वर्ग का आप दमन करेंगे परन्तु स्त्रियों के प्रति आसक्ति में आपका धन व्यय हो सकता है अतः सतर्क रहें।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

परिवार, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है सामान्यतया तुला राशि चंचल, भ्रमण प्रिय, प्रियवक्ता तथा माता पिता एवं गुरू जनों पर श्रद्धा रखने वाली होती है। यह वायुतत्व राशि है जिससे जातक सौम्य एवं गंभीर स्वभाव का होता है। लेकिन मंगल नैसर्गिक रूप से तेजस्वी पराक्रमी साहसी एवं अग्नितत्व ग्रह है तथा तुला राशि में स्थित होने के कारण जातक की प्रबल कामेच्छा रहती है।

अतः इनके प्रभाव से आपकी पत्नी का स्वभाव सौम्यता के साथ साथ तेजस्वी भी होगा तथा अवसरानुकूल वे इस भाव का प्रदर्शन करेंगी। साथ ही साहस एवं पराक्रम का भाव भी उनमें विद्यमान रहेगा। सांसारिक कार्यो में वह दक्ष होंगी एवं परिवार तथा समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगी। पाक शास्त्र के प्रति उनकी विशेष रूचि रहेगी तथा उनके द्वारा बनाए गए स्वादिष्ट व्यंजन सबको प्रिय लगेंगे।

आपकी पत्नी लालिमा लिए गौर वर्ण की महिला होंगी तथा उनका कद भी सामान्य रहेगा तुला राशि के प्रभाव से उनके सौंदर्य में प्रबल आकर्षण रहेगा तथा इसमें वृद्धि करने के लिए वह आधुनिक सौंदर्य प्रसाधनों का भी उपयोग करेंगी। साथ ही शारीरिक स्वस्थता एवं अंगों की पुष्टता के लिए वे व्यायाम या यौगिक क्रियाएं भी सम्पन्न करेंगी। अग्नि तत्व ग्रह मंगल के प्रभाव से उनकी शारीरिक संरचना में पतलापन रहेगा परन्तु आकर्षण में कोई कमी नहीं आएगी।

सप्तम भाव में तुला राशि के प्रभाव से आपका विवाह यथा समय सम्पन्न होगा। आपका विवाह विज्ञापन या किसी समीपी संबंधी के सहयोग से सम्पन्न होगा। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग देंगे। इससे जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपका विवाह समृद्ध परिवार में होगा तथा ससुराल पक्ष के लोग धनऐश्वर्य से सुसम्पन्न होंगे । तथा समय समय पर उनसे आर्थिक एवं नैतिक सहयोग मिलता रहेगा आपके आपसी संबंधों में विशेष मधुरता रहेगी ।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी का विशेष सेवा एवं सम्मान का भाव होगा तथा बहू के रूप में जितनी सेवा या सुख उन्हें देना चाहिए देंगी जिससे उनसे संबंधों में मधुरता रहेगी साथ ही देवर एवं ननदों से भी मधुर स्वभाव के कारण मैत्री पूर्ण संबंध बनेंगे।

व्यापार या अन्य योजनाओं में साझेदारी की दृष्टि से आप के लिए स्थिति अनुकूल होगी तथा इससे आपको लाभ एवं उन्नति मिलेगी। अतः साझेदारी के कार्यो को आप सम्पन्न कर सकते है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। इसके प्रभाव से आप एक व्यवहारिक व्यक्ति होंगे तथा ज्यौतिष या तंत्र मंत्र आदि पर आपका विश्वास अल्प ही रहेगा तथा भाग्य की अपेक्षा कर्म पर अधिक विश्वास करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आप भाग्यशाली रहेंगे तथा जमीन जायदाद मुकद्दमे या अन्य किसी भी प्रकार से आपको विशिष्ट लाभ होता रहेगा। साथ ही पैतृक सम्पत्ति या किसी समीपस्थ संबन्धी के द्वारा भी आपकी जायदाद में वृद्धि होने की संभावना रहेगी। साझेदार या पत्नी के द्वारा भी आपको प्रचुर मात्रा में लाभ होगा। आप यद्यपि घर से पूर्ण सुसम्पन्न व्यक्ति होंगे तथापि शादी के समय भी आप दहेज नकदी या आभूषण आदि को भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी।

जीवन में आपके घर में चोरी आदि की संभावनाएं अल्प रहेंगी यदि कोई ऐसी घटना घटेगी तो यह सामान्य रहेगी अतः इसके विषय में आपको अधिक चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथापि सावधानी वश आपको अपनी बहुमूल्य वस्तुओं को किसी सुरक्षित स्थान में रखना चाहिए। आपको अपने घर या कार आदि का बीमा अवश्य कराना चाहिए क्योंकि इनसे आपको पूर्ण लाभ होने की संभावना रहेगी। दीर्घावधि बीमा की अपेक्षा लधु अवधि बीमा कराने से अधिक लाभ होगा। सामान्यतया आप उत्तम स्वास्थ्य से युक्त रहेंगे परन्तु वाहन चलाते समय आपको गति पर पूर्ण नियंत्रण रखना चाहिए तथा ध्यान से सवारी चलानी चाहिए अन्यथा सामान्य दुर्घटना घट सकती है। इसके अतिरिक्त आप की आयु अच्छी रहेगी तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आप जीवन व्यतीत करेंगे।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म समय में नवम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप एक धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा समय समय पर धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करते रहंगे। साथ ही तीर्थ स्थानों की यात्रा करने की भी आपके मन में रूचि बनी रहेगी। आप प्रतिदिन न्यूनाधिक समय दैनिक पूजापाठ पर अवश्य व्यतीत करेंगे। समाज में धर्म के क्षेत्र में आप कई कार्यो को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मोपदेशक के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। ईश्वर के प्रति आपकी पूर्ण आस्था रहेगी तथा आपके विचार से बिना उसकी इच्छा के कुछ भी कार्य होना असम्भव सा है। साथ ही आप कर्म की अपेक्षा भाग्य पर अधिक विश्वास करने वाले व्यक्ति होंगे।

आपके पास अन्तर्प्रज्ञा शक्ति भी विद्यमान रहेगी। अतः अपने विषय में आपको पूर्वाभास हो सकता है। आप धार्मिक क्षेत्र में उच्च शिक्षा अर्जित करने के भी इच्छुक रहेंगे साथ ही लम्बी तीर्थ यात्राओं को भी जीवन में सम्पन्न करेंगे। अपने जीवन में आपको सामाजिक तथा कार्य क्षेत्र में इच्छित सफलता एवं ख्याति प्राप्त होगी तथा लोग आपसे प्रभावित रहेंगे तथा आपको इच्छित मान प्रदान करेंगे। आपके विचार से जीवन में मनुष्य को जो भी शुभ या अशुभ फल प्राप्त होते है वे सब पूर्व जन्म में किए गए कार्यो का फल है अतः आंतरिक रूप से आपकी सन्तुष्टि बनी रहेगी पौत्रों से आपको इच्छित सुख एवं आनन्द की प्राप्ति होगी। साथ ही ज्योतिष या तंत्र मंत्र में भी आपकी रूचि रहेगी तथा इसका ज्ञान भी रहेगा। इसके अतिरिक्त आप धर्मानुपालन में तत्पर, देवता एवं ब्राह्मणों के सेवक महात्माओं की आज्ञा का पालन करने वाले तथा परम्परागत धर्म से समाज में प्रसिद्धि प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

आपके जन्मलग्न में दशम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। साथ ही शुक्र भी मित्र राशि में स्थित होकर दशमभाव में ही स्थित है। मकरराशि भूमितत्व युक्त तथा शुक्र जलतत्व युक्त ग्रह है। अतः इसके प्रभाव से आपका कार्य क्षेत्र श्रम साध्य होगा परंतु बौद्धिकता का भाव भी बना रहेगा। साथ ही आप व्यवसाय या कार्यक्षेत्र में काफी बदलाव की इच्छा रखेंगे। चूंकि आप एक बुद्धिमान व्यक्ति है अतः जो भी परिवर्तन करेंगे उससे आपको लाभ की ही प्राप्ति होगी।

द्वितीयेश एवं सप्तमेश शुक्र के दशमभाव में स्थिति के प्रभाव से आपकी आजीविका का क्षेत्र कला, संगीत, सिनेमा, दूरदर्शन–विभाग, इलैक्ट्रोनिक्स, न्याय विभाग यथा न्यायधीश वकील सचिव सलाहकार फिल्म निदेशक या कलाकार के रूप में प्रारम्भ कर सकते हैं। यदि आप उपरोक्त क्षेत्रों या संबंधित विभागों में अपनी आजीविका क्षेत्र का चयन करेंगे तो इसमें आपको वांछित सफलता मिलेगी एवं उन्नति के मार्ग पर बिना किसी समस्या एवं व्यवधान के अग्रसर होंगे। शनि की राशि में शुक्र के प्रभाव से आप राजनीति के क्षेत्र में भी सफलता प्राप्त कर सकते है।

व्यापारिक क्षेत्र में अपना व्यवसाय प्रारम्भ करेने के लिए आपको चांदी सोना रत्न आदि का व्यापार दूध दही गुड़ आदि का व्यापार, चतुष्पद या वाहन संबंधी क्रय विक्रय आंलकारिक एवं मूल्यवान वस्त्र, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री तथा आयात निर्यात संबंधी यथा वस्त्रों का कार्य, शराब का व्यापार आदि लाभ दायक रहेगा एवं यदि आप ऐसे क्षेत्रों में अपने कार्यक्षेत्र या व्यापार को प्रारम्भ करेंगे तो इससे आपको जीवन में इच्छित लाभ एवं धनार्जन होगा तथा अपने स्तर की वृद्धि करने में समर्थ होंगे।

शुक्र की मित्र राशि में दशम भावस्थ स्थिति के प्रभाव से आप जीवन में किसी उच्च एवं अधिकारिक पद को प्राप्त करने में समर्थ होंगे। साथ ही समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा भी बनी रहेगी एवं सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में आप अपना आदरणीय स्थान स्थापित करने में समर्थ होंगे। साथ ही आप किसी मान्यता प्राप्त संस्था के कोई पदाधिकारी भी बन सकते है तथा कई सम्मानीय एवं अधिकार प्राप्त लोगों से आपके सम्पर्क बनें रहेंगे।

आपके पिताजी एक बुद्धिमान एवं विनम्र स्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा कलात्मकता के प्रति उनके मन में विशेष सम्मान होगा। साथ ही अपने आकर्षक व्यक्तित्व एवं अन्य कार्य कलापों से वे अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगे तथा समाज में आदरणीय समझें जाएंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह का भाव रहेगा एवं आपकी उन्नति के लिए वे प्रारम्भ से ही प्रयत्नशील रहेंगे फलतः आपको इच्छित शिक्षा प्रदान करेंगे एवं शिक्षा के स्तर में वृद्धि करने के लिए किसी भी प्रकार की कमी नहीं करेंगे। उनके प्रभाव से भी आपको समाज में मान प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त आप भी उन्हें पूर्ण सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी आज्ञा का

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

पालन में तत्पर होंगे। इसके अतिरिक्त आपके परस्पर संबंधों में भी मधुरता रहेगी तथा किसी भी प्रकार की आपस में समस्याएं नहीं होंगी।

DUASTRO

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

आपके जन्म समय में एकादश भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है अतः इसके प्रभाव से आप सौभाग्य से युक्त रहेंगे तथा आपकी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूर्ण होती रहेंगी। आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा आपकी कई इच्छाएं मन में विद्यमान रहेंगी तथा अन्य जनों की अपेक्षा आप की महत्वाकांक्षाएं यथा समय पूर्ण होंगी। आपके आय स्रोतों में स्वतः वृद्धि होती रहेगी तथा इनमें आपको अधिक परिश्रम नहीं करना पड़ेगा। अतिरिक्त आय स्रोतों के लिए आप मूल संबन्धी व्यापार लकड़ी या पेट्रोलियम पदार्थों के कार्य से इच्छित लाभ अर्जित कर सकते है।

आपकी मित्रता स्थाई रहेगी तथा मित्रों की संख्या भी अल्प ही रहेगी जिसमें आपको हार्दिक प्रसन्नता मिलेगी एवं उनसे भी यथा समय यथोचित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। अपने से अधिक आयु के लोगों से मित्रता आदि संबंध स्थापित करने से आपको इच्छित लाभ होगा क्योंकि अपनी आयु की अपेक्षा अधिक आयु के लोगों को समझना आपके लिए आसान रहेगा। प्रौढ़ या वृद्धावस्था में मित्रों के मध्य आपके सम्मान में वृद्धि होगी तथा वे सभी आपको अपना पथ प्रदर्शक समझेंगे।

आपके अंदर सामाजिकता की भावना हमेशा विद्यमान रहेगी तथा सामूहिक मनोरंजन में आपको मानसिक सन्तुष्टि प्राप्त होगी। समाज में आप एक प्रतिष्ठित तथा आदरणीय पुरूष समझें जाएंगे तथा कोई भी व्यक्ति आपके विरूद्ध सत्य असत्य बात कहने के लिए तैयार नहीं होगा तथा आपके सभी आभारी रहेंगे। बड़े भाई बहिनों से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग सामान्य मात्रा में ही प्राप्त होगा परन्तु बहिनों से यदा कदा विशिष्ट लाभ या सहयोग मिल सकता है। इसके अतिरिक्त यदा कदा आपके बाऐं कान में कोई परेशानी होगी परन्तु इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप आर्थिक मामलों में प्रारंभ से ही भाग्यशाली रहेंगे लेकिन समय के साथ ही आप बिना सोचे समझे कई बार मुक्त हाथों से व्यय करेंगे इससे आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप बुद्धिमता पूर्वक योजना बनाकर व्यय करेंगे तो आप आर्थिक परेशानियों से सुरक्षित रह सकते है।

आप स्वभाव से ही धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे अतः धार्मिक कार्य कलापों तीर्थ यात्राओं मन्दिर निमार्ण आदि कार्यो या परोपकार संबंधी कार्यो पर समय समय पर व्यय करते रहेंगे। बच्चों की आप पूर्ण चिन्ता करेंगे तथा उनके रहन सहन पठन पाठन का विशेष ध्यान रखेंगे तथा उन पर यथोचित व्यय करने के लिए तत्पर रहेंगे। आप उन्हें अच्छे स्कूलों तथा कालेजों में प्रवेश दिलाने के परम इच्छुक रहेंगे। साथ ही आपके मित्र एवं संबंधी भी अधिक होंगे। अतः समय समय पर इन पर भी आपका व्यय होता रहेगा। साथ ही घर की साज सज्जा की वस्तुओं यथा फर्नीचर टेलीफोन आदि भौतिक उपकरणों पर भी आपका समय समय पर व्यय होता रहेगा लेकिन आप व्यय पहले करेंगे बाद में अपना आर्थिक बजट देखेंगे इससे यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आप कर्ज आदि ले सकते है लेकिन इससे कोई परेशानी नहीं होगी तथा आप आसानी से कर्ज वापस कर देंगे।

आप नवीन विचारों की खोज में हमेशा मननशील रहेंगे तथा जीवन में नवीन आयाम भी प्राप्त करेंगे। साथ ही यात्रादि से भी आपकी इस क्षेत्र में उन्नति होगी आप शिक्षा, सरकारी अथवा कम्पनी के कार्य से विदेश यात्रा भी कर सकते है तथा इन यात्राओं से आपको भविष्य में पूर्ण लाभ होगा। इसके अतिरिक्त आप विदेश में लम्बी अवधि तक प्रवास भी कर सकते है जो आर्थिक एवं सामाजिक स्तर बढ़ाने के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। इससे आपके रहन–सहन, खान पान एवं अन्य क्षेत्रों में उन्नति कारक परिवर्तन दृष्टिगोचर होंगे।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

दशा विश्लेषण

महादशा :– गुरु
(09/08/2014 - 09/08/2030)

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा को 09/08/2014 शुरू तथा 09/08/2030 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 16 वर्ष है।

आपकी जन्म कुण्डली में गुरु एकादश भाव में स्थित है। एकादश भाव मित्र, समुदाय, लक्ष्य, इच्छा और उसकी पूर्ति, आमदनी, लाभ, समृद्धि, स्वास्थ्य लाभ और भाग्योदय तथा टखनों का द्योतक है। गुरु स्वभावतः एक शुभ ग्रह है जिसकी स्थिति आपकी कुण्डली में एकादश भाव में है तथा तृतीय, पंचम एवं सप्तम भाव पर इसकी दृष्टि है और इन भावों पर यह शुभ प्रभाव डाल रहा है। सोलह साल की यह अवधि आपके लिए साहस एवं समृद्धि की होगी।

स्वास्थ्य :

महादशेश गुरु एकादश भाव में स्थित होकर तृतीय भाव को (पंचम एवं सप्तम भावों के अतिरिक्त) देख रहा है जिसके फल स्वरूप आप हिम्मत, बहादुरी तथा मजबूती के साथ सभी समस्याओं को झेल पाएंगे और कोई बड़ी घटना या दुर्घटना आपको या आपके स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं कर पाएगी और आपको सामान्य कार्य करने में असुविधा नहीं होगी।

अर्थ–संपत्ति :

गुरु एकादश भाव अर्थात आय भाव में स्थित है तथा अपने ही भाव को शक्ति प्रदान कर रहा है जिसके फलस्वरूप आप इस दशा काल में चल या अचल संपत्ति अर्जित नहीं कर पाएँगे और भोग विलास की वस्तुओं पर खर्च करते हुए एक सामान्य जीवन का आनन्द लेंगे।

व्यवसाय :

यदि आप नौकरी में हैं तो आपको उन्नति तथा आय एवं धन में वृद्धि मिलेगी। व्यवसाय के प्रति अनेक नये विचार आपके दिमाग में आएंगे जिससे आप अपने व्यवसाय में नाम और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। अपके मित्र व्यवसाय में उन्नति करने की आपको प्रेरणा देंगे।

पारिवारिक जीवन :

आपके जीवन साथी आपके सहायक होंगे और आपके पारिवारिक जीवन को सुखमय तथा उत्साहपूर्ण बनाएँगे। गुरु की एकादश भाव से सप्तम अर्थात जीवन साथी के भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप आपके जीवन साथी हमेशा आपकी परेशानी में हाथ बँटाने के लिए तैयार रहेंगे। आपके बड़े भाई तथा मित्र भी आपके पारिवारिक जीवन को सुखमय बनाने में सहायक होंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

आप साहित्यिक तथा धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन जारी रखेंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

अंर्तदशा :– गुरु – शुक्र
(21/06/2022 - 19/02/2025)

आपके लिए बृहस्पति महादशा 09/08/2014 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में पांचवी अंतर्दशा शुक्र की होगी, जिसकी अवधि 2 वर्ष 8 मास रहेगी। आपके लिए यह 21/06/2022 को प्रारंभ होकर 19/02/2025 के समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी शुक्र सौंदर्य, सुख और कला का कारक है।

इस अवधि में आप लोकप्रिय और सफल होंगे। प्रसिद्धि, सम्मान और धन का योग है। विभिन्न विषयों में महारत हासिल कर सकते हैं। उच्चपद पर आसीन हो सकते हैं। तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं। प्रत्येक कार्य कर्मठता से करेंगे। शिक्षा उत्तम होगी; लोकप्रिय बनेंगे। भूमि से विशेषकर फलों से आय अच्छी होगी। घरेलू सुख उत्तम होगा।

आपके जीवनसाथी धन का संचय करेंगे। आपके पिता को विभिन्न माध्यमों से धनागम होगा। माता को साझेदारी से लाभ होगा; आय अच्छी होगी।

आपके भाई–बहनों को साझेदार के माध्यम से अप्रत्याशित लाभ हो सकता है, खर्चे बढ़ सकते हैं।

आपकी संतान स्पर्धियों पर विजयी होगी और परीक्षा में सफल रहेगी।

अगर आप सेवारत हैं तो भाग्यशाली रहेंगे। परामर्शदाताओं की आय अच्छी होगी, प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। व्यापारियों को पहले किये निवेश से लाभ होगा।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। हाथ–पैरों में मामूली व्याधि हो सकती है। शुभत्व में वृद्धि के लिए भोजन करने से पूर्व गाय को रोटी दें।

अंर्तदशा :– गुरु – सूर्य
(19/02/2025 - 08/12/2025)

आपके लिए बृहस्पति की महादशा 09/08/2014 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में छठी अंतर्दशा सूर्य की होगी जिसकी अवधि 9 मास 18 दिन रहेगी। आपके लिए यह 19/02/2025 को प्रारंभ होकर 08/12/2025 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी सूर्य आत्मा, पिता, कार्यक्षमता और स्वास्थ्य का कारक है।

इस अवधि में आपके पिता से संबंध उत्तम रहेंगे। अपने से बड़े लोग और सहकर्मी प्रशंसा करेंगे। उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश मिल सकता है। भाग्य में वृद्धि होगी। दर्शनशास्त्र और भौतिक विज्ञान का अध्ययन कर सकते हैं। साहित्य और संचार माध्यम में सफल हो सकते हैं। बहुत सारे काम पूर्ण होंगे। कार्यक्षमता उत्तम होगी।

आपके जीवनसाथी की कार्यक्षमता उत्तम होगी, सुख–साधन उपलब्ध होंगे। आपके

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

पिता सफल होंगे और प्रगति करेंगे। माता की विरोधियों पर विजय होगी, स्वास्थ्य उत्तम होगा। आपके भाई–बहनों के लिए साझेदारी के व्यापार से लाभ, धनागम, सफलता, सरकार से लाभ का संकेत है।

आपकी संतान शिक्षा में सफल रहेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो धनार्जन उत्तम होगा, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, उच्चपद मिल सकता है।

अगर आप सेवारत हैं तो मामूली परिवर्तन हो सकता है। परामर्शदाताओं की यात्रा हो सकती है। व्यापारी धन कमाएंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अरिष्ट से बचाव के लिए तांबा, गेहूं और लाल वस्त्र दान में दें।

अंर्तदशा :– गुरु – चन्द्र
(08/12/2025 - 09/04/2027)

आपके लिए बृहस्पति की महादशा 09/08/2014 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में सातवीं अंतर्दशा चंद्रमा की होगी जिसकी अवधि 1 वर्ष 4 मास है। आपके लिए यह 08/12/2025 को आरंभ होकर 09/04/2027 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी चंद्र सुंदरता, स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और भावनाओं का कारक है।

इस अवधि में आप सफल रहेंगे। साहित्य और संचार माध्यम से लाभ हो सकता है। वाक्शक्ति उत्तम होगी। छोटे भाई–बहनों से संबंध उत्तम रहेंगे। उत्तम वस्त्र प्राप्त होंगे। लोकप्रियता बढ़ेगी। लघु यात्राएं हो सकती हैं। भाग्यशाली, प्रसन्न और धनी होंगे। संतान से सुख मिलेगा। अध्यात्म में रुचि हो सकती है।

आपके जीवनसाथी भाग्यशाली और धनी बनेंगे। आपके पिता कार्यक्षेत्र में सफल होंगे, घरेलू जीवन सुखी रहेगा। माता के खर्चे बढ़ सकते हैं; यात्रा हो सकती है। आपके भाई–बहनों के लिए विरासत से लाभ, सुखी पारिवारिक जीवन, सरकार से लाभ का संकेत है।

आपकी संतान का ज्ञानार्जन उत्तम होगा, बहुत से मित्र होंगे, सफलता मिलेगी। परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त होंगे। अगर वे कार्यरत हैं तो धनार्जन होगा।

अगर आप सेवारत हैं तो कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी, कुछ परिवर्तन हो सकता है। परामर्शदाताओं को परिश्रम करना होगा। व्यापारी धन कमाएंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए कुमारी कन्या को हरे वस्त्र दान में दें।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

अंर्तदशा :– गुरु – मंगल
(09/04/2027 - 15/03/2028)

आपके लिए बृहस्पति की महादशा 09/08/2014 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में आठवीं अंतर्दशा मंगल की होगी जिसकी अवधि 11 मास 6 दिन रहेगी। आपके लिए यह 09/04/2027 को प्रारंभ होकर वद 15/03/2028 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी मंगल साहस, शौर्य और आत्मविश्वास का कारक है।

इस अवधि में आप बली और तीव्रता से निर्णय करने वाले होंगे। धन और प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। सहकर्मियों से मतभेद हो सकते हैं। मुकदमे में जीत होगी। स्वास्थ्य और रोगनिरोधक क्षमता उत्तम होंगे। दूरस्थ स्थान की यात्रा हो सकती है। पिता से संबंध उत्तम रहेंगे। अध्यात्म में रुचि होगी। कार्यक्षेत्र में बाधाएं आ सकती हैं। कार्यक्षमता उत्तम होगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा, सफलता मिलेगी, धनागम होगा। तकनीकी परियोजनाओं से लाभ होगा।

आपके जीवनसाथी के खर्चे बढ़ सकते हैं। आपके पिता सफल और प्रसिद्ध होंगे। माता की स्पर्धियों पर विजय होगी, धनी बनेंगी, रोगनिरोधक क्षमता उत्तम होगी। आपके भाई–बहनों के लिए उत्तम शिक्षा, अचल संपत्ति की प्राप्ति, अप्रत्याशित परिवर्तन और विरासत से लाभ का संकेत है।

आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी, परीक्षा में सफलता मिलेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो हर प्रकार से लाभ होगा; पारिवारिक जीवन सुखद होगा, प्रसिद्धि मिलेगी।

अगर आप सेवारत हैं तो कार्यालय में सुविधाएं उत्तम होंगी। व्यापारियों की यात्रा हो सकती है; खर्चे बढ़ सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। अरिष्ट से बचाव के लिए लाल वस्त्र, मसूर और लाल चंदन का दान करें।

अंर्तदशा :– गुरु – राहु
(15/03/2028 - 09/08/2030)

आपके लिए बृहस्पति की महादशा 09/08/2014 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में नवीं अंतर्दशा राहु की होगी जिसकी अवधि 2 वर्ष 4 मास 24 दिन है। यह 15/03/2028 को प्रारंभ होकर 09/08/2030 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी राहु भौतिक सुख, अचानक परिवर्तन और विदेशियों का कारक है।

इस अवधि में आप जायदाद या वाहन खरीद सकते हैं। घरेलू सुख उत्तम होगा। आप बली और निडर होंगे। ज्ञानार्जन उत्तम होगा; प्रसिद्ध बनेंगे। विभिन्न धर्मों के लोगों से लाभ होगा। तीर्थयात्रा हो सकती है। समाज, कार्यक्षेत्र और व्यवसाय से लाभ होगा। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रसिद्धि मिलेगी। धर्म और अध्यात्म में रुचि होगी। दान–धर्म में मन लगेगा।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

Duastro Sample

आपके जीवनसाथी कार्यक्षेत्र में तरक्की करेंगे। आपके पिता को अप्रत्याशित लाभ होगा। माता का धनार्जन उत्तम होगा। आपके भाई–बहनों के लिए धन, उत्तम शिक्षा, इच्छाओं की पूर्ति, सम्मान का संकेत है।

आपकी संतान को वांछित परिणाम के लिए परिश्रम करना होगा। अगर वे कार्यरत हैं तो यात्राएं हो सकती हैं।

अगर आप सेवारत हैं तो समृद्धि बढ़ेगी आय अच्छी होगी, उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाताओं को साझेदारी से लाभ होगा। व्यापारियों का लाभ बढ़ेगा; व्यस्त रहेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। छाती की मामूली शिकायतों को अनदेखा न करें। अरिष्ट से बचाव के लिए राहु मंत्र का जाप करें।

ऊँ रां राहवे नमः

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

महादशा :– शनि
(09/08/2030 - 08/08/2049)

शनि की महादशा की अवधि 19 वर्ष है। आपकी कुण्डली में यह 09/08/2030 को आरम्भ और 08/08/2049 को समाप्त होगी।

आपकी जन्मकुण्डली में शनि प्रथम भाव में स्थित है। यह एक अशुभ ग्रह है जो जातक के दिमाग में भय उत्पन्न करता है। लक्ष्य प्राप्ति में यह बाधा और विलम्ब करता है। यह जातक की परीक्षा लेता है और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उसे कठिन परिश्रम करने को प्रेरित कर उसके धैर्य की परीक्षा लेता है। किन्तु जातक को अन्ततः लक्ष्य की प्राप्ति होती है।

जन्मकुण्डली में प्रथम भाव में स्थित इस ग्रह की दृष्टि तृतीय, सप्तम तथा दशम भाव पर है और यह इन भावों के 'कारकत्व' पर प्रभाव डाल रहा है। प्रथम भाव, जिसमें यह स्थित है, शरीर की लम्बाई, बनावट, स्वास्थ्य, जीवन–शक्ति, व्यक्तित्व, जीवन संघर्ष, प्रतिष्ठा, सामान्य तन्दुरुस्ती, और जीवन–संरचना के प्रति विचार का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी शनि लग्न में स्थित होने के फलस्वरूप इस दशा के दौरान कोई गम्भीर बीमारी या दुर्घटना नहीं होगी। इस दशा में आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और आप अपना कार्य नियमित रूप से करेंगे।

अर्थ–सम्पत्ति :

इस दशा के दौरान शनि के कारण आपको अर्थ–सम्पत्ति में वृद्धि करने के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। आपको धन अर्जन के अनेक अवसर मिलेंगे और इस दशा में आपके संसाधनों में वृद्धि और 'सुधार' होगा। आप आराम और विलास की वस्तुओं पर व्यय करने में सक्षम होंगे।

व्यवसाय :

व्यावसायिक स्तर पर आप सुदृढ़ होंगे और अपनी बुद्धिमत्ता तथा शिक्षा के बल पर स्वयं धनोपार्जन करेंगे। आपमे स्वनियोजित होने की संभावना है। आप उपदेशक या नेता भी हो सकते हैं। आपको पैतृक सम्पत्ति भी मिल सकती है।

पारिवारिक जीवन :

प्रथम भाव से सप्तम भाव पर शनि की दृष्टि के फलस्वरूप आपको आपके जीवनसाभी से सहयोग मिलेगा और वह आपके परिवार को सुचारु रूप से चलाने में आपकी सहायता करेंगे। आपके बच्चे आज्ञाकारी तथा सहयोगी होंगे और आपके दैनिक जीवन में आपका सहयोग करेंगे। आपको उनसे संतोष मिलेगा।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

शिक्षा और साहित्यिक वृत्ति में वृद्धि की दृष्टि से यह दशा आपके अनुकूल होगी।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

अंर्तदशा :– शनि – शनि
(09/08/2030 - 11/08/2033)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है। आपके लिए यह 09/08/2030 को प्रारंभ होकर 08/08/2049 को समाप्त होगी। इस महादशा में शनि की अंतर्दशा 3 वर्ष 3 मास की होगी जो आपके लिए 09/08/2030 को प्रारंभ होकर 11/08/2033 को समाप्त होगी।

शनि आपकी जन्मपत्री में लग्न में स्थित है। लग्न शारीरिक बनावट, आकृति, स्वास्थ्य, जन्मजात स्वभाव और आदतें, सम्मान, गरिमा, सामान्य शुभत्व, चेहरे का ऊपरी भाग, आयु और जीवन की रुपरेखा आदि का परिचायक है। लग्न में स्थित होकर शनि आपकी कुंडली के 3, 7, 10 भावों पर दृष्टि डाल रहा है और उनके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपके स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिति में गिरावट आ सकती है। वातरोगों से बचाव करना श्रेयस्कर रहेगा। अधिकारीगण अप्रसन्न रह सकते हैं। आलस्य की भावना अधिक हो सकती है; ज़िम्मेदारियों से बचने की कोशिश कर सकते हैं। कार्यों में प्रगति धीमी रहेगी।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए निम्न उपाय करें:

- मछलियों को आटे की गोलियां खिलाएं।
- शिवजी की उपासना करें।
- भोजन की पहली चपाती गाय को दें।

अंर्तदशा :– शनि – बुध
(11/08/2033 - 20/04/2036)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है जो आपके लिए 09/08/2030 को प्रारंभ होकर 08/08/2049 को समाप्त होगी। इस महादशा में बुध की अंतर्दशा 2 वर्ष 8 मास 9 दिन की होगी जो आपके लिए 11/08/2033 को प्रारंभ होकर 20/04/2036 को समाप्त होगी।

बुध आपकी जन्मपत्री में अष्टम भाव में स्थित है। अष्टम भाव आयु, विरासत, दुर्घटना, दुर्भाग्य, दुख, चिंता, निराशा, हानि, बाधा, चोरी और डकैती का प्रतिनिधि है। बुध बुद्धि का कारक है। अष्टम भाव में स्थित होकर बुध आपकी कुंडली के द्वितीय भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप विनम्र और शिष्ट होंगे। धनागम उत्तम होगा। विरासत से भी धनी बन सकते हैं। बुद्धिमत्ता और ज्ञान के कारण छात्रवृत्ति मिल सकती है। स्वास्थ्य निर्बल हो सकता है; इसका ध्यान रखना श्रेयस्कर रहेगा।

शुभत्व में वृद्धि के लिए बुध के वैदिक मंत्र के 9000 जाप करें।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

अंर्तदशा :– शनि – केतु
(20/04/2036 - 30/05/2037)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है। आपके लिए यह 09/08/2030 को प्रारंभ होकर 08/08/2049 को समाप्त होगी। इस महादशा में केतु की अंतर्दशा 1 वर्ष 1 मास 9 दिन की होगी जो आपके लिए 20/04/2036 को प्रारंभ होकर 30/05/2037 को समाप्त होगी।

केतु आपकी जन्मपत्रिका में दशम भाव में स्थित है। दशम भाव सम्मान, जनता, सत्ता, सफलता, पद और साख, दुनियादारी, प्रोन्नति, नियुक्ति, धार्मिक कार्य, सरकार से सम्मान और जांघों का परिचायक है। दशम भाव में स्थित होकर केतु आपकी कुंडली के चतुर्थ भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपके कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं, फिर भी आप साहसी और प्रसन्न रहेंगे। धर्म में रुचि होगी, तीर्थों की यात्राएं करेंगे। गरीबों की मदद करेंगे।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए केतु के तांत्रिक मंत्र के 72000 जाप करें।

अंर्तदशा :– शनि – शुक्र
(30/05/2037 - 30/07/2040)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है। आपके लिए यह 09/08/2030 को प्रारंभ होकर 08/08/2049 को समाप्त होगी। इस महादशा में शुक्र की अंतर्दशा 3 वर्ष 2 मास की होगी जो आपके लिए 30/05/2037 को प्रारंभ होकर 30/07/2040 को समाप्त होगी।

शुक्र आपकी जन्मपत्री में दशम भाव में स्थित है। दशम भाव सम्मान, जनता, सत्ता, सफलता, पद और साख, दुनियादारी, प्रोन्नति, नियुक्ति, धार्मिक कार्य, सरकार से सम्मान और जांघों का परिचायक है। शुक्र शुभ ग्रह है। दशम भाव में स्थित होकर शुक्र आपकी कुंडली के चौथे भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे, धनागम उत्तम होगा, समाज में प्रतिष्ठा होगी। प्रभावक्षेत्र बढ़ेगा। बहुत सी महिलाएं आपके अधीनस्थ कार्य कर सकती हैं। व्यापार में आप कुशल होंगे, चिकित्सा क्षेत्र में सफल हो सकते हैं। तंत्र–मंत्र आदि में सिद्धि प्राप्त हो सकती है।

शुभत्व में वृद्धि और अरिष्ट से बचाव के लिए :

- लक्ष्मीजी की उपासना करें।
- चींटियों को शक्कर और आटा खिलाएं।
- कन्याओं को खीर खिलाएं।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

अंर्तदशा :– शनि – सूर्य
(30/07/2040 - 12/07/2041)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है। आपके लिए यह 09/08/2030 को प्रारंभ होकर 08/08/2049 को समाप्त होगी।

शनि महादशा में सूर्य की अंतर्दशा 11 मास 12 दिन की होती है। आपके लिए यह 30/07/2040 को प्रारंभ होकर 12/07/2041 को समाप्त होगी।

सूर्य आपकी जन्मपत्री में नवम भाव में स्थित है। नवम भाव श्रद्धा, भाग्य, धार्मिक और आध्यात्मिक विचार, अंतर्ज्ञान, भविष्यज्ञान, उपासनास्थल, पिता, धर्मगुरु, लंबी यात्राएं, हवाई यात्रा, उच्च शिक्षा और घुटनों का प्रतिनिधि है। सूर्य शक्तिशाली ग्रह है। नवम भाव में स्थित होकर सूर्य आपकी कुंडली के तीसरे भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपको पुत्रों से सुख में कमी आ सकती है। स्वयं के प्रयास से अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। धर्म और अध्यात्म में रुचि होगी,

पिता और गुरु की सेवा करेंगे। पैतृक संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। आप महत्वाकांक्षी और उद्यमी होंगे, मगर कार्यों में बाधाएं आएंगी।

अरिष्ट से बचाव के लिए सूर्य के वैदिक मंत्र के 7000 जाप करें। सूर्योदय के समय सूर्य नमस्कार करते हुए सूर्य को जल अर्पित करें।

अंर्तदशा :– शनि – चन्द्र
(12/07/2041 - 10/02/2043)

शनि महादशा में चंद्र की अंतर्दशा 1 वर्ष 7 मास की होगी। आपके लिए यह 09/08/2030 को प्रारंभ होकर 08/08/2049 को समाप्त होगी।

चंद्रमा आपकी जन्मपत्री में तृतीय भाव में स्थित है। तृतीय भाव मष्तिष्क का रुझान, बुद्धि, साहस, छोटे भाई–बहन, लघु यात्राएं, विचार संचार, हाथ, कंधे आदि का परिचायक है। तृतीय भाव में स्थित होकर चंद्रमा आपकी कुंडली के 9वें भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपकी बुद्धिमत्ता में उन्नति होगी, साहसी बनेंगे। जीवन में उपलब्धियां प्राप्त होंगी जिससे व्यक्तित्व उत्तम बनेगा। भाई–बहनों से संबंध अच्छे रहेंगे। लक्ष्यप्राप्ति में बाधाएं आ सकती हैं, मगर आप हिम्मत नहीं हारेंगे और अंततः सफल होंगे।

अरिष्ट से बचाव के लिए चंद्रमा के वैदिक मंत्र के 11000 जाप करें।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

अंर्तदशा :– शनि – मंगल
(10/02/2043 - 21/03/2044)

शनि महादशा की अवधि 19 वर्ष होती है जो आपके लिए 09/08/2030 को प्रारंभ होकर 08/08/2049 को समाप्त होगी। इस महादशा में मंगल की अंतर्दशा 1 वर्ष 1 मास की होगी जो आपके लिए 10/02/2043 को प्रारंभ होकर 21/03/2044 को समाप्त होगी।

मंगल आपकी जन्मपत्री में छठे भाव में स्थित है। छठा भाव बीमारी, सुश्रूषा, मातहत या सेवक, कर्ज़, शत्रु, कंजूसी और अतिकष्ट का द्योतक है। मंगल की छठे भाव में स्थिति शुभ मानी जाती है।

इस अवधि में आप साहसी, शक्तिशाली और धैर्यवान होंगे, मगर कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं। विषय–वासनाओं में रुचि बढ़ सकती है उच्चपद प्राप्त हो सकता है। ऊर्जा का उपयोग सही दिशा में करना उचित होगा अन्यथा बुरे फंस सकते हैं।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए प्रतिदिन ब्रह्माजी के गायत्री मंत्र के 108 जाप करें और हनुमान मंदिर में जाकर उपासना करें।

DUASTRO
DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को पूर्णमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की युति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही कौन सा ग्रह किस क्षेत्र में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को 75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिन्हें 50–75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उन्हें कार्य क्षेत्र अनुसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल 25–50 प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिन्हें 25 प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझें और उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
माणिक्य	सूर्य	92%	भाग्योदय, सन्तति सुख
पुखराज	गुरु	78%	धनार्जन, भाग्योदय, कम खर्च
लहसुनिया	केतु	73%	व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
नीलम	शनि	67%	स्वास्थ्य, व्यावसायिक उन्नति, धनार्जन
मोती	चंद्र	64%	पराक्रम, सुख
गोमेद	राहु	58%	सुख, पराक्रम
हीरा	शुक्र	52%	व्यावसायिक उन्नति, धन, दम्पति
मूंगा	मंगल	47%	शत्रु व रोग, रोग, दुर्घटना
पन्ना	बुध	0%	दुर्घटना, पराक्रम हानि, शत्रु व रोग

रत्न की शुभता

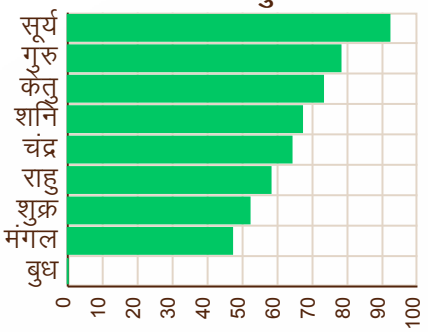

दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मोती	मूंगा	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	गोमेद	लहसुनिया
राहु	09/08/2014	80%	52%	22%	0%	78%	58%	73%	70%	61%
गुरु	09/08/2030	98%	70%	55%	0%	91%	28%	67%	58%	73%
शनि	08/08/2049	80%	52%	22%	0%	78%	58%	80%	64%	61%
बुध	09/08/2066	98%	52%	47%	6%	78%	58%	67%	58%	73%
केतु	08/08/2073	80%	52%	55%	0%	78%	58%	55%	41%	86%
शुक्र	08/08/2093	80%	52%	47%	0%	78%	64%	73%	64%	80%
सूर्य	09/08/2099	100%	70%	55%	0%	84%	28%	55%	41%	61%
चंद्र	09/08/2109	98%	77%	47%	0%	78%	52%	67%	41%	61%
मंगल	09/08/2116	98%	70%	61%	0%	84%	52%	67%	41%	80%

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

विस्तृत रत्न विचार

औषधि मणि मंत्राणां, ग्रह–नक्षत्र तारिका ।
भाग्यकाले भवेत्सिद्धिः अभाग्यं निष्फलं भवेत ।।

औषधि, मणि एवं मंत्र ग्रह नक्षत्र जनित रोगों को दूर करते हैं। यदि समय सही है तो इनसे उपयुक्त फल प्राप्त होते हैं। विपरीत समय में ये सभी निष्फल हो जाते हैं।

रत्न शरीर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ अपनी चमत्कारिक शक्ति द्वारा ग्रहों के विपरीत प्रभावों को कम करके ग्रह बल को बढ़ाते है। रत्न हमारे शरीर में ग्रहों से आ रही किरणों का प्रवाह बढ़ाते हैं। अतः जो ग्रह आपकी कुण्डली में शुभ हो लेकिन निर्बल हो उनका रत्न पहनने से ग्रह की निर्बलता दूर होती है। यही कारण है कि अशुभ ग्रहों के रत्न सर्वदा त्याज्य है।

रत्न जितना साफ व सही कटाव का होगा उतना ही अधिक रश्मियों को एकत्रित करने में सक्षम होता है। अतः अच्छी गुणवत्ता के रत्न ही पूर्णतः फल देने में समर्थ होते है। रत्न का वजन व शरीर का वजन ग्रह की निर्बलता के अनुपात में होना चाहिए। यदि ग्रह बहुत कमजोर है तो अधिक वजन का रत्न पहनना चाहिए। हीरे को छोड़कर रत्न शरीर से छुना अति आवश्यक हैं। अंगूली में व विशेष धातु में पहनने से रत्न का प्रभाव अधिकतम होता है।

यदि किसी कारणवश रत्न उतारना है तो रत्न के वार के दिन ही उतारकर श्रद्धापूर्वक गंगाजल में धोकर सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। यदि रत्न खो जाए या चोरी हो जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह दोष खत्म हो गया है। यदि रत्न का रंग फिका पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत हुआ समझना चाहिए। यदि रत्न में दरार पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह प्रभावशाली है तब ग्रह की शांति कराए तथा दूसरा रत्न बनवाकर पुनः पहनें।

कुंडली में जो ग्रह अशुभ हो उनके लिए रुद्राक्ष धारण, मंत्र, दान, जल, विसर्जन एवं व्रत आदि उपायों से ग्रहों की अशुभता को दूर किया जा सकता है। यदि आप किसी कारणवश रत्न धारण करने में असमर्थ है तो आप इन रत्नों के रुद्राक्ष या उपरत्न धारण कर ग्रह शुभता प्राप्त कर सकते है अन्यथा मंत्र जाप। दान या व्रत आदि से भी ग्रहों का बलाबल बढ़ा सकते है।

किसी भी कुंडली के लिए लग्नेश जीवन रत्न होता है और इसके धारण करने से स्वास्थ्य लाभ व व्यक्तित्व विकास व मान–सम्मान प्राप्त होता है। नवमेश का रत्न भाग्य रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से भाग्य की बढ़ोतरी होते है। साथ ही यह रत्न मान–प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। योगकारक या पंचमेश ग्रह का रत्न। कारक रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से कार्य में प्रगति। धन लाभ व चौमुखी विकास प्राप्त होता है। आपको कौन सा रत्न पहनना चाहिए व कौन सा नहीं इसके लाभ/हानि की जानकारी विस्तृत रूप में नीचे दी जा रही है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न। द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान सिद्ध हो सकता है।

आपकी कुडंली और रत्न

आपके लिए माणिक्य व पुखराज रत्न धारण करना अति शुभ फलदायक है। इन्हें आप सर्वदा धारण करेंगे तो आपके जीवन का चहुंमुखी विकास होगा। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

पुखराज आपका भाग्य रत्न है। इस रत्न को धारण करने से आपके भाग्य की वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य सुगमता पूर्वक बनेंगे। मान–सम्मान बढ़ेगा। शुभ यात्राएं होंगी। मानसिक विकार दूर होंगे। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

माणिक्य आपका कारक रत्न है। कारक रत्न के धारण करने से व्यावसायिक उन्नति प्राप्त होती है। धन लाभ होता है। सुख सम्पत्ति की प्राप्ति होती है। जीवन में नयी ऊर्जा का प्रवाह होता है।

अतः उपरोक्त रत्न आप अवश्य धारण करें। सभी रत्न जीवन पर्यन्त धारण करने से ग्रहों की विशेष शुभता प्राप्त होगी और जीवन सुखमय होकर गतिमान होगा। उपरोक्त रत्न आप बिना किसी दशा या गोचर विचार के धारण कर सकते हैं क्योंकि सभी रत्न अति शुभफलदायी हैं।

आपके लिए लहसुनिया, नीलम, मोती, गोमेद एवं हीरा रत्न शुभ हैं लेकिन ये रत्न दशानुसार शुभाशुभ फल देने में सक्षम है। अतः इन्हें आप स्वदशा या मित्र दशा में धारण करेंगे तो ये शुभ फल देंगे। शत्रु दशा में इनको नहीं पहनना ही बेहतर होगा। उस समय इन ग्रहों के उपाय आप रुद्राक्ष पहन कर या दान, मंत्र जाप आदि से करना श्रेष्ठ होगा।

मूंगा रत्न आपके लिए नेष्ट है। अतः इसे न पहनना ही बेहतर है। इसे धारण करने से आपको मानसिक परेशानी एवं स्वास्थ्य हानि हो सकती है। अतः यदि इसे धारण करना हो तो इसकी अनुकूलता का परीक्षण अवश्य कर लें और विभिन्न दशाओं में इसकी अनुकूलता का परिक्षण करते रहें, क्योंकि यह रत्न आपके लिए किसी दशा या गोचर में विशेष कष्टकारी भी हो सकता है।

पन्ना पहनना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। इस रत्न का आप सर्वदा त्याग ही करें, क्योंकि किसी भी दशा या गोचर में इससे शुभ फल प्राप्त होने की आशा कम ही है। इस रत्न को धारण करने से सामाजिक, आर्थिक व स्वास्थ्य पक्ष से विपरीत फल प्राप्त हो

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

सकते हैं।

विभिन्न रत्न आपके लिए किस प्रकार से फलदायी रहेंगे एवं उनकी धारण विधि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :–

माणिक्य

आपकी कुंडली में सूर्य नवम भाव में स्थित है। सूर्य रत्न माणिक्य आपके लिए शुभ रत्न है। अतः आप माणिक्य रत्न धारण करें। माणिक्य रत्न शुभता आपको लम्बी दूरी की यात्राएं करवाएगी। धर्म–कर्म एवं परोपकार से जुड़े कार्यो में आपकी सहभागिता बढ़ेगी। रत्न प्रभाव आपको अपने परिवार के अत्यधिक निकट लायेंगा। पिता से संबंध मधुर होकर मजबूत होंगे। सूर्य रत्न माणिक्य आपको शिक्षा के क्षेत्र में उत्तम फल देगा। उच्च शिक्षा प्राप्ति में माणिक्य रत्न शुभ फलदायक रत्न है। रत्न प्रभाव से विदेश गमन के योग बन सकते है।

आपकी मेष लग्न की कुंडली में सूर्य पंचम भाव का स्वामी है। सूर्य लग्नेश मंगल का मित्र है। सूर्य रत्न माणिक्य धारण कर आप सूर्य को प्रबल कर सकते है। माणिक्य रत्न धारण करने से आपके स्वास्थ्य, आरोग्यता, यश–मान, ज्ञान, योग्यता एवं बुद्धि का विकास हो सकता है। सूर्य पंचमेश है और पंचमेश का रत्न होने के कारण माणिक्य आपके संतान सुख में भी वृद्धि करने में भी सक्षम है। इसके अलावा सूर्य रत्न माणिक्य धारण कर आप सरकार द्वारा लाभ प्राप्त कर सकते है।

यह रत्न अनामिका अंगूली, स्वर्ण धातु में जड़वाकर रविवार को प्रातः काल में स्नानादि से निवृत होकर धारण करना चाहिए। पंचामृत से रत्न को शुद्ध करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। धारण करने के पश्चात सूर्य मंत्र ऊँ घृणि सूर्याय नमः का कम से कम १ माला जाप करना चाहिए। तद्पश्चात सूर्य वस्तुएं जैसे– गेहूं, गुड़, चंदन, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। माणिक्य रत्न कम से कम ४ रत्ती से लेकर ८ रत्ती तक का धारण करना लाभकारी रहता है।

माणिक्य रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न को धारण करने से बचना चाहिए। अति आवश्यकता में इन्हें आप लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते है। आवश्यकता में यह रत्न चांदी धातु में भी धारण किया जा सकता है। यदि आप माणिक्य रत्न पहनने में किसी प्रकार से असमर्थ है तो आप इसके स्थान पर लाल तुरमली, गुलाबी हकीक, गारनेट एवं एक मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते है।

पुखराज

आपकी कुंडली में गुरु एकादश भाव में स्थित है। आपको गुरु रत्न पुखराज धारण करना चाहिए। रत्न शुभता से आप कुशाग्र और विचारवान बनेंगे। आप सत्यवक्ता बनेंगे तथा आपको सज्जन एवं श्रेष्ठ व्यक्तियों की संगति प्राप्त होगी। पुखराज रत्न श्रीमान और कुलीन लोगों से आपकी मित्रता बनाएगा। रत्न की शक्तियां आपकी आशाओं और महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

में सहयोग करेंगी। आपको अर्थलाभ और धन की प्राप्ति देगी। पुखराज रत्न से आपकी आमदनी के अनेक साधन होंगे। यह रत्न आपको पराक्रमी, पिता का सहायक और शत्रुओं को पराजित करने वाला बनाएगा।

आपकी मेष लग्न की कुंडली में गुरु भाग्येश एवं व्ययेश है। भाग्येश होने के कारण बृहस्पति ग्रह आपके लिए शुभ ग्रह है। भाग्येश गुरु का रत्न पुखराज धारण कर आप अपने भाग्य की बाधाओं को दूर कर सकते है। प्रयास करने पर भी यदि आपके कार्य पूर्ण नहीं हो रहे है तो गुरु रत्न पुखराज धारण करने से भाग्योदय होकर कार्यो में सफलता प्राप्त हो सकती है। यह रत्न धर्म, ज्ञान एवं विवेक भाव की वृद्धि के लिए अनुकूल रत्न है। पुखराज द्वादशेश का रत्न होने के कारण विदेश यात्रा और विदेश गमन, शयन सुख को बढ़ाया सकता है। अतः आप पुखराज रत्न धारण कर सकते है।

इस रत्न को स्वर्ण धातु में जड़वाकर, गुरुवार के दिन प्रातःकाल में सभी प्रकार से शुद्ध होने के बाद रत्न को धूप, दीप दिखाकर तर्जनी अंगूली में धारण करना चाहिए। पुखराज रत्न धारण करने के बाद ऊँ बृं बृहस्पतये नमः का एक माला जाप ५ मुखी रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। जप पूर्ण करने के बाद किसी जरुरतमंद को गुरु ग्रह से संबंधित पदार्थों का दान अपने सामर्थ्यशक्ति के अनुसार करना चाहिए। गुरु ग्रह की वस्तुएं इस प्रकार है– चने की दाल, हल्दी, पीला वस्त्र। यह रत्न कम से कम ४ रत्ती से लेकर 8 रत्ती का धारण किया जा सकता है।

पुखराज रत्न के साथ हीरा और गोमेद रत्न धारण करना अनुकूल फलदायक नहीं रहता है। विशेष आवश्यकता होने पर आप इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। किसी कारणवश यदि पुखराज रत्न आप धारण न कर पाएं तो आप इसके उपरत्न सुनहला, पीला हकीक, पीताम्बरी रत्न एवं ५ मुखी रुद्राक्ष धारण करें।

लहसुनिया

आपकी कुंडली में केतु ग्रह कर्म भाव में स्थित है। आपके लिए केतु रत्न लहसुनिया धारण करना शुभफलदायक रहेगा। लहसुनिया रत्न आपको आत्मज्ञानी और शिल्पकला का जानकार बना सकता है। रत्न शुभता से आप प्रतियोगियों को शांत रखने में सफल रहेंगे। इस रत्न को धारण करने के बाद आपका स्वभाव मिलनसार, प्रभावशाली और प्रशंसनीय बनेगा। केतु रत्न लहसुनिया आपको अत्यधिक यात्राएं देकर, यात्राओं से लाभ देगा। व्यर्थ के कार्यो में आपके श्रम को बचाएगा। रत्न शुभता से आप अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील रहेंगे।

केतु मकर राशि में स्थित है व इसका स्वामी शनि प्रथम भाव में स्थित है। अतः लहसुनिया धारण करने से आप शत्रुओं के बल को नष्ट कर उन पर विजय प्राप्त करेंगे। यह रत्न आपको अत्यन्त साहसी और विपुल पराक्रमी बनाएगा तथा रत्न शुभता आपको अपने कुल में मुख्य प्रतापी बनाएगी। आप भूमि का संचय करेंगे। स्वास्थ्य सुख को यह रत्न बेहतर करेगा। जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए आपके द्वारा गलत तरीकों का प्रयोग हो सकता है। यह रत्न आपको दृढ़–निश्चयी एवं अधिक बोलने वाला बनाएगा। रत्न शुभता आपकी चातुर्य शक्ति को बढ़ा

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

रही है। इसे धारण करने पर आपका दांपत्य जीवन सुखद होगा।

लहसुनिया रत्न को चांदी धातु में जड़वाकर गुरुवार के दिन सूर्यास्त काल में धारण किया जा सकता है। लहसुनिया रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, इसका धूप, दीप और फूलों से पूजन करने के बाद अनामिका अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात केतु रत्न मंत्र ऊँ के केतवे नमः का १ माला जाप करें। मंत्र जाप के बाद केतु ग्रह की वस्तुओं का दान किसी योग्य व्यक्ति को करना शुभ रहता है। केतु वस्तुएं इस प्रकार है– सप्तधान्य, नारियल, धूम्र वस्त्र। लहसुनिया रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8–10 रत्ती होना चाहिए। अंगूठी रूप में रत्न धारण करने में किसी प्रकार की असमर्थता होने पर इसे ल ॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है।

लहसुनिया रत्न धारण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इस रत्न के साथ माणिक्य एवं गोमेद रत्न धारण करना प्रतिकूल फल प्रदान कर सकता है।

नीलम

आपकी कुंडली में शनि लग्न भाव में स्थित है। आपको शनि रत्न नीलम धारण करना चाहिए। शनि रत्न नीलम आपकी परिश्रम क्षमता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि करेगा। सरकारी पक्ष व पिता से सहयोग प्राप्त होगा। प्रथम भाव में स्थित शनि की दृष्टि तृतीय, सप्तम एवं दशम भाव पर आ रही है। शनि रत्न नीलम की शुभता से भाग्योदय, सम्मान एवं लाभ की प्राप्ति होगी। जीवन साथी से सहयोग प्राप्त होगा। भाई–बंधुओं से सुख–स्नेह प्राप्ति में भी यह रत्न सहयोग करेगा। नीलम रत्न आपके पुरुषार्थ भाव में वृद्धि कर रहे है।

आपकी मेष लग्न की कुंडली में शनि कर्मेश एवं आयेश है। कर्मेश शनि का रत्न नीलम आपके कार्यक्षेत्र की समस्याओं का निवारण कर सकता है। यह रत्न आपकी योग्यता के अनुसार सफलता दिला सकता है। आत्मबल और मनोबल की वृद्धि कर सकता है। इसके अतिरिक्त नीलम रत्न आपके कार्य क्षेत्र को अनुकूल कर आपको उन्नति और विकास के अवसर प्राप्त करने में सहयोग करेंगे। शनि आयेश भी है इसलिए शनि रत्न नीलम धारण करने से आपकी आजीविका और आय दोनों क्षेत्रों से सुखद परिणाम प्राप्त हो सकते है। आप आय और कार्यक्षेत्र को सौहार्दपूर्ण बनाने के लिए शनि रत्न नीलम धारण कर सकते है।

नीलम रत्न शनिवार के दिन पंचधातु से निर्मित अंगूठी में जड़वाकर, संध्या काल में स्नानादि कर शुद्ध होकर अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, धूप, दीप एवं फूल से पूजन करने के बाद इस अंगूठी को मध्यमा अंगूठी में धारण करें। तत्पश्चात शनि मंत्र ऊँ शं शनैश्चराय नमः का जाप एक माला करें। मंत्र जप के बाद इस ग्रह की वस्तुएं जैसे– उड़द, काले तिल, तेल, काले वस्त्र आदि का दान किसी योग्य व्यक्ति को करें। नीलम रत्न कम से कम 3 रत्ती, अन्यथा 5–6 रत्ती का होना चाहिए।

नीलम रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा, पुखराज धारण करने से बचना चाहिए। विशेष स्थितियों में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

है। किसी कारणवश यदि इस रत्न को धारण न कर पाएं तो इसके उपरत्न फिरोजा, नीली, एमेथिस्ट एवं ७ मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते है।

मोती

आपकी कुंडली में चंद्र तीसरे भाव में स्थित है। चंद्र रत्न मोती धारण कर आप पराक्रम से धन प्राप्त करने में सफल हो सकते है। मोती रत्न आपको धार्मिक, यशस्वी, प्रसन्न, आस्तिक एवं मधुरभाषी बनायेगा। मोती रत्न बन्धु बान्धवों से रिश्ते मजबूत होंगे। रत्न प्रभाव आपके चरित्र को उत्तम रखेगा और आप सत्य का साथ देंगे। मोती रत्न से आपके वितीय विषय आपके पक्ष में रहेंगे। छोटी यात्राएं आपके लिए सुखद रहेंगी। चंद्र रत्न आपकी धर्य शक्ति का विकास कर रहा है।

आपकी मेष लग्न की कुंडली में चंद्र चतुर्थ भाव का स्वामी है। चंद्र लग्नेश मंगल का मित्र है। चंद्र रत्न मोती की शुभता आपको सौम्य सरल स्वभाव, स्वाभिमानी, आत्मसम्मानी, महत्वकांक्षा का गुण दे सकती है। इसके अतिरिक्त मोती आपको धन, प्रतिष्ठा, यात्रा ऐश्वर्य से परिपूर्ण जीवन प्राप्त, कल्पना और प्रगतिशील विचारधारा भी प्रदान कर रहा है। चतुर्थेश का रत्न होने के कारण चंद्र रत्न मोती आपको माता सुख, कर्तव्यनिष्ठा, वाहन, जमीन–जायदाद से सुखी कर सकता है। इसलिए चंद्र रत्न मोती धारण करना आपके लिए अनुकूल सिद्ध हो सकता है।

मोती रत्न चांदी की अंगूठी में जड़वाकर, कनिष्ठिका अंगूली में, सोमवार को प्रातः काल में धारण करना शुभ है। प्रातः काल की सभी क्रियाओं को करने के बाद इस रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर शुद्ध कर लें। तत्पश्चात इसकी धूप, दीप, फूल से पूजा करने के बाद इसे धारण करना चाहिए। रत्न धारण करने के पश्चात चंद्र मंत्र ऊँ सौं सौमाय नम : का एक माला जाप रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। तदुपरांत चंद्र वस्तुओं जैसे– चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मोती रत्न कम से कम ४ रत्ती से १० रत्ती का धारण करना शुभफलकारी होता है।

मोती रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न धारण करने से बचना चाहिए। मोती रत्न अंगूठी रूप के अलावा लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। विशेष आवश्यकता होने पर आप मोती रत्न के उपरत्न जैसे – सफेद मूल स्टोन, सफेद हकीक एवं २ मुखी रुद्राक्ष आदि भी धारण कर सकते है।

गोमेद

आपकी कुंडली में राहु चतुर्थ भाव में स्थित है। आपको राहु रत्न गोमेद धारण करना चाहिए। गोमेद रत्न धारण करने से आपके साहस भाव में वृद्धि होगी। सरकारी पक्ष से सहयोग प्राप्त होगा। प्रशासनिक व्यक्तियों के द्वार आपका हित साधन हो सकता है। यह रत्न आपको माता से सुख देगा। भ्रम की स्थिति दूर होगी। आपके पास भौतिक सुख–सुविधाओं का भंड़ार हो सकता है। विदेश प्रवास अनुकूल होगा। नौकरी के क्षेत्र में राहु ग्रह की शुभता प्राप्त होगी। गोमेद रत्न आजीविका क्षेत्र में शुभता बनाये रखेगा।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

राहु कर्क राशि में स्थित है व इसका स्वामी चन्द्र तीसरे भाव में स्थित है। अतः गोमेद धारण करने से आप बुद्धि और पराक्रम दोनों का प्रयोग कर सफलता पाने का प्रयास करेंगे। यह रत्न आपको परम प्रतापी और अत्यन्त प्रभावशाली बनाएगा। आपको सब प्रकार के सुखों से युक्त करेगा। इस रत्न को धारण करने पर आपको भाई बहनों का सुख प्राप्त होगा। यह रत्न आपके भाग्योदय में सहायक बन आपको अत्यधिक धन प्राप्त करने के अवसर दे सकता है। रत्न शुभता आपके अरिष्टों का नाश करेगी। एवं यह रत्न आपको दृढ़–विवेकी, योगाभ्यासी बनाएगा और आप विद्वान और तीव्र स्मरण शक्ति के स्वामी होंगे।

गोमेद रत्न अष्टधातु से निर्मित अंगूठी को शनिवार के दिन सूर्यास्त काल में सभी प्रकार से स्वयं शुद्ध होकर रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से स्नान करायें। इसके बाद रत्न का धूप, दीप और फूल से पूजन कर मध्यमा अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात राहु मंत्र ऊँ रां राहवे नमः का १०८ बार जाप करें और फिर इस ग्रह की वस्तुएं जैसे– तिल, तेल, कंबल, नीले वस्त्र आदि का दान करें। गोमेद रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8–10 रत्ती होना चाहिए।

गोमेद रत्न धारण करने के बाद इस रत्न के साथ माणिक्य, मोती एवं मूंगा रत्न धारण करने से बचना चाहिए। अंगूठी रूप में इस रत्न को धारण न कर पाने की स्थिति में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी पहना जा सकता है। विशेष परिस्थितियों में रत्न के स्थान पर इसके उपरत्न गोमेद या ८ मुखी रुद्राक्ष को भी धारण करना श्रेष्ठकर रहता है।

हीरा

आपकी कुंडली में शुक्र दशम भाव में स्थित है। शुक्र रत्न हीरा धारण करना आपके लिए शुभदायक सिद्ध होगा। यह रत्न आपके स्वभाव को शांत और मिलनसार बनाएगा। आपको विवादों से दूर रखेगा। इसकी शुभता से आपका नैतिक आचरण अच्छा रहेगा। आप धार्मिक और श्रद्धालु स्वभाव के होंगे। हीरे रत्न की शक्तियां आपकी दान पुण्य में रुचि बनाए रखेंगी। हीरे का शुभ प्रभाव से आप अच्छे वक्ता होंगे। धन–दौलत की आपको कोई कमी नहीं होगी। पद–प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। गायन, वादन, साहित्य रचना, चित्रकारी जैसी ललित कलाओं में आपकी अच्छी रुचि जागृत होगी।

आपकी मेष लग्न की कुंडली में शुक्र द्वितीयेश एवं सप्तमेश का स्वामी है। शुक्र रत्न हीरा धारण कर आप अपने वैवाहिक जीवन को सुखमय बना सकते है। हीरा रत्न धारण करने से आपकी प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। व्यापारिक क्षेत्र में सफलता पाने के लिए आप हीरा रत्न धारण कर सकते है। सप्तमेश का रत्न होने के कारण हीरा रत्न आपको कुटुम्ब से सुखी और विदेश स्थानों से लाभ दिला सकता है। शुक्र रत्न आपको पारिवारिक सुख के साथ धन संचय का सुख भी दे सकता है।

हीरा रत्न सोने धातु की अंगूठी में जड़वाकर, शुक्रवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर रत्न को रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से मिलकर बने पंचामृत में डूबोकर शुद्ध कर, अपने देव स्थान पर रखकर शुक्रदेव और रत्न को धूप, दीप एवं फूल दिखाकर अनामिका अंगूली में धारण करें। हीरा रत्न धारण करते समय शुक्र मंत्र ऊँ शं शुक्राय नमः का १०८ बार मंत्र जाप करना चाहिए। मंत्र जाप करने के बाद शुक्र ग्रह की वस्तुएं जैसे– चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र आदि वस्तुओं का दान करें। हीरा 1 रत्ती से अधिक बजन का धारण करना चाहिए। यह छोटे टुकड़ों में भी पहना जा सकता है।

हीरा रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा एवं पुखराज रत्न धारण करना सर्वदा वर्जित है। अंगूठी रूप रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में इसे लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। हीरा रत्न के स्थान पर इस रत्न के उपरत्न ओपल, जर्कन, स्फटिक एवं ६ मुखी रुद्राक्ष धारण किया जा सकता है।

मूंगा

आपकी कुंडली में मंगल छठे भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः मंगल रत्न मूंगा धारण करने पर आपको प्रसिद्धि की प्रतिकूलता, विद्वानों से शत्रुता, तकनीकी विषयों में अरुचि हो सकती है। अत्यधिक साहस, जोखिम लेने का स्वभाव आपको शारीरिक कष्ट दे सकता है। विरोधियों से कष्ट आपके लिए बने रहेंगे। यह रत्न आपकी नेतृत्व शक्ति को बाधित कर सकता है। प्रतियोगिताओं में असफलता की स्थिति बन सकती है। मूंगा रत्न आपको अधीनस्थों के द्वारा पीड़ित कर सकता है। माता के सुख में कमी के योग बन सकते है। मूंगा रत्न आपको रक्त प्रवाह से संबंधित रोग दे सकता है। शक्ति का दुरुपयोग आपके द्वारा हो सकता है।

आपकी मेष लग्न की कुंडली में मंगल लग्नेश और अष्टमेश के रूप में शुभ फल देने वाला ग्रह है। मंगल अष्टमेश होकर आपको शारीरिक कष्ट दे सकता है। अतः इस ग्रह का रत्न मूंगा धारण करने से आपमें आत्मशक्ति की कमी होगी। चोट, दुर्घटनाओं की स्थिति यदा–कदा बन सकती है। माता, भूमि, भवन एवं जीवन साथी के लिए कुछ परेशानियां देकर सुख की कमी हो सकती है। मंगल रत्न मूंगा आपके स्वभाव में हठ व रोब से काम कराने की प्रवृति दे सकता है। रक्तविकार, रक्तचाप एवं पित्त रोग इत्यादि रोग आपके स्वास्थ्य सुख में कमी कर सकते है। मूंगा रत्न आपमें क्रोध की अधिकता ला सकता है। रत्न प्रभाव से आपमें ज्ञान योग्यता से कम हो सकता है।

पन्ना

आपकी कुंडली में बुध अष्टम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः बुध रत्न पन्ना पहनने पर आपको त्वचा संबंधी रोग दीर्घकाल के लिए परेशान कर सकते है। आपके कष्ट दूसरों के कारण बढ़ सकते है। रत्न प्रभाव से आप अपने शत्रुओं पर कठिनाई से विजय प्राप्त कर सकेंगे। पन्ना रत्न प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति कमजोर हो सकती है। शैक्षिक पक्ष से इस रत्न को धारण करने पर आपकी रुचि गुप्त विद्या और आध्यात्म के प्रति हो सकती हैं। यह रत्न आपको विलासिता के अवसर दे सकता है।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

आपको मस्तिषक और नसों से संबंधित रोग या कष्ट हो सकते हैं।

आपकी मेष लग्न की कुंडली में बुध तीसरे एवं षष्ठ भाव का स्वामी है। पराक्रमेश एवं ऋणेश बुध अपने शुभ फल नहीं दे पाएंगे। अतः बुध रत्न पन्ना धारण करने पर आप रोगग्रस्त हो सकते है। आपके परिश्रम भाव में कमी हो सकती है। पन्ना रत्न धारण करने पर बौद्धिक योग्यता, शिक्षा का सुख प्राप्त करने में कष्ट हो सकता है। यह रत्न आपके भाई–बंधुओं से प्राप्त होने वाले सुख–सहयोग को भी बाधित कर सकता है। शत्रुओं की अधिकता आपके जीवन की प्रगति को मन्द कर सकती है। पन्ना रत्न आपको सेवकों, सहोदरों आलोचनात्मक लेख लेखन का स्वभाव दे सकता है। इस रत्न को धारण करने पर आपके द्वारा बुद्धि युक्त विषयों में त्रुटि हो सकती है।

दशानुसार रत्न विचार

गुरु
(09/08/2014 - 09/08/2030)

गुरु की दशा में आपका माणिक्य व पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया, मोती, नीलम, गोमेद व मूंगा रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

हीरा रत्न नेष्ट हैं और पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

शनि
(09/08/2030 - 08/08/2049)

शनि की दशा में आपका माणिक्य, नीलम व पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

गोमेद, लहसुनिया, हीरा व मोती रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मूंगा व पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

बुध
(08/08/2049 - 09/08/2066)

बुध की दशा में आपका माणिक्य व पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया, नीलम, हीरा, गोमेद व मोती रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मूंगा रत्न नेष्ट हैं और पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

केतु
(09/08/2066 - 08/08/2073)

केतु की दशा में आपका लहसुनिया, माणिक्य व पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा, मूंगा, नीलम व मोती रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद रत्न नेष्ट हैं और पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

शुक्र
(08/08/2073 - 08/08/2093)

शुक्र की दशा में आपका माणिक्य, लहसुनिया व पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

नीलम, हीरा, गोमेद व मोती रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मूंगा रत्न नेष्ट हैं और पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

सूर्य
(08/08/2093 - 09/08/2099)

सूर्य की दशा में आपका माणिक्य व पुखराज रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

मोती, लहसुनिया, मूंगा व नीलम रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद व हीरा रत्न नेष्ट हैं और पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

चन्द्र
(09/08/2099 - 09/08/2109)

चन्द्र की दशा में आपका माणिक्य, पुखराज व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

नीलम, लहसुनिया व हीरा रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मूंगा व गोमेद रत्न नेष्ट हैं और पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

मंगल
(09/08/2109 - 09/08/2116)

मंगल की दशा में आपका माणिक्य, पुखराज व लहसुनिया रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

मोती, नीलम, मूंगा व हीरा रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद रत्न नेष्ट हैं और पन्ना रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर–कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

****

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति चन्द्रमा से चतुर्थ भाव में है। अतः आप चन्द्र कुंडली से मांगलिक है। चूंकि यह योग भंग नहीं हो रहा है अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में आवश्यक सुख संसाधनों तथा चल एवं अचल सम्पति को परिश्रम पूर्वक अर्जित करेंगे। शारीरिक रूप से आप सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे तथा मानसिक सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। आपके विवाह में किंचित विलम्ब होगा तथा विवाह से पूर्व वार्ताओं में भी रूकावटें उत्पन्न होगी परन्तु अन्ततः इस में सफलता मिल ही जाएगी। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा परन्तु स्वभाव में तेजस्विता का भाव रहेगा लेकिन इसका दाम्पत्य जीवन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सुख पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

चतुर्थ भावस्थ मंगल के प्रभाव से आप जीवन में भौतिक सुख संसाधनों को परिश्रम पूर्वक अर्जित करेंगे। इसकी सप्तम भाव पर दृष्टि से आपकी पत्नी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परन्तु स्वभाव में उग्रता रहेगी लेकिन सुखी दाम्पत्य जीवन पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा। दशम भाव पर मंगल की दृष्टि के प्रभाव से आप कार्य क्षेत्र में परिश्रमपूर्वक नित्य उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति हो सकती है तथा समाज से इच्छित मान सम्मान अर्जित करने में भी आपको सफलता मिलेगी। एकादश भाव पर दृष्टि के प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति सामान्यतया अनुकूल रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा। इसके अतिरिक्त परिश्रम पूर्वक आय स्रोतों की वृद्धि करने में भी आप समर्थ रहेंगे।

मंगल की शुभता में वृद्धि करने के लिए आपको किसी मांगलिक कन्या से विवाह करना चाहिए जिससे आपका परस्पर मांगलिक दोष भंग हो सके। इसके लिए कन्या की कुंडली में मांगलिक भावों अर्थात प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम एवं द्वादश भाव में शनि तथा राहु जैसे

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

पापग्रहों की स्थिति होनी चाहिए। इस दोष के भंग होने पर आपको इच्छित मात्रा में सांसारिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा चल एवं अचल सम्पति को बनाने में भी आप समर्थ रहेंगे। साथ ही सर्वत्र सुख सौभाग्य एवं ऐश्वर्य से युक्त होकर आपका दाम्पत्य जीवन व्यतीत होगा। आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं जीवन में एक दूसरे को सुख तथा सहयोग प्रदान करके आप आत्मिक सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं–

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं। काल सर्प योग के उपाय इन कष्टों से राहत के लिये आवश्यक हो जाते हैं।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता–पिता पर पङता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पङता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	07/06/2000-23/07/2002	08/01/2003-07/04/2003	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	23/07/2002-08/01/2003	07/04/2003-05/09/2004	13/01/2005-26/05/2005
साढेसाती तृतीय ढैया	06/09/2004-13/01/2005	26/05/2005-01/11/2006	10/01/2007-15/07/2007
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	10/09/2009-15/11/2011	16/05/2012-04/08/2012	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	24/01/2020-29/04/2022	12/07/2022-17/01/2023	----------

द्वितीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	08/08/2029-05/10/2029	17/04/2030-30/05/2032	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	31/05/2032-12/07/2034	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	13/07/2034-27/08/2036	----------	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	22/10/2038-05/04/2039	13/07/2039-27/01/2041	06/02/2041-26/09/2041
अष्टम स्थानस्थ ढैया	06/03/2049-09/07/2049	04/12/2049-24/02/2052	----------

तृतीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	27/05/2059-10/07/2061	13/02/2062-06/03/2062	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	11/07/2061-13/02/2062	07/03/2062-24/08/2063	06/02/2064-09/05/2064
साढेसाती तृतीय ढैया	24/08/2063-05/02/2064	09/05/2064-12/10/2065	03/02/2066-03/07/2066
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	30/08/2068-04/11/2070	----------	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	15/01/2079-11/04/2081	03/08/2081-06/01/2082	----------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढेसाती प्रथम ढैया	शुभ	धन
साढेसाती द्वितीय ढैया	शुभ	पराक्रम
साढेसाती तृतीय ढैया	अशुभ	सुख हानि
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	शत्रु व रोग
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	व्यावसायिक उन्नति

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म–पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

पितृदोष विचार

पितृदोष क्या है ?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक चहुमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दुःखी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा श्रापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन–पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता–पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार–बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियां अनुकूल न हो जाएं।

पितृदोष लक्षण

1. परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2. आनुवांशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3. परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4. परिवार में बच्चों द्वारा असम्मान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5. गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

6. परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।
7. परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा–फसाद होना।
8. कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना।
9. बुरी आदतों की लत लग जाना।
10. परिवार में बार–बार केवल कन्या संतान का जन्म होना।
11. शिक्षा में बाधाएं आना।
12. स्वप्न में सांप दिखाई देना।
13. माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना।
14. परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना।
15. परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना।

पितृ की पहचान :

1. श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे।
2. रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें।
3. यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए। मैं आपके लिए शांति पाठ कराउंगा। आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए।

पितृ दोष उपाय :

1. श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र/दक्षिणा आदि दें।
2. यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3. प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंडे जलाकर उसपर खीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4. सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5. पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6. रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7. लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर–बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8. हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

9. गया या त्र्यंबकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10. नारायणबलि पूजा करवाएं।
11. पितृ गायत्री का अनुष्ठान करवाएं –

ऊँ देवताभ्य पितृभ्यश्च महायोगिभ्येव च।
नमः स्वाहायै स्वधायैः नित्यमेव नमो नमः।।

12. पितृ दोष निवारण उपायों में गया में पिंडदान, गया श्राद्ध तथा पितृ भोग अर्पण आदि क्रियाएं करते हुए उपरोक्त पितृ गायत्री मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
13. श्री कृष्ण मुखामृत गीता का पाठ करें।

पितृ पूजा के लिए आवश्यक निर्देश :

1. पितरों को मांस वाला भोजन न अर्पित करें।
2. पूजा के दिन स्वयं भी मांस भक्षण न करें।
3. पितृ पूजा में स्टील, लोहा, प्लास्टिक, शीशे के बर्तन का प्रयोग न करें। मिट्टी या पत्तों के बर्तनों का ही प्रयोग करें।
4. पितृ पूजा में घंटी न बजाएं।
5. पितृ पूजा करने वाले व्यक्ति की पूजा में व्यवधान न डालें।
6. बुजुर्गों का सम्मान करें।
7. पितरों के निमित्त किये जाने वाले गौ–दान से पितृ तृप्त होते हैं।
8. घर में पीने का पानी रखा जाता है उस स्थान पर विशेष पवित्रता रखें। यह स्थान पितृों का स्थान माना जाता है।
9. पितृ कर्म हेतु साल में 12 मृत्यु तिथि, 12 अमावस्या, 12 पूर्णिमा, 12 संक्रांति, 12 वैधृति योग, 24 एकादशी व श्राद्ध के 15 दिन मिलाकर कुल 99 दिन होते हैं।

आपकी कुण्डली में पितृदोष

आपकी कुडली में किसी भी प्रकार का पितृदोष विद्यमान नहीं है, अतः आपको जीवन में पितृदोष के कारण कष्ट या परेशानी नहीं होगी।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह त्र्यंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।

DUASTRO

वार्षिक फलादेश - 2024

इस वर्ष शनि कुम्भ राशि में एकादश में और राहु मीन राशि द्वादश भाव में रहेंगे। वर्षारम्भ में गुरू मेष राशि में लग्न में रहेंगे और 1 मई को वृष राशि में द्वितीय भाव में गोचर करेंगे। मंगल ग्रह अपने सरल गति से गोचर करेंगे। 29 अप्रैल से 28 जून तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। सप्तम भाव पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप व्यवसाय व कार्य क्षेत्र में अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे। जिससे आपकी आय में वृद्धि होगी। आमदनी के नये स्रोत मिलने की उम्मीद है। कोई नया व्यापार शुरु करने के लिए अच्छा समय है। लग्न का गुरु नवीन विचारधारा नयी योजनाओं को जन्म देगा जिसका उचित लाभ उठा कर आप अपने व्यापार को और सुदृढ़ बना सकते हैं। इस समय आपका भाग्य भी आपके अनुकूल है। इसलिए कम समय में सफलता प्राप्त कर सकते है।

द्वादशस्थ राहु के प्रभाव से आपके कार्यों में कुछ गुप्त शत्रुओ द्वारा रूकावटें डाली जा सकती हैं। परन्तु आप अपने विवेक से उसे भी अनुकूल बना लेंगे। फिर भी आपको किसी पर विश्वास किये बिना अपना कार्य करते रहना चाहिए। नौकरी करने वाले व्यक्तियों को अप्रैल के बाद सफलता प्राप्त होगी। पदोन्नति के साथ–साथ मान सम्मान में भी वृद्धि होगी।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। व्यापारिक अनुकूलता के कारण धनागम में वृद्धि होगी। एकादश स्थान का शनि आपको भाईयों से लाभ प्राप्त करा सकता है। अप्रैल के बाद आपको रत्न आभूशण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। आपके रुका हुआ धन मिल सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य के चलते धन का व्यय हो सकता है।

द्वादशस्थ राहु के कारण आप निवेश के मामले में सावधान रहें यदि निवेश करना चाहते हैं तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें। इस वर्ष अचानक कोई बड़ा निर्णय न लें। सभी कार्य योजनाबद्ध तरीके से संपन्न करें।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। परिवार में एक दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी जिससे आपस में भावनात्मक लगाव बना रहेगा।

अप्रैल के बाद परिवार में सदस्य संख्या में बढ़ोत्तरी हो सकती है। यह वृद्धि विवाह या जन्म से होगी। भाईयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। समाज में आपका पराक्रम बढ़ेगा। षष्ठस्थ केतु के प्रभाव से आपके मामा मामी के साथ समन्वय मधुर रहेंगे।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ बहुत उत्तम रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आप के बच्चों की उन्नति होगी। शिक्षा के प्रति उनकी रूचि बढ़ेगी। गर्भाधान के लिए समय उपयुक्त है।

यदि आपकी संतान विवाह के योग्य है तो उसका विवाह संस्कार भी हो सकता है। आपके दूसरे बच्चे के लिए भी समय अनुकूल है। उनको अपने कार्य क्षेत्र में श्रेष्ठ सफलता प्राप्त होगी। आपको अपने बच्चों पर गर्व होगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। आपके मन में सदैव अच्छे विचार आएंगे जिससे आप मानसिक रूप से सन्तुष्ट रहेंगे। आपकी सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होगी।

खान–पान पर विशेष ध्यान दें एवं अपनी दिनचर्या सुनियोजित करें। मौसम जनित रोगों से स्वास्थ्य पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय और अच्छा हो रहा है। द्वादशस्थ राहु के कारण काफी समय यात्राओं में व्यतीत होगा, फिर भी आपके स्वास्थ्य पर उसका विशेष नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यह वर्ष आपके लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से अनुकूल रहेगा। यदि उच्च शिक्षा हेतु उच्च शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो आपके लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल है।

पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थियों के लिए

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

समय अच्छा है। गुरू ग्रह के गोचर के बाद प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। रोजगार के लिए अप्रैल के बाद समय शुभ है।

यात्रा–तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। वर्षारम्भ में लम्बी यात्रा के योग बन रहे हैं। द्वादशस्थ राहु के प्रभाव से विदेश यात्रा के भी योग बन रहे हैं।

यात्रा पर जाते समय स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। नवम स्थान पर गुरू ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपका आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ेगा। जिसके प्रभाव से आपकी पूजा पाठ के प्रति रूचि बढ़ेगी। आप गुरू मन्त्र लेकर साधना कर सकते है।

- दुर्गा बीसा कवच अपने गले के धारण करें।
- नित्य प्रति दुर्गा कवच का पाठ करें।
- स्फटिक श्रीयन्त्र अपने घर में स्थापित कर उसके सामने नित्य प्रति घी का दीपक जलाएं।
- बुधवार के दिन काले कुत्ते को रोटी में गुड़ डाल कर खिलाएं।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

जनवरी 2024

स्वास्थ्य

इस माह में सितारों का संयोजन आपके स्वास्थ्य के लिए कुछ अनुकूल नहीं बना हुआ हैं। कब्ज की संभावना बन रही है। गठिया, पाचन तंत्र की शिकायतें और पुरानी बीमारियों में गड़बड़ी आपके स्वास्थ्य में कमी का कारण बन आपको चिंताग्रस्त कर सकती हैं। आपको अपने आहार पर नियंत्रण रखना होगा। तथा प्रभावी उपचार समय कर कराना होगा। अन्यथा आपको इसका नुकसान अपने व्ययों के द्वारा चुकाना होगा। माह अवधि में दुर्घटना की संभावना बन रही हैं। इससे बचने के लिए आपको सावधानी रखनी होगी। साथ ही हिंसक चोट का खतरा भी बन सकता हैं। सामान्य सावधानी रखना आपके लिए हितकारी रहेगा। यह सावधानी रखना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

फाइनेंस

वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह के ग्रह एवं सितारें आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बने हुए हैं। अतः इस माह में अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ सकती हैं। श्रमिकों और अधीनस्थों का शोषण होने की संभावनाएं बन रही हैं। लोगों का शोषण करने के स्वभाव पर अंकुश लगाने का प्रयास करना चाहिए। ऐसा न करने पर आपके लिए अत्यंत अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सकती है। नए उद्यमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए ग्रहों का योग शुभ नहीं बना हुआ हैं। प्रतिकूल समय होने के कारण आपको ऐसी योजनाओं को वर्तमान में स्थगित करना ही लाभकारी रहेगा।

व्यवसायिक

आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए सितारों की भविष्यवाणी बहुत उत्साहजनक नहीं बन रही हैं। अतः इस अवधि में आप को संभल कर कार्य करना होगा। अपने अधीनस्थों के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाए रखने के लिए आपको प्रयास करने पड़ सकते हैं। माह अवधि में आपको यह ध्यान रखना है कि आपके द्वारा आपके अधीनस्थों का शोषण न हों। यदि आपमें ऐसी कोई प्रवृत्ति है तो उसपर जल्द ही अंकुश लगाएं। ऐसा न करने पर स्थिति आसानी से अप्रिय स्थिति में बदल सकती हैं। लाभ प्राप्ति के लिए आपको अपने नीचे कार्य करने वाले वर्ग के अधिकारों का ध्यान रखना होगा। इसके अतिरिक्त इस अवधि में कड़ी मेहनत करने पर भी प्रतिफल अनुकूल न आने से आप कुछ निराशा में आ सकते हैं। पुरस्कार प्राप्ति में विफलता मिल सकती हैं। फिर भी व्यावसायिक कार्यो के लिए पूर्व दिशा में यात्रा करना आपको आंशिक लाभ दिला सकता हैं।

एजुकेशन

यह माह आपके शैक्षिक कार्यो के लिए सकारात्मक नहीं बन रहा है, क्योंकि इस

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

माह के सितारें आपके लिए अच्छे योग नहीं बना रहे हैं। तकनीकी छात्रों को सफल होने के लिए सामान्य की तुलना में बहुत अधिक मेहनत करनी होगी। इस अवधि में यह वर्ग मेहनत में किसी प्रकार की कमी न करें। अधिक समय तक अध्ययन करने से भी आप इस स्थिति का सामना कर सकते हैं। इस प्रकार यह वर्ग अपने स्कोर को बनाए रखने में सफल हो सकता है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को कई प्रकार की कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। दृढ़ता के साथ मेहनत और लगन से सफलता के लिए प्रयासरत रहना ही इसका समाधान होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग का सहारा लेना पड़ सकता हैं, वरना इस माह में आपकी सफलता सुनिश्चित नहीं हो पाएगी।

यात्रा

यह माह यात्राओं के लिए बहुत सुखद नहीं बन रहा है। इस माह के सितारें आपके लिए बहुत लाभप्रद नहीं बने हुए है। माह अवधि में सड़क मार्ग या रेल मार्ग से यात्रा करना आपके लिए आंशिक रुप से लाभकारी रहेगा। जहां तक संभव हो आप इस अवधि में यात्रा करने से बचें। व्यापार या नौकरी संबंधित यात्राओं से भी उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्ति नहीं हो पायेंगी। परिवार के साथ छुट्टी लेकर यात्रा करने से आनंद की प्राप्ति नहीं हो पायेगी। प्रसन्नता और मनोरंजन के लिए यात्रा करना सुखद परिणाम नहीं देगा। उच्च शिक्षा या प्रशिक्षण के लिए विदेश जाने के इच्छुक छात्रों को यात्रा अवधि में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस समय में यात्रा की सबसे अनुकूल दिशा दक्षिण दिशा है।

पारिवारिक

ग्रह चाल परिवार कल्याण के लिए विशेष शुभ नहीं है पारिवारिक वातावरण विशेष बेहतर व तालमेल वाला नहीं होगा । परिवार के बड़े बुजुर्गों के साथ वैचारिक मतभेद की भी सम्भावनाएं हैं। अपने आप को शांत बनाए रखें तथा विपरीत परिस्थिति में अपना धैर्य न खोएं अन्यथा तनाव की स्थिति जस की तस बनी रहेगी।

अन्यथा भी पारिवारिक वातावरण विशेष अनुकूल नहीं रहेगा। बच्चे भी आपकी परेशानियों को बढ़ाएंगे। इसलिए उनकी गतिविधियों का सावधानीपूर्वक मुआयना करके अपना समय व सामर्थ्य प्रयोग करके उनका सही मार्गदर्शन करें।

बच्चे

प्रतिकूल ग्रह गोचर के प्रभाव से कुछ भी अनुकूल होने की सम्भावनाएं कम हैं तथा आपके बच्चों का व्यवहार व कार्यशैली आपके लिए घोर चिन्ता का विषय बन सकता है तथा इनका शिक्षक आदि के साथ झगड़ा भी हो सकता है, इसलिए इन्हें अनुशासित बनाने की आवश्यकता है।

पढ़ाई में प्रदर्शन अनुकूल नहीं होगा, इसलिए पहले से ही अतिरिक्त ट्यूशन व कोचिंग आदि की समुचित व्यवस्था की जाए। प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने वाले छात्रों को

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

अतिरिक्त कोचिंग व कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी।

DUASTRO

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

फरवरी 2024

स्वास्थ्य

इस माह अवधि में बन रहे सितारों का संयोजन आपके स्वास्थ्य सुख को प्रोत्साहित कर रहा है। अस्थमा, पेट फूलना, वायु रोग और पाचन तंत्र की शिकायत जैसी पुरानी बीमारियों का शांत रहने आपको सुखद अनुभूति देगा। माह अवधि में रोग परेशानियों में कमी होगी। कब्ज रोग को निष्प्रभावी रखने के लिए आपको उपयुक्त उपाय करना होगा। आहार पर नियंत्रण रखना भी आपके स्वास्थ्य के लिए हितकारी रहेगा। यह सावधानी आपके लिए उपाय के रूप में कारगर सिद्ध हो सकती हैं। स्वास्थ्य के पक्ष से यह उपयोगी समय है, जिसमें आपको कोई भी गंभीर स्वास्थ्य समस्या न होने का संकेत मिल रहा है।

फाइनेंस

वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह के सितारें काफी अनुकूल नहीं बन रहे हैं। किसी बुजुर्ग सज्जन के द्वारा या उनके माध्यम से आपको बहुत लाभ हो सकता हैं। इस अवधि में बुजुर्ग वर्ग आपके लिए वरदान साबित हो सकता हैं। इसके अतिरिक्त इस माह में आपको अधीनस्थों की सेवायें पूर्ण रुप से प्राप्त होंगी। इन सेवाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त करने में आप सक्षम रहेंगे। इनका सहयोग आपके लिए आर्थिक रुप से बड़ा उत्तम रहेगा। नई परियोजनाओं में निवेश करने के लिए ग्रहों की अनुकूलता बनी हुई हैं। आपको इस प्रकार की योजनाओं पर साहसपूर्वक कार्य आरम्भ कर देना चाहिए।

व्यवसायिक

पेशेवर जीवन में उन्नति के लिए यह माह अनुकूल बना हुआ हैं। इस माह में आपके व्यावसायिक क्षेत्रों का विस्तार होगा। माह अवधि में कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती हैं। फिर भी इस माह के प्रयासों का फल आपको लाभों के रुप में प्राप्त होगा। अतः यह आपके लिए कभी बोझ के समान प्रतीत नहीं होगा। अपने वरिष्ठ अधिकारियों और अधीनस्थों से काम लेने में आप सफल रहेंगे। अपने नीचे कार्य करने वाले व्यक्तियों की सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करना आपके लिए इस समय में सरल रहेगा। यह माह अच्छे लाभों से भरा होने के कारण आपके लिए सबसे महत्वपूण माह सिद्ध हो सकता हैं। सौदें तय करने के लिए यात्राओं का प्रयोग किया जा सकता हैं। यात्रा की सबसे अनुकूल दिशा दक्षिण दिशा हैं। किसी वृद्ध व्यक्ति का सहयोग भी आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए उत्तम बना हुआ हैं।

एजुकेशन

इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रही है। व्यावहारिक रुप से इस अवधि के ज्यादातर परीक्षा परिणाम उम्मीद से कम हो सकते हैं। माह अवधि में उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अधिकांश स्तरों पर काफी

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

संघर्ष करना पड़ सकता है। कठिनाईयों का सामना करने के लिए आपको दृढ़ बने रहना होगा। इसके बाद ही आप इस मुश्किल समय से बाहर निकल सकते है। किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों को सफलता सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इसके बाद ही आपके प्रयासों का परिणाम आपके पक्ष में जाएगा।

यात्रा

इस माह के दौरान यात्राओं से लाभ प्राप्ति के लिए सितारों का संयोजन सकारात्मक बना हुआ है। ग्रहों की शुभता से इस समय की यात्राएं आपके कई कार्य पूर्ण करने में सहयोगी साबित हो सकती है और इस समय में यात्राएं अपने उद्देश्य पूर्ण करने में पूरी तरह से सफल रहेंगी। यह भी बहुत संभावना बन रही है कि आप अपने व्यवसायिक क्षेत्र का विस्तार करने के लिए कुछ यात्राएं करें। व्यापार या नौकारी संबंधित यात्राएं आपको उम्मीद से अधिक लाभ दे सकती है। तथा परिवार के साथ मनोरंजन और पर्यटन के लिए यात्राएं करना आंनद देगा। माह अवधि की सबसे अनुकूल दिशा दक्षिण दिशा है।

पारिवारिक

आगामी माह में आपके परिवार की स्थिति प्रतिकूल ग्रह गोचर के प्रभाव से अशुभ रहेगी। ऐसी भी सम्भावनाएं हैं कि सामाजिक रूप से आपसे निम्न स्तरीय व्यक्ति से आपको विशेष पेरशानी हो जो आगे चलकर आपके लिए मुसीबत बन जाए। स्थिति से निपटने के लिए दृढ़ता पूर्वक अपने कार्य क्षेत्र में डटे रहें।

आपमें से बहुत से लोगों के लिए परिवार के बड़े बुजुर्गों के साथ वैचारिक मतभेद की सम्भावनाओं के प्रबल संकेत हैं इसलिए विपरीत परिस्थिति में धैर्य व शान्ति से काम लें। परिवार का वातावरण भी प्रसन्नतादायक नहीं रहेगा तथा बच्चे भी चिड़चिड़े व जिद्दी होंगे तथा अपने अध्ययन व अन्य उपयोगी गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन नहीं करेंगे। इसलिए अपना समय व शक्ति देकर उन पर कड़ी नजर रखते हुए उनका मार्गदर्शन करना होगा।

बच्चे

इस माह के ग्रह गोचर से बच्चों के बारे में किसी भी शुभ परिणाम की आशा करना व्यर्थ होगा। जो बच्चे पढ़ाई में कमजोर हैं, उन्हें अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता पड़ेगी। यह माह बेहतर प्रदर्शन करने की दृष्टि से प्रतिकूल है तथा वे बच्चे जो पढ़ाई में बहुत अच्छे हैं उनको भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। मां बाप को चाहिए कि वे उनकी सहायता व उत्साहवर्धन करते रहें।

प्रैक्टिकल तथा तकनीकी कार्यों में भाग लेने वाले छात्र अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। जहां तक व्यावहारिक कार्यों तथा तकनीकी कार्यों में दक्षता का प्रश्न है, अधिकतर बच्चे घटिया प्रदर्शन नहीं करेंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

मार्च 2024

स्वास्थ्य

आपके स्वास्थ्य के लिए इस माह में सितारों के संयोजन से शुभ संकेत बन रहे है। इसलिए इस माह में आप काफी हद तक स्वस्थ बने रहने के लिए तत्पर रहेंगे। अधिक परिश्रम करना इस माह में आपके लिए अनुकूल नहीं रहेगा। अधिक परिश्रम करने से आपको इस माह में पूरी तरह से बचना होगा। स्वास्थ्य के लिए यह खतरनाक सिद्ध हो सकता हैं। अपने शारीरिक तंत्र को अत्यधिक दबाव से बचाने के लिए आपको कायी की अनुसूची तैयार कर, कार्य भार का वितरण करना होगा। स्वस्थ बने रहने का यह सबसे आसान तरीका हैं। दृढ़ता से इस अनुसूची का पालन करना आपके लिए बेहद आवश्यक हैं। कब्ज जैसे रोग आपको परेशान कर सकते हैं। इसलिए आपको अपनी कुछ अतिरिक्त देखभाल सुनिश्चित करनी होगी।

फाइनेंस

इस माह के सितारों के अनुसार वित्तीय संभावनाएं उत्तम बनी हुई हैं। लाभों के पक्ष से यह समय आपके लिए काफी अनुकूल रहेगा। इस अवधि विशेष में आप अपने अधीनस्थों या कार्यकर्ताओं की सेवाओं का अधिकतम उपयोग कर अच्छे लाभ प्राप्त करने में सक्षम रहेंगे। अपने नीचे कार्य करने वाले वर्ग का साथ आपके लिए महत्वपूर्ण लाभ का कारण बन सकता हैं। इसके अलावा आपको किसी बुजुर्ग सज्जन की सेवाओं या सहयोग से काफी लाभ हो सकता हैं। यह आपके लिए बड़ा वरदान साबित हो सकता हैं। नये उदयमों में निवेश करने के लिए समय की अनुकूलता बनी हुई हैं। ऐसी योजनाओं पर आपको शीघ्र कार्य आरम्भ करना चाहिए।

व्यवसायिक

इस माह के ग्रह एवं नक्षत्र आपके पेशेवर जीवन को बेहतर करने में पूर्ण सहयोग कर रहे हैं। इस माह में आप अपने मातहत और अधीनस्थों की सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। माह अवधि में आप अपने कौशल से लाभ कमा सकते हैं। यह माह आपके लिए महत्वपूर्ण लाभ होगा। कुछ पुराने व्यक्तियों के द्वारा आपकी व्यावसायिक संभावनाओं में वृद्धि होगी। इस अवधि में आप प्रत्याशित लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। पश्चिम दिशा में यात्रा करना आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता हैं।

एजुकेशन

इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके शैक्षिक प्रयासों के लिए सुखद नहीं बन रही है। माह अवधि में व्यावहारिक विषयों की ज्यादातर परीक्षाओं का परिणाम आपकी उम्मीद से कम हो सकता है। इस अवधि में अपने शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आपको बहुत अधिक काम करना पड़ सकता है। विशेष रुप से तकनीकी छात्रों को अपने वर्ग में अपनी स्थिति को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। संभावित है कि फिर भी सफलता की पूर्ण

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

प्राप्ति न हों। लेकिन यदि आप दृढ़ रहें और आशा के साथ प्रयासरत रहें तो परिणाम आपके पक्ष में आ सकते है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले उम्मीदवारों को सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी।

यात्रा

इस माह की यात्राओं को सितारों की शुभता प्राप्त नहीं हो रही है। इसलिए इस अवधि की यात्राएं अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल नहीं हो पायेंगी। किसी भी व्यवसाय या नौकरी से संबंधित यात्राओं से उम्मीद के अनुरुप लाभ की प्राप्ति नहीं हो पायेगी। वास्तव में इस अवधि में कुछ अनावश्यक यात्राएं करने से कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। बहुत आवश्यक होने पर आप रेल मार्ग और सड़क मार्ग से यात्राएं कर कुछ लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस माह में आपको अपने निजी संपर्कों या सहयोगी सूत्रों से लाभ के नए मार्ग प्राप्त नहीं हो पायेंगे। यात्रा की सबसे अनुकूल दिशा दक्षिण दिशा है।

पारिवारिक

इस माह में पारिवारिक उन्नतिके विषयों में आनन्ददायक स्थितियां बनने के संयोग प्रतिकूल ग्रह गोचर के चलते कम ही हैं। ऐसी प्रबल सम्भावनाएं हैं कि आपके सामाजिक स्तर से निचली श्रेणी का कोई व्यक्ति आपके परिवार के लिए कोई समस्या खड़ी कर दे। इसलिए ऐसे व्यक्ति को सर उठाने का अवसर न दें। ताकि स्थिति नियंत्रण से बाहर न हो।

ऐसी प्रबल सम्भावनाएं हैं कि आपको अपने बुजुर्गों के साथ गम्भीर कठिनाईयों को सामना करना पड़े इसलिए अपने सम्बन्धों को श्रेष्ठ बनाए रखने के लिए धैर्य व शान्ति से काम लें। पूरे माह घर का वातावरण तनावग्रस्त रह सकता है और बच्चे भी दिए गये कार्यों को सही से नहीं करके आपकी चिन्ता को बढ़ाएंगे। इसलिए उनके ऊपर अतिरिक्त समय शक्ति व ध्यान देने की परमावश्यकता है।

बच्चे

इस माह के ग्रह गोचर से बच्चों के बारे में किसी भी शुभ परिणाम की आशा करना व्यर्थ होगा। जो बच्चे पढ़ाई में कमजोर हैं, उन्हें अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता पड़ेगी। यह माह बेहतर प्रदर्शन करने की दृष्टि से प्रतिकूल है तथा वे बच्चे जो पढ़ाई में बहुत अच्छे हैं उनको भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। मां बाप को चाहिए कि वे उनकी सहायता व उत्साहवर्धन करते रहें।

ऐसा करना उन छात्रों के लिए और आवश्यक हो जाएगा जो प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने में रुचि रखते हों। प्रैक्टिकल तथा तकनीकी कार्यों में भाग लेने वाले छात्र अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। बुजुर्गों से कुछ वैचारिक मतभेद के भी संकेत हैं।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

अप्रैल 2024

स्वास्थ्य

ग्रहों एवं सितारों की स्थिति इस माह अवधि में आपके स्वास्थ्य के लिए शुभ नहीं बन रही हैं। गठिया और पुरानी कब्ज आपकी कठिनाईयां बढ़ा सकती हैं। माह अवधि में पाचन तंत्र और पुरानी बीमारियों में गड़बड़ी आपको ईलाज और आहार पर नियंत्रण रखने का संकेत दे रही हैं। अन्यथा इस अवधि के दौरान आपके स्वास्थ्य में समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। तथा ठंड से होने वाली पुरानी बीमारियां की रोकथाम न करने पर रोग जटिल होकर गंभीर रूप धारण कर सकते हैं। माह अवधि में अत्यधिक देखभाल और ध्यान रखना आपके स्वास्थ्य सुख को बढ़ाएगा। कुल मिलाकर, इस समय में घटने वाली घटनाएं अनुकूल प्रतीत नहीं हो रही हैं। इसलिए आपको अपने स्वास्थ्य के बारे में सावधान रहना चाहिए।

फाइनेंस

सितारों के योग आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहे हैं। अतः इस समय में वित्तीय संभावनाओं के लिए इस अवधि में आपकी चिंताएं बनी रह सकती हैं। श्रमिकों और निम्न वर्ग का शोषण होने की संभावनाएं बन रही हैं। लोगों का शोषण करने के अपने स्वभाव पर आपको अंकुश लगाना होगा। यह आपकी आर्थिक स्थिति को कमजोर कर सकता हैं। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो, इसलिए आपको इससे बचना होगा। नये उदयमों में निवेश करने के लिए और निवेश करने के लिए ग्रह प्रतिकूलता बनी हुई हैं। ऐसी योजनाओं को माह अवधि में स्थगित करना ही हितकारी रहेगा।

व्यवसायिक

इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए प्रतिकूल बनी हुई हैं। अतः यह माह आपके लिए व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत सुखद नहीं बन रही हैं। सामाजिक स्तर पर ऊपर उठने के प्रयास इस अवधि में कठिन हो सकते हैं। इस समय में आपके अधीनस्थों और कार्यकर्ताओं के साथ संबंध सौहार्दपूर्ण नहीं रहेंगे। आपके द्वारा इस वर्ग का शोषण भी हो सकता हैं। पेशेवर जीवन में आगे बढ़ने के लिए आप ऐसी स्थिति से बचने का प्रयास करें, वरना आपके लिए अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सकती हैं। आंशिक लाभ प्राप्ति के लिए भी इस माह की विपरीत परिस्थितियों में आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती हैं। परिस्थितियों को संतुलित करना होगा। धैर्य बनाए रखने से आप प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस अवधि में यात्राएं करना भी आपको विफलता देगा।

एजुकेशन

यह माह शिक्षा कार्यों के लिए विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रहा है, क्योंकि इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए बहुत अच्छे नहीं बन रहे है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

वाले छात्रों को कदम कदम पर कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। इस समस्याओं को छोड़ देने के बजाए इनका धैर्यपूर्वक हल निकालना चाहिए। तकनीकी छात्रों को इस अवधि में निराशा हो सकती है। इस वर्ग के लिए अपने वर्ग में रैकिंग बनाए रखना बहुत कठिन कार्य हो सकता है। फिर भी दृढ़ता के साथ आपको प्रयास करने चाहिए। प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों को अतिरिक्त कोचिंग का सहारा लेना चाहिए। अतिरिक्त कोचिंग लेने से आप अपनी सफलता और विफलता के बीच के अंतर को दूर कर सकते हैं।

यात्रा

इस माह की यात्राएं आपको पर्याप्त लाभ देने में सफल रहेंगी, क्योंकि इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए बहुत अनुकूल बना हुआ है। समयावधि में आप पवित्र स्थानों और तीर्थ स्थानों की यात्रा की योजनाओं को क्रियांवित कर सकते है। यह यात्राएं आपके लिए यादगार साबित हो सकती है। यात्राओं की अवधि बाधारहित और सुखमय बनी हुई है। इस अवधि में आप नौकरी, पारिवार या व्यवसाय जिस भी उद्देश्य के लिए यात्रा करें, यात्राओं के सफल रहने की पूरी संभावना बन रही है। उच्च शिक्षा या प्रशिक्षण के लिए विदेश गमन करने वाले छात्रों के लिए यात्रा करना उत्तम रहेगा। समय की शुभता में आप अपनी योजनाओं को जल्द से जल्द लागू करें। व्यापार या नौकरी से संबंधित यात्राओं में उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्त हो सकते है। आप सड़क मार्ग या रेल मार्ग का प्रयोग करते हुए आप अधिक से अधिक यात्राएं कर लाभ प्राप्त कर सकते है। यात्रा की सबसे अनुकूल दिशा दक्षिण दिशा है।

पारिवारिक

इस माह पारिवारिक उन्नति के मामले गति पकड़ने की अपेक्षा प्रतिकूल ग्रह गोचर के चलते विभिन्न प्रकार की समस्याओं के भंवर में फंस जाएंगे। बहुत प्रबल सम्भावनाएं हैं कि बुजुर्गों से सम्बन्धों में गम्भीर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो जाए। इसलिए उसे नियंत्रित करने के लिए शान्ति व अनुशासन से काम लें। ताकि शान्ति भंग न हो। ऐसा करने से स्थिति नियंत्रण में रह सकती है।

पारिवारिक वातावरण में कटुता के संकेत हैं और ऐसे वातावरण में बच्चे चिड़चिड़े व जिद्दी होकर दिए गये कार्यों का उचित रूप से सम्पादन नहीं करेंगे। इसलिए उनपर भी कड़ी नजर रखने की आवश्यकता है।

बच्चे

इस माह का ग्रह गोचर कुछ समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। क्योंकि बच्चे कुछ ऐसा व्यवहार करेंगे कि जिसके कारण आप थोड़े परेशान हो सकते हैं। कुछ बच्चों का अपने शिक्षकों के साथ गम्भीर वैचारिक मतभेद भी हो सकता है। इसलिए मां बाप को बीच में आकर बीच–बचाव करना होगा।

पढ़ाई में बच्चों का प्रदर्शन विशेष प्रेरणादायी नहीं होगा तथा कानून की शिक्षा प्राप्त

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

करने वाले छात्रों को अधिक कठिनाईयां आ सकती हैं। परन्तु मां बाप को चाहिए कि वे अपने बच्चों को निरंतर अभ्यास करते रहने के लिए प्रेरित करते रहें तथा उनकी समस्याओं का समाधान खोजते रहें।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

मई 2024

स्वास्थ्य

इस माह में जहां तक आपके स्वास्थ्य का सवाल है, सितारों की स्थिति आपके स्वास्थ्य के प्रतिकूल बनी हुई हैं। अचानक गंभीर बीमारी होने की संभावना बन रही हैं इसलिए आपको तत्काल उपचार की आवश्यकता पड़ सकती हैं। रोग उपचार में किसी भी प्रकार की देरी आपके रोगों को गंभीर बना सकती हैं। गठिया, कब्ज जैसी पुरानी बीमारियों में गड़बड़ी होना आपकी चिंता का एक स्त्रोत बन सकता है। ऐसी किसी भी अवस्था में आपको शीघ्र उपचार की जरुरत पड़ सकती हैं। कठिन समय है इसलिए माह अवधि में सावधानी बनाए रखना हितकारी रहेगा।

फाइनेंस

वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। इस माह में आपमें आत्मविश्वास की कमी और पहल करने की क्षमता की कमी हो सकती हैं। इस समय की सभी संभावनाएं प्रतिकूल बनी हुई हैं। अतः इस समय आपको अनेक क्षेत्रों में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं। अत्यधिक जोखिम की स्थिति बनी होने के कारण यह समय आर्थिक पक्ष से आपके लिए अंधकारमय सिद्ध हो सकता हैं। नये उदयमों में निवेश करने के लिए ग्रह स्थिति सौहार्दपूर्ण नहीं बनी हुई हैं। यदि इस प्रकार के कुछ योजनाएं है तो आपको इन्हें स्थगित कर देना चाहिए।

व्यवसायिक

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी पेशेवर संभावनाओं के लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बन रही हैं। माह अवधि में आपको अपने अधीनस्थों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ सकता हैं। अपने नीचे कार्य करने वाले वर्ग से कार्य लेना आपके लिए दुष्कर कार्य होगा। आपके द्वारा अपने अधीनस्थों का शोषण हो सकता हैं। अपने इस स्वभाव पर नियंत्रण लगाने से आपके प्रति उनके मन में असंतोष की स्थिति दूर हो सकती हैं। यह आपके कार्यो में बाधा का कार्य भी करेगा। सौदों के लिए यात्रा करना इस समय में प्रतिकूल फल दे सकता हैं। अतः जहां तक हो सके आप यात्राओं से बचें। स्वयं में असुरक्षा की भावना को दूर करने के लिए आपको प्रयास करना चाहिए। साथ ही आप अपने आत्मविश्वास को भी कम न होने दें।

एजुकेशन

यह माह आपकी शिक्षा क्षेत्र के लिए प्रतिकूल बना हुआ है, क्योंकि इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए शुभ लाभदायक नहीं बनी हुई है। माह अवधि में आपको अध्ययन करते समय प्रेरणा की कमी का अनुभव हो सकता है। आप अपने प्रयासों से प्रतिस्पर्धा में बढ़त ले सकते है। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों के लिए अतिरिक्त कोचिंग

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

लेनी पड़ सकती है, क्योंकि यह आपकी संभावित सफलता में निर्णायक साबित हो सकती है। इंजीनियरिंग और चिकित्सा के छात्रों के लिए इस अवधि में सफल होना मुश्किल लक्ष्य हो सकता है। धैर्य और दृढ़ता के साथ प्रयासरत रह आप इन कठिनाइयों को दूर कर सकते है।

यात्रा

जहां तक यात्राओं से लाभ प्राप्ति का संबंध है, इस माह के सितारें आपके लिए बहुत उपयोगी नहीं बने हुए है। नौकरी या व्यवसायिक कार्यो के लिए इस अवधि में यात्रा करना आपके लिए मानसिक तनाव का कारण बन सकता है। यात्राओं से लाभ प्राप्ति के संयोग भी बहुत कम बन रहे है। समय की प्रतिकूलता से इस समय में किए गये प्रयासों में लाभों का स्तर बहुत निम्न बना हुआ है। आपकी यात्राओं के लिए समय की प्रतिकूलता देश के भीतर और देश के बाहर दोनों प्रकार की यात्राओं के लिए बनी हुई है। यात्राओं का शुभ माध्यम सड़क मार्ग या रेल मार्ग बना हुआ है। इस समय में कुछ यात्राएं अनौपचारिक रुप से भी आपको करनी पड़ सकती है। यात्राओं का मुख्य उद्देश्य पूरा होने की संभावनाएं बहुत आंशिक बन रही है। यात्रा की सबसे अनुकूल दिशा दक्षिण दिशा है।

पारिवारिक

ग्रह चाल परिवार कल्याण के लिए विशेष शुभ नहीं है तथा वित्तीय परेशानियां परिवार की चिन्ताओं को बढ़ा सकती हैं। सावधानी पूर्वक बनायी गई योजनाओं के प्रभाव से इन समस्याओं जैसे ऋण आदि के कुप्रभाव से कुछ हद तक बचा जा सकता है।

पारिवारिक वातावरण विशेष बेहतर व तालमेल वाला नहीं होगा। परिवार के बड़े बुजुर्गों के साथ वैचारिक मतभेद की भी सम्भावनाएं हैं। अपने आप को शांत बनाए रखें तथा विपरीत परिस्थिति में अपना धैर्य न खोएं अन्यथा तनाव की स्थिति जस की तस बनी रहेगी।

बच्चे

इस माह के ग्रह गोचर के प्रभाव से आपके बच्चे कोई विशेष अनुकूल प्रदर्शन नहीं कर सकेंगे तथा निरंतर आज्ञा का उल्लंघन भी करते रहेंगे तथा उनमें से कुछ बच्चे नौकर चाकरों के साथ अनावश्यक झगड़ा भी करेंगे। अभिभावकों को इनका ध्यान रखने की आवश्यकता है।

इन्हें चोट आदि लगने का भी भय रहेगा। विशेष रूप से खेलकूद व साहसिक कार्यों में रुचि रखने वाले छात्रों को जोखिम उठाने से रोकना होगा।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

जून 2024

स्वास्थ्य

सितारों की शुभ स्थिति आपकी स्वास्थ्य समस्याओं का निराकरण कर रही हैं। जिसके कारण इस माह में बन रहे योग आपकी स्वास्थ्य संभावनाओं को प्रोत्साहित कर रहे हैं। माह अवधि में आपको कब्ज, पेट विकार, गठिया, कमजोर रक्त संचरण जैसी पुरानी बीमारियों में गड़बड़ी न होने से आपको राहत मिलेगी। यह माह आपको सक्रिय और चुस्त रखेगा। बुखार, सूजन जैसी तीव्र किस्म की अचानक से होने वाली बीमारियां से राहत के भी आंशिक संकेत बन रहे हैं। इस माह की अवधि में आपको किसी प्रकार के गंभीर रोग का सामना नहीं करना पड़ेगा। फिर भी माह अवधि में गले में संक्रमण से जुड़ी जटिलताएं होने पर इनका अच्छे से पता लगाके जांच की जानी चाहिए। स्वास्थ्य के लिए स्थिति सतर्कता की बनी हुई हैं।

फाइनेंस

माह अवधि के सितारें आपके लिए काफी उत्तम बन रहे हैं। अतः यह माह आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए अच्छा रहेगा। कला के संगीतकारों, नर्तकों, चित्रकारों, और अन्य कला जानकारों के लिए समयावधि काफी संतोषजनक बनी हुई हैं। अपनी कला का जादू बिखेरने में कला जगत कामयाब रहेगा। समय की शुभता आपको आर्थिक लाभ और रचनात्मक उत्पादन दोनों देगी। इससे आप संतोष का अनुभव करेंगे। अधीनस्थों और अपने नीचे कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की सेवाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त करने और उनसे निपटने में आप सफल रहेंगे। नये उद्यमों में निवेश करने का परिणाम आपके लिए सुंदर मुनाफा हो सकता हैं।

व्यवसायिक

माह अवधि के ग्रह एवं सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बनी हुई हैं। अतः यह समय आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए उत्तम नहीं बना हुआ हैं। अधीनस्थों से अपने संबंधों को मधुर बनाने के लिए आपको अपनी ओर से प्रयास करने पड़ेगे। अपने अधीनस्थों के रोष को दूर करने की कोशिश करनी होगी। सौहार्दपूर्ण व्यवहार के साथ उनसे वार्तालाप करना आपके लिए हितकारी रहेगा। निम्न वर्ग के शोषण की अपनी प्रवृत्ति पर आपको अंकुश लगाना चाहिए। यात्राओं के लिए यह अवधि बहुत सुखद और लाभप्रद नहीं बनी हुई हैं। परिस्थितियों के विपरीत होने से आपको ऐसी योजनाओं का त्याग करना चाहिए। दक्षिण दिशा की यात्रा करने से कुछ लाभ प्राप्ति हो सकती हैं। यह आपमें असुरक्षा और असंतोष की भावना को कुछ कम कर सकता है।

एजुकेशन

शैक्षिक गतिविधियों के लिए यह माह काफी अनुकूल बना हुआ हैं, क्योंकि इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए सकारात्मक बनी हुई हैं। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला,

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

मूर्तिकला और अन्य कला विषयों में अध्ययन करने वाला छात्र वर्ग प्रेरित हो अपनी योग्यता और कौशल के जादू से सराहना प्राप्त करेगा। इस वर्ग को उल्लेखनीय सफलता की प्राप्ति हो सकती हैं। तकनीकी छात्रों को भी अपना कौशल दिखाने के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए इस वर्ग को अपनी पाठ्यपुस्तकों का अच्छध से अध्ययन करना होगा। प्रतियोगी परीक्षाध में शामिल होने वाले व्यक्तियों को सामान्य प्रयास करने से ही उद्देश्यों की प्राप्ति हो सकती हैं।

यात्रा

यात्राओं के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी बहुत अनुकूल नहीं बन रही है। अतः इस माह में आप यात्राओं से लाभ पाने से वंचित रह जायेंगे। देश के भीतर या देश के बाहर पर प्रकार की यात्राएं अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में विफल रहेंगी। यात्राओं के लिए आप रेल मार्ग या सड़क मार्ग का प्रयोग कर आंशिक विफलता दूर कर सकते है। नौकरी या व्यवसाय के क्षेत्र में यात्राओं के द्वारा लक्ष्य प्राप्ति न हो पाने के कारण आपका प्रदर्शन कमजोर रहने की संभावना बन रही है। समय की प्रतिकूलता में आपको निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि सितारों की स्थिति आपको शुभता देने की स्थिति में नहीं है। कुछ यात्राएं यदि आप अपने परिवार के साथ खुशी और आनंद प्राप्ति के लिए करते है तो इन यात्राओं में सुख का अभाव होगा। दक्षिण दिशा में यात्रा करना आपके लिए अनुकूल रहेगा।

पारिवारिक

आगामी माह में आपके परिवार की स्थिति अनुकूल ग्रह गोचर के प्रभाव से शुभ रहेगी। परिवार में किसी आनन्ददायक मांगलिक कार्य के होने की प्रबल सम्भावना है।

पिता के प्रति आपके बढ़ते स्नेह व सेवा भाव से प्रभावित होकर वे आपको तहे दिल से आशीर्वाद देंगे और उनसे आर्थिक लाभ भी होगा। ऐसी ही सम्भावनाएं हैं कि सामाजिक रूप से आपसे निम्न स्तरीय व्यक्ति से आपको विशेष लाभ हो जो आगे चलकर आपके लिए वरदान साबित हो। अन्यथा भी आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर ही रहेगी तथा उसमें किसी न किसी प्रकार का इजाफा अवश्य होगा।

बच्चे

आने वाले माह में आपके बच्चे अनुकूल गोचर के प्रभाव से उत्तम परिणाम लाने में सक्षम रहेंगे। बहुत से बच्चे अपने मां–बाप के लिए कुछ समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। दैनिक क्रम में किये जाने वाले कार्यों में उत्तम उत्पादक कार्य का प्रदर्शन कर सकते हैं।

यद्यपि किसी विशेष श्रेष्ठता की अपेक्षा नहीं की जा सकती, परन्तु उनका प्रदर्शन अधिकतर सामान्य से श्रेष्ठ ही रहेगा। अधिकतर बच्चे अपने अभिभावकों को थोड़ा परेशान करने के बाद सही मार्ग पर आ जाएंगे। इसलिए नियमित व समुचित मार्गदर्शन लाभकारी रहेगा।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

जुलाई 2024

स्वास्थ्य

माह अवधि में सितारों की स्थिति नकारात्मक होने से आपके स्वास्थ्य के लिए यह माह बहुत ही उत्साहवर्धक नहीं रहेगा। अधिक परिश्रम और थकावट की वजह से आपको दुर्बलता का अनुभव और तंत्रिका विकार की स्थिति बन सकती हैं। इसके अतिरिक्त यह भी संभावित है कि परिश्रम अधिक करने और आराम कम करने से आपके स्वास्थ्य में अन्य परेशानियां भी प्रवेश कर जायें। समय की अशुभता को कम करने के लिए आपको अधिक परिश्रम से बचना चाहिए। सामथ्र्य से अधिक मेहनत आपके शारीरिक तंत्र पर अनुचित दबाव डाल रहा हैं। इस दबाव को कम करने के लिए आप दैनिक कायी का कार्यक्रम बना कर कार्य पूर्ण कर सकते हैं। हालांकि, एक छोटी सी अतिरिक्त देखभाल कर आप स्थिति को सामान्य बनाए रख सकते हैं।

फाइनेंस

वित्तीय संभावनाओं के लिए माह अवधि के सितारों की स्थिति कोई उत्साहजनक नहीं बनी हुई हैं। व्यक्तिगत उद्देश्यों के लिए या सामाजिक स्तर हेतु आपके द्वारा अधीनस्थों अथवा श्रमिकों का शोषण हो सकता हैं। आपके नेतृत्व गुणघं की कमी के कारण कुछ अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सकती हैं। आपको अपनी ऐसी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाना पड़ सकता हैं। आपको अधीनस्थों के साथ निष्पक्ष रहना होगा। इसके अतिरिक्त लेखकों, कवियों और अन्य कलाकारों के लिए ग्रहों की शुभता की कमी बनी हुई हैं। इस अवधि में इस वर्ग की आर्थिक स्थिति और रचनात्मक उत्पादन की कमी रहेगी। नए उदयमों में निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं बना हुआ हैं।

व्यवसायिक

इस माह के सितारों की स्थिति आपके पेशेवर जीवन की संभावनाओं के लिए अनुकूल नहीं बन रही हैं। अतः यह समय आपकी व्यावसायिक उन्नति के लिए कष्टकारी हो सकता हैं। माह अवधि में अधीनस्थों का फायदा उठाने के कारण, अधीनस्थ आपसे नाराज हो सकते हैं। गंभीर होकर आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की कोशिश करें। वरना यह आपके लिए अप्रिय स्थिति उत्पन्न कर सकता हैं। आर्थिक संकट भी जन्म ले सकते हैं। प्रतिकूल स्थिति ओर खराब न हों इसके लिए आपको स्वयं प्रयास करने होंगे। अपने अधीनस्थों के साथ अपने व्यवहार को सौहार्दपूर्ण बनाए रखें। व्यावसायिक सौदें तय करने के लिए पश्चिम दिशा का प्रयोग किया जा सकता हैं। संपर्कों का लाभ आपको नहीं मिल पायेगा। विपरीत परिस्थिति होने के कारण इस अवधि में आपको कड़ी मेहनत करनी होगी।

एजुकेशन

शैक्षिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी बहुत अनुकूल नहीं

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

बन रहा है। इस माह अवधि में आपके व्यावहारिक विषयों से संबंधित सभी परीक्षाएं का परिणाम उम्मीद से कम रहने की संभावनाएं बन रही है। तकनीकी छात्रों को अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए सामान्य से अधिक कठिन कार्य करने पड़ सकते है। भाषाओं, पत्रकारिता या लेखा विषयों में अध्ययन कर रहे छात्रों को सफल होने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले उम्मीदवारों को अपनी सफलता को सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी चाहिए।

यात्रा

इस माह अवधि में यात्राओं से लाभ प्राप्ति की संभावनाएं बहुत कम बन रही है, क्योंकि इस माह के सितारें आपके लिए काफी अनुकूल बनी हुई है। परिवार के साथ छुट्टी पर जाने की यात्राएं बहुत आनंदमयी नहीं रहेंगी। व्यापारिक कार्यो के लिए की गई यात्राएं भी आपके लिए बहुत लाभकारी न रहने की संभावना बन रही है। प्रतिकूल समय में आपको उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्त नहीं हो पायेंगे। बहुत आवश्यक होने पर आप रेल द्वारा और सड़क मार्ग का प्रयोग करें। इसके अलावा यात्रा की सबसे अधिक दिशा दक्षिण दिशा है। यात्राओं में सावधानी और सतर्कता बनाए रखना हितकारी रहेगा।

पारिवारिक

इस माह के प्रतिकूल ग्रह गोचर के प्रभाव से पारिवारिक विषयों में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा तथा आपमें से बहुत से लोगों को परिवार के बड़े बुजुर्गों के साथ वैचारिक मतभेद का सामना करना पड़ेगा। ऐसी परिस्थिति में स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए ठण्डे दिमाग से कार्य करना होगा तथा हर सम्भव प्रयास करें कि विपरीत परिस्थिति में आपका धैर्य न डगमागाए।

ऐसा वातावरण बनने से जहां धैर्य व तालमेल की कमी हो बच्चे भी प्रभावित होंगे तथा चिड़चिड़े व जिद्दी होकर दिये गये कार्यों का कुशलता पूर्वक सम्पादन नहीं कर पाएंगे। ऐसी भी सम्भावना है कि आप आर्थिक रूप से कुछ विशेष न कर पाएं इसलिए अपने खर्च पर नियंत्रण रखें।

बच्चे

इस माह के ग्रह गोचर के प्रभावस्वरूप आपके बच्चों के लिए उज्ज्वल परिणाम आने की सम्भावना कम है। यह माह बेहतर प्रदर्शन करने के लिए विशेष शुभ नहीं है। इसीलिए कमजोर बच्चों को अतिरिक्त ट्यूशन व कोचिंगे की आवश्कयता पड़ेगी।

पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को भी कुछ कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। वाणिज्य व एकाउण्ट्स की पढ़ाई करने वाले बच्चों के लिए विपरीत समय चल रहा है। अधिकतर बच्चे आज्ञाकारी रहेंगे। प्रत्युत उनमें से कुछ तो परिवार के बड़े बूढ़ों के साथ झगड़ा करने में भी गुरेज नहीं करेंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

अगस्त 2024

स्वास्थ्य

इस माह के दौराण भाग्य शुभता की अनुकूलता आपकी सेहत के लिए फायदेमंद सिद्ध होंगी। यहां तक की पाचन अंगों से संबंधित संवेदनशीलता भी आपको पेट की पुरानी बीमारियों के प्रभावी न होने से आपको राहत मिलेगा। परन्तु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप इस समय में अपनी स्वास्थ्य सावधानियों का त्याग कर दें। सामान्य एहतियात रखना उपाय का कार्य करेगा। सर्दी, खांसी जैसी किसी भी परेशानी को लेकर आपको सावधान रहना होगा। ऐसी किसी भी अनियमिता के होने पर आपको तुरंत ईलाज कराना होगा। इसमें किसी भी प्रकार की देरी आपके स्वास्थ्य के लिए सही नहीं होगी। यह माह काफी उत्साहजनक माह हैं, इसमें आप अपनी स्वस्थता की काफी उम्मीद कर सकते हैं।

फाइनेंस

वित्तीय संभावनाओं के लिए सितारें अनुकूल नहीं बन रहे हैं। इसलिए इस अवधि में आर्थिक पक्ष से समय उत्साहजनक नहीं बना हुआ हैं। अधिनस्थों और श्रमिक वर्ग का आपके द्वारा शोषण हो सकता हैं। यह व्यक्तिगत उद्देश्यों अथवा सामाजिक स्तर को बनाए रखने के लिए आप के द्वारा ऐसा हो सकता हैं। आपको अपने इस स्वभाव पर अंकुश लगाना चाहिए। इसके अलावा नए उदयम को शुरु करने और इनमें निवेश करने के लिए समय की अनुकूलता नहीं बनी हुई हैं। ग्रहों की प्रतिकूलता बनी हुई है इसलिए ऐसी योजनाओं को स्थगित करना ही लाभकारी रहेगा।

व्यवसायिक

माह अवधि के ग्रह योग आपके पेशेवर जीवन में उन्नति के पक्ष से बहुत बेहतर नहीं बनी हुई हैं। विपरीत समय में कुछ विषयों पर नियंत्रण लगाना आपके लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता हैं। विशेष रुप से अधीनस्थों का शोषण करने से आपको बचना होगा। यदि आपमें प्रवृत्ति किसी भी प्रकार है तो उस पर आप अंकुश लगायें। वरना यह आपमें असंतोष का गुण ला सकता हैं। आपका नेतृत्व भी आपके लिए कष्टकारी हो सकता हैं। संपकी से अभी तक आपको जो लाभ मिलता था वह आपके लिए इस अवधि के दौरान मददगार साबित नहीं होगा। व्यावसायिक यात्राएं करने एक लिए आप उत्तर दिशा का प्रयोग कर सकता हैं। इस दिशा में यात्रा करना आपके लिए उपयोगी हो सकता हैं।

एजुकेशन

यह माह आपके शिक्षा कार्यो के लिए उत्तम बना हुआ है क्योंकि इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए शुभ फलदायक बन रही हैं। तकनीकी छात्र अपने कौशल और निपुणता से शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे। इस वर्ग को अपनी सफलता का स्कोर

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

ऊंच रखने में सहायता मिलेगी। यह समय आपकी सफलता के लिए उल्लेखनीय सिद्ध हो सकता हैं। कलात्मक विषयों के छात्र वर्ग के लिए भी ग्रह स्थिति सुखद बनी हुई हैं। विषयों के प्रति मन की स्पष्टता बनी रहने से आप बहुत जल्द और आसानी से सीखेंगे। मानसिक संकायों के छात्रों के लिए भी स्थिति अनुकूल बनी हुई हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले छात्र वर्ग कम प्रयास से ही अच्छी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। फिर भी प्रयासों में ईमानदारी बनाए रखना आवश्यक हैं।

यात्रा

इस माह में यात्राओं से लाभ की संभावनाएं बहुत उज्जवल नहीं बनी हूई है, क्योंकि इस अवधि में सितारों का संयोजन आपके लिए सुखद नहीं बना हुआ है। नौकरी या व्यापार क्षेत्र की यात्राओं के लिए भी इस अवधि के ग्रह शुभ फल प्रदान करने की स्थिति में नहीं है। इस समय में बहुत आवश्यक है कि आप यात्राओं की योजना सोच विचार करने के बाद ही बनाए। इस समय में किए गये प्रयास अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल नहीं हो पायेंगे। बहुत आवश्यक होने पर आप रेल मार्ग और सड़क मार्ग का प्रयोग कर आंशिक लाभ प्राप्त कर सकते है। इस अवधि की सबसे अनुकूल दिशा इस माह में दक्षिण दिशा बन रही है। इन दिशाओं में यात्रा करना आपके लिए इस अवधि में कुछ फायदेमंद साबित हो सकता है।

पारिवारिक

प्रतिकूल ग्रह चाल आपके पारिवारिक कल्याण के विषयों में शुभ परिणामदायी नहीं रहेगी तथा आपमें से बहुत से लोगों को अपने बन्धु–बान्धवों के साथ गम्भीर वैचारिक मतभेद का सामना करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त परिवार के बड़े बुजुर्गों से सम्बन्धों में कड़वाहट आ सकती है।

दोनों ही परिस्थितियों में अपना धैर्य न खोएं। मस्तिष्क को शांन्त रखें तथा विपरीत परिस्थिति के आने पर शान्ति भंग न होने दें। ऐसा करने से काफी हद तक आप अपने कार्यों में अशांति उत्पन्न होने की स्थिति से बच सकते हैं। व्यय के नियंत्रण से बाहर होने की जबर्दस्त सम्भावनाएं हैं। इसलिए खर्च पर अंकुश लगाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें।

बच्चे

आने वाले माह में आपके बच्चे अनुकूल गोचर के प्रभाव से उत्तम परिणाम लाने में सक्षम रहेंगे तथा अधिक कठिनाईयां नहीं आएंगी। सही मार्ग पर डाले जाने पर बेहतर परिणाम ला सकते हैं। दैनिक क्रम में किये जाने वाले कार्यों में उत्तम उत्पादक कार्य का प्रदर्शन कर सकते हैं।

यद्यपि किसी विशेष श्रेष्ठता की अपेक्षा नहीं की जा सकती, परन्तु उनका प्रदर्शन अधिकतर सामान्य से श्रेष्ठ ही रहेगा। अधिकतर बच्चे अपने अभिभावकों को थोड़ा परेशान करने के बाद सही मार्ग पर आ जाएंगे। इसलिए नियमित व समुचित मार्गदर्शन लाभकारी रहेगा।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

सितम्बर 2024

स्वास्थ्य

इस माह ग्रह सितारों का प्रतिकूल संयोजन होने के कारण सामान्य देखभाल से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं बना रहेगा। बुखार, सूजन जैसे अचानक गंभीर बीमारी आपको परेशान कर सकती हैं। ऐसे रोगों का शीघ्र से ईलाज किया जाना आवश्यक हैं। उपचारात्मक उपायों के द्वारा रोगों के नाकारत्मक प्रभाव को बहुत कम किया जा सकता है। गठिया, पाचन तंत्र, पुरानी बीमारियां और कब्ज आदि में गड़बड़ी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। आहार पर नियंत्रण और उपयुक्त दृढ उपाय करना आपको इस मामले में तत्काल राहत देगा। फिर भी इस अवधि में स्वास्थ्य की परेशानियां होने से स्थिति आपको कष्ट देती रहेगी।

फाइनेंस

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से ग्रह स्थिति इस माह में बहुत उत्साहजनक नहीं बनी हूई हैं। उत्साहजनक स्थिति न होने के कारण यह आपके लिए चिंता का कारण बनेगा। किसी विवाद या मुकद्दमेबाजी में शामिल होने पर इनका फैसला आपके खिलाफ जा सकता हैं। यदि संभव हो तो ऐसे निर्णयों को भविष्य में शुभता की स्थिति आने तक स्थगित करना ही बेहतर रहेगा। इसके अतिरिक्त आपसे अपने व्यक्तिगत उद्देश्यों और सामाजिक स्तर को बेहतर बनाए रखने के लिए अपने नीचे रहने वाले वर्ग का शोषण हो सकता हैं। लोगों का शोषण करने की प्रवृति पर अंकुश लगाना होगा।

व्यवसायिक

व्यावसायिक जीवन में उन्नाति प्राप्ति के लिए माह के सितारों की स्थिति आपके लिए उत्कृष्ट बनी हुई हैं। इस माह के दौरान आप सामान्य रुप से कार्य करने के बाद भी अपने व्यावसायिक क्षेत्र को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाने में सफल हो पायेंगे। इस माह में आप अपने नेतृत्व गुणों से अपने वरिष्ठ अधिकारियों और अपने अधीनस्थों की सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। कार्य भार की अधिकता इस अवधि में आप पर अधिक रहेंगी। परन्तु उम्मीद के अनुरुप लाभ की प्राप्तियां होने से आपको इसका अहसास नहीं होगा। व्यावसायिक यात्राएं इस अवधि में आपके लिए लाभप्रद साबित होंगी। माह अवधि की सबसे लाभप्रद दिशा पूर्व दिशा हैं। समय की अनुकूलता आपकी पेशेवर संभावनाओं को बढ़ावा देने में काफी हद तक सहयोग कर रही हैं। किसी वृद्ध व्यक्ति का सहयोग लाभ वृद्धि में सहयोग कर सकता हैं। उत्कृष्ट माह होने के कारण इस अवधि में आप अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

एजुकेशन

शिक्षा के क्षेत्र में इस माह की आपकी गतिविधियां उत्कृष्ट बनी हुई हैं, क्योंकि इस

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

माह के सितारें आपको शुभ आशीर्वाद प्रदान कर रहे हैं। तकनीकी छात्र अपने कौशल और निपुणता से स्कोर सफलता प्राप्त करने और अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे। माह अवधि में लगन और मेहनत से प्रयास कर आप उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर सकते हैं। पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन करने में आपका मन लगेगा। कला और होटल प्रबंधन के छात्र भी अपने विषयों को जल्द और अच्छछ से समझेंगे। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों को ईमानदारी के साथ किए गये सामान्य प्रयासों से सफलता की प्राप्ति हो सकती हैं।

यात्रा

इस माह यात्राओं से लाभ प्राप्ति की संभावनाएं बहुत उज्जवल नहीं बन रही है, क्योंकि इस माह के सितारों का योग अनुकूल नहीं बन रहा है। नौकरी या व्यवसाय से जुड़े कार्यो और पर्यटन विषयों में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। समय की प्रतिकूलता में सफलता की संभावनाएं बहुत कम बन रहे है। स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस अवधि में यात्रा के द्वारा कार्यों को पूर्ण करने के प्रयास विफल हो सकते हैं। इस समय में यदि आप परिवार के साथ छुट्टी लेकर यात्राओं पर जाते है तो इसमें आपको आनंद की प्राप्ति की संभावनाएं नहीं हो पायेंगी। यह यात्राएं आपके लिए सुखद नहीं रहेंगी। बहुत आवश्यक होने पर इस समय में आप रेल द्वारा और सड़क मार्ग का प्रयोग कर सकते है।

पारिवारिक

इस माह का ग्रह गोचर पारिवारिक कल्याण के लिए किंचित भी शुभ प्रतीत नहीं होता तथा पारिवारिक वातावरण भी तनाव व सम्बन्धों में कटुता के चलते कुप्रभावित हो सकता है, जिसके कारण बड़े बुजुर्गों से गम्भीर वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

अपनी कठिनाईयों को कम करने के लिए प्रयास करें कि अपनी पत्नी के साथ बिगड़ते सम्बन्धों को किसी प्रकार से सम्भाला जाए। बच्चे भी चिड़चिड़े हो जाएंगे तथा पढ़ाई व अन्य उपयोगी गतिविधियों में आशाजनक प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। आपको न केवल उनके ऊपर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है बल्कि आपको ऐसा भी प्रयास करना होगा जिसके प्रभाव से आपके अपने सम्बन्धियों से रिश्तों में तनाव को कुछ नियंत्रित किया जा सके।

बच्चे

इस माह के ग्रह गोचर के अनुसार ऐसा प्रतीत होता है कि बच्चे अपने अभिभावकों के लिए विभिन्न प्रकार की समस्याएं उत्पन्न करेंगे, परन्तु उनमें से कुछ बच्चे अपने कार्यों में अत्यन्त उत्तम प्रदर्शन करेंगे तथा अतिरिक्त योग्यता सम्पन्न बच्चे अपने सभी प्रकार के कार्यों में सफल होंगे। नेतृत्व शक्ति सम्पन्न बच्चे अपने लिए सफलता बढ़ाने के लिए तथा अपने यश की अभिवृद्धि करने के लिए और अपना कद ऊँचा करने के लिए विभिन्न नये रास्ते अपनाएंगे।

अधिकतर बच्चे बहुत से मित्रों को बनाकर अपनी लोकप्रियता बढ़ाएंगे। परन्तु ये बच्चे अनुशासनहीन गतिविधियों में भी संलग्न रहेंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

अक्तूबर 2024

स्वास्थ्य

इस माह में सितारों का संयोजन आपके स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बना हुआ हैं। वास्तव में आपको इस माह पाचन तंत्र से संबंधित कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं। पुरानी कब्ज या इस तरह की बीमारियां होने से आपको काफी परेशानी हो सकती है। विकृतियों का इलाज करने के साथ–साथ आपको सावधानी बरतनी होगी। घटनाएं आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। इन बीमारियों के ईलाज में किसी भी तरह की उपेक्षा सही नहीं होगी। इससे काफी हद तक स्थिति बिगड़ने की संभावना बन रही हैं। माह अवधि में घटने वाली घटनाएं आपके अनुकूल नहीं होगी इसलिए आपको सावधानी बरतने की स्थिति बनी हुई हैं।

फाइनेंस

इस माह के सितारों की स्थिति शुभ फलदायक न होने के कारण यह माह आपके लिए आर्थिक पक्ष से प्रतिकूल हो सकता हैं। अपने व्यक्तिगत उद्देश्यों और सामाजिक स्तर को उच्च रखने के लिए आप अपने अधीनस्थों का शोषण कर सकते हैं। इस समय में आपको अपने स्वभाव पर अंकुश लगाना चाहिए। स्वभाव को न बदलने पर आपके लिए अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सकती हैं। नए उद्यमों को शुरु करने के लिए और निवेश करने के लिए समय प्रतिकूल बना हुआ हैं। समय में शुभता की कमी बनी हुई है इसलिए आपका ऐसी योजनाओं को स्थगित करना ही सही रहेगा।

व्यवसायिक

माह अवधि में ग्रहों की स्थिति आपकी पेशेवर उन्नति के लिए बेहतरीन संभावनाएं लिए हुए हैं। माह अवधि में आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। इससे आप अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस अवधि में आपका व्यावसायिक सौदों के लिए यात्रा करना आपके लिए लाभकारी रहेगा। विशेष रुप से दि्क्षण दिशा में यात्रा करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी बूढ़े व्यक्ति का सहयोग आपकी व्यावसायिक संभावनाओं को बढ़ावा देगा। साथ ही किसी महिला सहयोगी के मध्यम से भी लाभ प्राप्ति की संभावनाएं बन रही हैं। अधीनस्थों की सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में आप सक्षम रहेंगे। इस माह में आपको बड़े लाभ प्राप्त हो सकते हैं।

एजुकेशन

इस माह के सितारों का विन्यास आपके शिक्षा कार्यों के लिए अनुकूल नहीं बन रहा है। तकनीकी छात्रों को माह अवधि में अपनी रैंकिंग बनाए रखने में सामान्य से अधिक कार्य

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

करना पड़ सकता है। संभव है कि फिर भी आपको मनोकूल परिणाम प्राप्त न हो पायें। इसलिए इस अवधि में आपको दृढ़ता के साथ प्रयास करते रहना होगा। भाषाओं, पत्रकारिता और लेखा आदि के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्रों की शैक्षिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं बन रही है। माह अवधि में इस वर्ग को धैर्यपूर्वक मेहनत और लगन से अध्ययन करते रहना होगा। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों को सफलता प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती है। कोचिंग लेना आपकी सफलता और विफलता के अंतर को कम कर सकता है।

यात्रा

यह माह यात्राओं के लिए बहुत सुखद नहीं बन रहा है। अतः यात्राओं से उम्मीद के अनुरुप सफलता प्राप्त नहीं हो पाएगी, क्योंकि इस माह के सितारों का योग आपकी यात्राओं के लिए अनुकूल नहीं बना हुआ है। आवश्यक होने पर आप सड़क मार्ग और रेल मार्ग के द्वारा यात्रा कर सकते है। इन मार्गों का उपयोग आपके लिए कुछ लाभकारी सिद्ध हो सकता है। व्यापार या नौकरी संबंधित यात्राओं के परिणाम सुखद न रहने की संभावना बन रही है। इस समय में आप अपने कर्तव्यों का अनुसरण कुशलता से करें। परिवार के साथ छुट्टी लेकर यात्रा करने के लिए भी समय की शुभता नहीं बनी हुई है। यात्रा की सबसे अनुकूल दिशा दक्षिण दिशा है। इस दिशा में यात्राएं आपको कुछ लाभ दे सकती है।

पारिवारिक

इस माह का ग्रह गोचर पारिवारिक कल्याण के लिए किंचित भी शुभ प्रतीत नहीं होता जिसके कारण बड़े बुजुर्गों से गम्भीर वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। अपना धैर्य न खोएं। मस्तिष्क को शांन्त रखें तथा विपरीत परिस्थिति के आने पर शान्ति भंग न होने दें। ऐसा करने से काफी हद तक आप अपने कार्यों में अशांति उत्पन्न होने की स्थिति से बच सकते हैं।

व्यय के नियंत्रण से बाहर होने की जबर्दस्त सम्भावनाएं हैं। इसलिए खर्च पर अंकुश लगाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। बच्चे भी चिड़चिड़े हो जाएंगे तथा पढ़ाई व अन्य उपयोगी गतिविधियों में आशाजनक प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। आपको न उनके ऊपर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है ।

बच्चे

इस माह के ग्रह गोचर से बच्चों के बारे में किसी भी शुभ परिणाम की आशा करना व्यर्थ होगा। जो बच्चे पढ़ाई में कमजोर हैं, उन्हें अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता पड़ेगी। यह माह बेहतर प्रदर्शन करने की दृष्टि से प्रतिकूल है तथा वे बच्चे जो पढ़ाई में बहुत अच्छे हैं उनको भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा।

मां बाप को चाहिए कि वे उनकी सहायता व उत्साहवर्धन करते रहें। ऐसा करना उन छात्रों के लिए और आवश्यक हो जाएगा जो प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने में रुचि रखते हों। बुजुर्गों से कुछ वैचारिक मतभेद के भी संकेत हैं।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

नवम्बर 2024

स्वास्थ्य

इस महीने में आप का सामना सितारों के जिस संयोजन से हो रह है वह बहुत उत्साहवर्धक नहीं बना हुआ है। माह अवधि में बहुत अधिक परिश्रम और थकावट की वजह से दुर्बलता और तंत्रिका विकार पीड़ित होने की संभावना बन रही हैं। ऐसा न हो इसके लिए आपको इस स्थिति में परिवर्तन के प्रयास करने चाहिए। अपने जीवन की गतिविधियों के कार्यो की एक ताजा अनुसूची तैयार कर इसका सख्ती से प्रयोग करना आपको थकावट से राहत देगा। इस प्रकार आप निश्चित रूप से अप्रिय स्थिति को होने से रोक सकते हैं। पाचन अंगों से संबंधित पुरानी बीमारियां आपके लिए मुसीबत बन सकती है। आपको इन्हें रोकने के लिए सुरक्षा का उपाय करना चाहिए।

फाइनेंस

वित्तीय संभावनाओं के लिए यह समय शुभ नहीं बना हुआ हैं। माह अवधि के सितारें आपके लिए प्रतिकूल बने हुए हैं। इस अवधि में आपको सावधान रहना चाहिए। आर्थिक स्थिति पहले से कमजोर हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त आप से अधिनस्थों या श्रमिकों का शोषण हो सकता हैं। आपको अपनी के स्वभाव में बदलाव लाना होगा। वरना अत्यंत अप्रिय स्थिति पैदा हो जाएगी। आपको दृढ़ता के साथ अपनी इस प्रवृति पर अंकुश लगाना होगा। नए उदयमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए ग्रह योग शुभ नहीं बने हुए है। अतः आपको ऐसी योजनाओं को स्थगित करना चाहिए।

व्यवसायिक

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी पेशेवर उपलब्धियों के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। ललित कला में लगे व्यक्तियों को इस अवधि में अच्छघ सौदे तय करने में कामयाबी हासिल होगी। रचनात्मक उत्पादन होने से इस वर्ग को संतोष प्राप्त होगा और अपनी कला को दिखाने के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे। व्यावसायिक स्थल पर किसी बूढ़े व्यक्ति या किसी महिला सहयोगी के सहयोग से आपको अपने पेशेवर जीवन में आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं। यात्राएं भी आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होंगी। परन्तु यात्राओं में सुख का अभाव आपको हो सकता हैं। यात्रा की शुभ दिशा पश्चिम दिशा हैं। अधीनस्थों की सेवाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए समय की शुभता बनी हुई हैं।

एजुकेशन

शैक्षिक कार्यो के लिए इस माह के सितारों की स्थिति प्रतिकूल बनी हुई है। अतः यह समय आपके लिए सकारात्मक न रहने की संभावना बन रही है। माह अवधि में ज्यादातर परीक्षाओं के परिणाम उम्मीद से कुछ कम रह सकते है। माह अवधि में आपको अपने

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत के साथ साथ संघर्ष भी करना पड़ सकता हैं। इसके अतिरिक्त इस माह में यह भी संभावना बन रही है कि आपका व्यवहार नकारात्मक हो सकता है। आप निराशा भाव में आ सकते है। शिक्षकों के प्रति आत्ममुखर और हठी होना आपके शिक्षा कार्यो के लिए सही नहीं होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों को सफलता प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती है।

यात्रा

यात्राओं से लाभ प्राप्ति की संभावनाएं इस माह बहुत कम बन रही है, क्योंकि इस माह के सितारें आपके लिए अनुकूल नहीं बन रहे है। फिर भी इस समय में यदि आप यात्रा करते समय सड़क मार्ग और रेल मार्ग का प्रयोग करते है तो यात्राएं आपके लिए सकारात्मक सिद्ध हो सकती है। इस माह यह भी संभावना बन रही है कि आपको इस अवधि में घर से दूर रहना पड़ सकता है। व्यापारिक या नौकरी से संबंधित यात्राएं अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में सफल नहीं हो पायेंगी। इस समय में आप कुछ यात्राएं अपनी खुशी और परिवार के साथ करेंगे। इन यात्राओं में आनंद का अनुभव आपको नहीं हो पाएगा। इस अवधि में यात्रा करने की सबसे अनुकूल दिशा दक्षिण दिशा है।

पारिवारिक

आगामी माह में आपके परिवार की स्थिति अनुकूल ग्रह गोचर के प्रभाव से शुभ रहेगी। पिता के प्रति आपके बढ़ते स्नेह व सेवा भाव से प्रभावित होकर वे आपको तहे दिल से आशीर्वाद देंगे और उनसे आर्थिक लाभ भी होगा।

ऐसी ही सम्भावनाएं हैं कि सामाजिक रूप से आपसे निम्न स्तरीय व्यक्ति से आपको विशेष लाभ हो जो आगे चलकर आपके लिए वरदान साबित हो। अन्यथा भी आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर ही रहेगी तथा उसमें किसी न किसी प्रकार का इजाफा अवश्य होगा। परिवार में किसी आनन्ददायक मांगलिक कार्य के होने की प्रबल सम्भावना है।

बच्चे

इस माह में बच्चे बेहतर प्रदर्शन तो करेंगे ही साथ ही परिवार के सभी जनों को पूर्णतः संतुष्ट भी रखेंगे। दिए गये कार्यों को यह आवश्यकता नहीं है कि आपके निर्देशानुसार करें, अपितु अपने तरीके से कुशलता से सम्पादित करने में सफल होंगे।

सही मार्ग पर डाले जाने से सामान्य से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। अभिप्राय यह है कि दैनिक कार्यों में दिए गये समय में वे बहुत सारा कार्य करने में सफल होंगे। ऐसी भी सम्भावना है कि उनका परिवार के बुजुर्गों अथवा सहयोगियों के साथ गम्भीर मतभेद हो जाए।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

दिसम्बर 2024

स्वास्थ्य

माह अवधि में जहां तक आपके स्वास्थ्य सुख का प्रश्न है ग्रहों की शुभता आपको पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं हो रही है। कब्ज, पाचन शिकायतें, गठिया और पुरानी बीमारियां इस अवधि के दौरान समस्या पैदा कर सकती हैं। रोगों के प्रभावी होने से पूर्व आपको इस विषय में उचित और दृढ कदम उठाना पड़ सकते है। इसके अतिरिक्त माह अवधि में ठंड आदि रोगों की जांच बारीकी से कराना हितकारी रहेगा। इस संबंध में सावधानी रखना आपको उपचार से बचाएगा। समय अवधि में स्थिति आपके अनुकूल नहीं हैं। सतर्कता बरतने से स्थिति नियंत्रण में रहेगी।

फाइनेंस

इस माह के सितारों से मिलने वाले फल अनुकूल नहीं बन रहे हैं। अतः इस अवधि में प्राप्त होने वाली वित्तीय संभावनाएं भी अनुकूल नहीं रहेंगी। माह अवधि में आपमें आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता की कमी बनी हुई हैं। इस स्थिति में आप अधिकांश विषयों में मायूस हो सकते हैं। आपके पास अवसरों का अभाव हो सकता हैं। श्रमिक वर्ग और अधिनस्थ व्यक्तियों का शोषण होने के योग बन रहे हैं। गंभीर होकर आपको अपने इस स्वभाव पर अंकुश लगाना चाहिए। इससे अन्य प्रतिकूल परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।

व्यवसायिक

माह अवधि में आपके लिए सितारों की स्थिति बहुत उत्साहजनक नहीं बन रही हैं। सावधानी रखने से आप इसे अपने लाभों में बदल सकते हैं। व्यावसायिक संभावनाओं के लिए यह समय अनुकूल नहीं बन रहा हैं। इस समय में आप शीघ्र लाभ प्राप्ति के लिए कानून से बाहर जाकर कार्य करने का प्रयास कर सकते हैं। जोखिम लेकर और कानून से बाहर जाकर कार्य करना आपके लिए हितकारी नहीं रहेगा। अतः आपके मन से ऐसा कोई भी विचार हो तो उसे शीघ्र अतिशीघ्र निकाल दें। इसके अलावा आपके द्वारा आपके अधीनस्थों का शोषण हो सकता हैं। इस प्रकार की स्थिति आप दोनों के आपसी संबंधों को प्रभावित कर सकती हैं। शघ्षण करने की अपनी प्रवृत्ति पर आप समय रहते अंकुश लगाने का प्रयास करें। तथा अपने अधीनस्थों के साथ अच्छा व्यवहार करें। उनके अधिकारों के प्रति आप सतर्क भी रहें यह आपके कार्यस्थल को बेहतर माहौल प्रदान करेगा। माह अवधि में यात्राओं से भी लाभ प्राप्ति के योग नहीं बन रहे हैं। सावधानी और धैर्य दोनों बनाए रखना। इस समय में आपके लिए लाभकारी रहेगा।

एजुकेशन

इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके शिक्षा कार्यो के लिए विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रही है। इस माह अवधि में आपके लिए शैक्षिक कार्यो को करना सरल नहीं

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

होगा। अध्ययन कार्यो में आपको प्रेरणा की कमी का अनुभव हो सकता है। शैक्षिक प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए आपको अपने प्रयासों को सही दिशा में लगाना होगा। इसके अलावा किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले व्यक्तियों को अपनी सफलता सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इसके बाद ही आपके परिणाम सुखद होंगे। तथा तकनीकी छात्रों को इस माह के दौरान विशेष रुप से कठिन समय का सामना करना पड़ सकता है। समय की प्रतिकूलता में आपको शांति से और दृढ़ता के साथ कठिनाईयों का हल निकालने का प्रयास करना चाहिए।

यात्रा

यात्राओं के पक्ष से इस माह भाग्य आपका साथ नहीं दे रहा है। समय की प्रतिकूलता के कारण यात्राओं में आपको चोट, शारीरिक परेशानी या दुर्घटना की स्थिति से गुजरना पड़ सकता है। सावधानी और सतर्कता रखने से आप इस माह के जोखिमों को कम कर सकते है। इसके अतिरिक्त यात्रा करने के लिए आप रेल मार्ग या सड़क मार्ग का विशेष प्रयोग कर सकते है। इस माह में यात्राओं के लिए आपको घर से दूर रहना पड़ सकता है। व्यापार या नौकरी से संबंधित कार्यो के लिए यात्रा करने से उल्लेखनीय लाभ की प्राप्ति नहीं हो पाएगी। ग्रहों के विपरीत होने के कारण इस अवधि में अनावश्यक यात्राएं करने से बचें। यात्रा की सबसे अनुकूल दिशा दक्षिण दिशा है।

पारिवारिक

ग्रह चाल परिवार कल्याण के लिए विशेष शुभ नहीं है पारिवारिक वातावरण विशेष बेहतर व तालमेल वाला नहीं होगा । परिवार के बड़े बुजुर्गों के साथ वैचारिक मतभेद की भी सम्भावनाएं हैं। अपने आप को शांत बनाए रखें तथा विपरीत परिस्थिति में अपना धैर्य न खोएं अन्यथा तनाव की स्थिति जस की तस बनी रहेगी।

ऐसा करने से काफी हद तक आप अपने कार्यों में अशांति उत्पन्न होने की स्थिति से बच सकते हैं। व्यय के नियंत्रण से बाहर होने की जबर्दस्त सम्भावनाएं हैं। इसलिए खर्च पर अंकुश लगाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें।

बच्चे

इस माह के प्रतिकूल ग्रह गोचर के परिणामस्वरूप आपके बच्चों की उन्नति के मार्ग में कठिनाईयों के आने का अंदेशा है। ऐसी भी सम्भावना है कि आपके बच्चों को कोई चोट या अन्य परेशानी का समना करना पड़े। जोखिम का कार्य उठाने वाले छात्रों को सावधानी बरतने की आवश्यकता रहेगी।

अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को जोखिम उठाने से रोकें। अधिकतर छात्रों का प्रदर्शन सामान्य से निचले स्तर का रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने वाले छात्रों को अतिरिक्त परिश्रम करने से भी मनोनुकूल सफलता की सम्भावना कम ही रहेगी।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

वार्षिक फलादेश - 2025

वर्ष के प्रारम्भ में कुम्भस्थ शनि एकादश भाव में रहेंगे व मीनस्थ राहु द्वादश भाव में रहेंगे और 29 मार्च को शनि मीन राशि द्वादश भाव में और 30 मई को राहु कुम्भ राशि एकादश भाव में प्रवेश करेंगे। वर्ष के शुरुआत में वृष राशि का गुरु द्वितीय भाव में रहेंगे और 14 मई को मिथुन राशि तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे और अतिचारी हो कर 18 अक्टूबर को कर्क राशि चतुर्थ स्थान में गोचर करेंगे और वक्री होकर फिर से 5 दिसम्बर को मिथुन राशि तृतीय भाव में आ जाएंगे।

व्यवसाय

व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ बढ़िया रहेगा कार्य व्यवसाय में अच्छा लाभ होगा। व्यापार में बड़े भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा। कार्य कुशलता एवं दक्षता के बल पर सफलता प्राप्त करेंगे परन्तु 29 मार्च के बाद द्वादस्थ शनि के प्रभाव से आप अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने में कठिनाई का अनुभव करेंगे।

आपके कार्य क्षेत्र में गुप्त शत्रुओं द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं इसलिए बिना किसी पर विश्वास किये आप अपनी बौद्धिक शक्ति के अनुसार कार्य करते रहें। इस समय के अंतराल में कोई नया व्यापार प्रारम्भ न करें। यदि आप साझेदारी में कोई कार्य कर रहे हैं, तो 14 मई के बाद लाभ प्राप्त होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ बढ़िया रहेगा। द्वितीय स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपके धनागम में निरंतरता बनी रहेगा जिससे आप इच्छित बचत करके आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकते हैं। रत्न आभुषण इत्यादि का सुख प्राप्त होगा।

अष्टम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से पैतृक सम्पत्ति, या ससुराल से धन प्राप्त होने का योग बन रहा है। 30 मई के बाद राहु ग्रह का गोचर एकादश स्थान में हो रहा है उस समय आपको अचानक धन लाभ होगा जिससे आपको पुराने चले आ रहे ऋण इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। वर्षारम्भ में द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से परिवार में सदस्य संख्या में वृद्धि होगी। यह वृद्धि विवाह या जन्म के माध्यम से हो सकती है। आपके परिवार में एक दूसरे के प्रति

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

समर्पण की भावना होने से सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा।

भाईयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। 14 मई के बाद आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक गतिबिधियों में आप बढ़–चढ़ कर भाग लेंगे और समाजिक उत्थान के लिए कोई संस्था का संचालन भी कर सकते है।

संतान

संतान के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल है। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगा। 14 मई के बाद दूसरी संतान के लिए समय बहुत उत्तम है।

यदि आप दूसरे बच्चे की इच्छा रखते हैं। तो गर्भाधान का सुन्दर समय चल रहा है। यदि आपका दूसरा बच्चा विवाह के योग्य है तो विवाह हो जाएगा। इस समय के अंतराल में बच्चों के साथ भावानात्मक लगाव बढ़ेगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। शारीरिक ऊर्जा व कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। पूर्ण रूप से शारीरिक आरोग्यता बनी रहेगी परन्तु 29 मार्च के बाद द्वादशस्थ शनि के प्रभाव से आप छोटी–मोटी बीमारियों के कारण परेशान हो सकते हैं।

समय का सदुपयोग कर अपनी जीवनशैली को बेहतर बनाने की कोशिश करें। किसी आर्थिक मुद्दे को लेकर या किसी विरोधी के कारण दिमागी तनाव न पालें। चिड़–चिड़े न बनें अन्यथा इन सबका आपकी सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा, षष्ठ स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप प्रतियोगिता परीक्षा में सबसे आगे रहेंगे। कुछ अनुभवी व्यक्तियों से मिलकर आप अपनी कार्यशैली में सुधार करेंगे। सरकारी अफसरों और वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपको कार्यों में लाभ प्राप्त हो सकता है।

29 मार्च से समय बहुत शुभ हो रहा है। षष्ठ स्थान पर शनि एवं गुरु ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलने का प्रबल योग बन रहा है। गुरु के गोचर के बाद सफलता प्राप्ति के लिए आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

यात्रा–तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। द्वादश स्थान के राहु विदेश यात्रा के प्रबल योग बना रहे हैं। 14 मई के बाद तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपकी छोटी–मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होती रहेंगी।

यात्रा के दौरान या वाहनादि चलाते समय सावधनी बहुत जरूरी है, क्योंकि 29 मार्च के बाद शनि ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं रहेगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। ईश्वर के प्रति आपके मन में अटूट विश्वास बना रहेगा। 14 मई के बाद नवम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आप कोई विशेष पूजा–पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान आदि सम्पन्न करेंगे एवं तीर्थ यात्रा कर पुण्यार्जन भी करेंगे।

- शनिवार के दिन सुबह–सुबह पीपल के वृक्ष को जल चढ़ाएं एवं सन्ध्या के समय चौमुखी दीपक जलाएं।
- बुधवार के दिन गणेशजी को दूर्वा चढ़ाएं एवं ऊँ गं गणपतये नमः मन्त्र का पाठ करें।
- नित्य प्रति हनुमान चालीस का पाठ करें।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

जनवरी 2025

स्वास्थ्य

इस माह ग्रह, नक्षत्रों का संयोजन आपके स्वास्थ्य के मामलों के लिए बहुत अनुकूल और उत्तम फलदायक बना हुआ हैं। पहले से चले आ रहे बुखार और शीघ्र क्रोध की स्थिति तथा अचानक होने वाली बीमारियों से आपको काफी राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त सबसे पुरानी बीमारियों से राहत के शुभ संकेत बन रहे है। स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह माह बहुत अनुकूल माह होना चाहिए। इस माह के ग्रह योग के अनुसार एहतियात और सावधानी न रखने पर दुर्घटना या हिंसक चोट की स्थिति बन सकती हैं। इसलिए आप जहां तक हो सके अपनी रक्षा हेतु सावधानियां बरतें। दुर्घटना की संभावना आपके लिए आंशिक चिंता का कारण बन सकती हैं। सतर्कता बनाए रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

फाइनेंस

इस माह के सितारें आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल बनी हुई है। आध्यात्मिक स्तर और आपसे सीखने वाले किसी प्रतिभाशाली व्यक्ति के साथ जुड़ने से आपको पर्याप्त लाभ प्राप्त हो सकते है। उच्च आध्यात्मिक उपलब्धियां आपके लिए काफी संतोषजनक सिद्ध होंगी। व्यवसायिक गतिविधियों को सुचारु रुप से चलाने के लिए आपको अपना साहस उच्च रखना होगा। इस माह आप बड़ी सफलता प्राप्त करेंगे। नये उद्यमों में धन निवेश करने के लिए यह काफी अनुकूल माह है। इस प्रकार की योजनाओं को पूर्ण करने के लिए यह समय बहुत शुभ बना हुआ है।

व्यवसायिक

सितारों की संभावनाएं आपके पेशेवर उन्नति के लिए अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। अपने सहयोगियों के साथ गंभीर टकराव की स्थिति बनने की संभावना बन रही हैं। ऐसी स्थितियों को आपको हर प्रकार से रोकने का प्रयास करना चाहिए। आपके कार्य क्षेत्र के आस पास अनेक बाधाएं बनी हुई हैं। इन्हें दूर करने का आप प्रयास करें। माह अवधि में आपको अत्यधिक मेहनत करनी पड़ सकती हैं। उम्मीद के अनुसार लाभ प्राप्ति के आपके प्रयास व्यर्थ साबित हो सकते हैं। सौदे तय करने के लिए आप अनेक यात्राएं करेंगे, लेकिन आपको इनसे कोई लाभ प्राप्त नहीं हो पाएगा। पूर्व दिशा में यात्रा करना आपको मामूली लाभ दे सकता हैं।

एजुकेशन

इस माह के सितारों का संयोजन आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए बहुत अच्छा नहीं बना हुआ हैं। समय की प्रतिकूलता में आपको शीर्ष पर बने रहने के लिए स्वप्रेरित रहना होगा। प्रेरणा और मनोबल की कमी आपकी शैक्षिक प्रगति को बाधित कर सकती हैं। तथा इसके कारण आपके लिए प्रतिस्पर्धा भी बढ़ सकती हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। कोचिंग लेना आपके लिए इस समय में निर्णायक साबित हो सकता हैं। उच्च शिक्षा में अध्ययन कर रहे छात्रों को प्रगति प्राप्त करने के लिए समस्याओं की स्थिति से गुजरना पड़ सकता हैं। यह समय आपके लिए प्रतिकूल बना हुआ हैं। इस समय में शिक्षकों के प्रति गंभीर और हठी होना आपके शैक्षिक जीवन के लिए उत्तम नहीं होगा।

यात्रा

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी यात्राओं के लिए शुभ नहीं बन रही है। अतः इस अवधि में यात्रा करना आपको अनुकूल परिणाम नहीं दे पाएगा। फिर भी संकेत मिल रहे है कि आप किसी तीर्थ यात्राओं पर जा सकते हैं। धर्मस्थलों की यात्रा करने में भी सुख की स्थिति कम और असुविधा की स्थिति अधिक बनी हुई है। यह अवधि आपकी दीर्घकालीन यात्राओं के लिए बहुत अच्छी नहीं बनी हुई है। इस अवधि में आपको यात्राओं के दौरान चोट या कुछ शारीरिक परेशानी हो सकती है। सावधानी बनाए रखना हितकारी रहेगा। बहुत आवश्यक होने पर यात्रा करनी भी पड़े तो आप सुरक्षा को विशेष महत्व दें। सावधानी रखने से दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। इसके अतिरिक्त उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए देश या विदेश यात्रा करने वाले को भी कुछ अतिरिक्त सावधानी रखनी होगी।

पारिवारिक

इस माह के ग्रह गोचर के प्रतिकूल होने के चलते आपको तथा आपके परिवार को हर प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ेगा। पत्नी के साथ सम्बन्ध अच्छे होने की समस्त संभावना निरस्त हो सकती हैं यदि आपने संदेह करना बन्द नहीं किया तो। अपने आप को इस प्रकार से अनुशासित करें कि आपका वैचारिक दृष्टिकोण परिपक्व, श्रेष्ठ व खुला हो जाए।

आपमें से बहुत से लोगों का अपने भाईयों के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। धैर्य न खोएं तथा झगड़ा होने वाली स्थिति से दूर रहें। बच्चों की गतिविधियां चिन्ताजनक रहेंगी। उनकी पढ़ाई और अनुशासन में प्रतिबद्धता को बढ़ाने के लिए उनकी गतिविधियों को नियंत्रित रखें।

बच्चे

इस माह में बच्चों की उन्नति की राह कठिनाईयों भरी है। उनका व्यवहार भी उद्दण्डता वाला होगा। इनमें से कुछ की अपने सहोदर भाई बहनों से तकरार हो सकती है। परिस्थिति का विश्लेषण करके इन बच्चों के झगड़ों को निपटाएं।

पढ़ाई में इनका प्रदर्शन औसत से कम दर्जे का होगा तथा प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने वाले बच्चों को विशेष सफलता मिलने के संकेत कम हैं। उन्हें अतिरिक्त कोचिंग और कठिन परिश्रम की आवश्यकता है।उच्च शिक्षा व कानून की पढ़ाई करने वाले छात्रों को अतिरिक्त कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

फरवरी 2025

स्वास्थ्य

इस माह में बन रहे ग्रह योग आपके स्वास्थ्य के लिए आंशिक प्रसन्नता लिए हुए हैं। इस माह में आपको गठिया, पाचन तंत्र, पेट फूलना, वायु रोग जैसी अनियमितताएं और पुराने रोग की वापसी होने का खतरा आपके लिए मुश्किल स्थिति बना रहा हैं। इन रोगों की चिकित्सा हेतु आपको चिकित्सा पद्वतियों में बदलाव करना पड़ सकता हैं। इसके अलावा इस माह में आपको अपनी मांसपेशियों में ऐंठन आदि की शिकायत होने की संभावना बन रही हैं। हालांकि यह रोग अल्पकाल के लिए प्रभावी हो रहे है परन्तु फिर भी आपको इन अनियमितताओं को गंभीरता से लेना होगा। इस माह की घटनाएं आपके लिए बहुत अच्छी नहीं बन रही हैं। इसलिए एहतियात बरतना आपके लिए अनुकूल रहेगा।

फाइनेंस

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से इस माह में घटनाएं आपके लिए शुभफलदायी हो सकती है। अपने सामाजिक स्तर पर अपने अधीनस्थों सहयोगियों और आपसे निम्न स्तर के व्यक्तियों के द्वारा आपको अच्छे लाभ प्राप्त हो सकते है। इसके अलावा आपको किसी बुजुर्ग सज्जन के सहयोग से भी बढ़िया लाभ मिल सकते है। अचानक और अप्रत्याशित लाभ प्राप्त होने की संभावनाओं से भी इंकार नहीं किया जा सकता हैं। आत्मि–वश्वास के साथ आप अच्छा सौदा तय करने में सफल रहेंगे। साहस पूर्ण प्रयासों से भी धन लाभ के योग बन रहे हैं।

व्यवसायिक

इस माह अवधि में सितारों का संयोजन आपकी पेशेवर उन्नति के पक्ष से बहुत शुभ नहीं बना हुआ हैं। इस समय में अपने सहयोगियों के साथ गंभीर मतभेद उत्पन्न होने की संभावना बन रही हैं। जहां तक संभव हो आपको इसे रोकना चाहिए और धैर्य से काम लेना चहिए। अन्यथा आप कार्यक्षेत्र की बाधाएं दूर करने में सफल नहीं रहेंगे। व्यावसायिक कार्यो के लिए यात्रा करने के प्रबल योग बन रहे हैं। परन्तु इन यात्राओं का परिणाम आपके लिए सुखद होने की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। फिर भी दक्षिण दिशा की यात्रा करना आपके लिए आंशिक रुप से शुभ रहेगा। कड़ी मेहनत और जोखिम पूर्ण क्षेत्रों से स्वयं को दूर रख आप इस विपरीत परिस्थिति को अनुकूल करने में सफल हो सकते हैं। साथ ही इस समय में आप अत्यधिक साहस करने से बचें।

एजुकेशन

माह अवधि के ग्रहों की स्थिति आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए विशेष रुप से अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। समय की प्रतिकूलता में आपका शिक्षकों के प्रति हठी व्यवहार सही नहीं रहेगा। आपको अपने इस स्वभाव को बदलने का प्रयास करना चाहिए। शिक्षा क्षेत्र में शीर्ष

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

पर बने रहने के लिए आपको प्रेरणा की कमी का अनुभव हो सकता हैं। प्रेरणा की कमी से आप प्रयास करने के बाद भी प्रतिस्पर्धा में पीछे रह सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सफलता सुनिश्चित करने के लिए विशेष कोचिंग लेनी होगी।

यात्रा

इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए शुभ फलदायी नहीं बन रही है। इसलिए इस समय में आपको यात्राएं करने से बचना चाहिए। समय में शुभता की कमी के कारण इस अवधि में आपको यात्राओं के दौरान चोट या शारीरिक परेशानी होने की संभावना बन रही है। इसलिए यात्रा अवधि में जोखिम कम से कम लेना और सावधानी रखना आपके लिए हितकारी रहेगा। नौकरी या व्यवासाय के लिए यदि इस माह में आपको यात्रा करनी भी पड़े तो आप सावधानी और पूर्वनियोजन करने के बाद ही यात्राओं का निर्णय लें। यात्राओं से जुड़े उद्देश्य प्राप्ति के योग आंशिक रुप से ही बन रहे है। इसके अलावा प्रसन्नता, खुशी और परिवार के साथ की गई यात्राओं में भी सुख और प्रेरणा की कमी बनी हुई है। बहुत आवश्यक होने पर आप पूर्व दिशा की यात्रा कर सकते हैं। इस दिशा में की गई यात्राएं कुछ शुभ फल दे सकती है।

पारिवारिक

ग्रह गोचर के प्रतिकूल होने से परिवार का वातावरण कुप्रभावित होगा। संदेह करने की आदत पर नियंत्रण रखें। अन्यथा पत्नी के साथ सम्बन्धों में कड़वाहट बनी रहेगी। सहनशील बनें तथा अपने विचार परिपक्व, श्रेष्ठ व खुले रखें।

भाईयों के साथ मतभेद होने की सम्भावनाएं हैं। इसलिए विषम परिस्थितियों में धैर्य से काम लें तथा स्थिति को बिगड़ने न दें। बच्चे आपकी चिन्ता को बढ़ाएंगे और अपनी पढ़ाई पर कम ध्यान देंगे। इसलिए उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें।

बच्चे

यदि आप अपने बच्चों को सही तरीके से नियंत्रण में लाने का प्रयास करेंगे तो वे बेहतर प्रदर्शन करेंगे। बच्चों के साथ समस्याएं अतिरिक्त ध्यान देने से सुलझ जाएंगी और विशेष रूप से उन्हें अनुशासित करने की दृष्टि से ध्यान देने का प्रयास करना होगा।

उनकी उन्नति के मामले की किस्मत किसी पेंच में अटक सकती हैं। इसलिए शुभ परिणाम प्राप्ति हेतु अतिरिक्त शक्ति लगाने की आवश्यकता पड़ेगी। इनमें से अधिकतर बच्चे अन्तर्मुखी हो सकते हैं तथा कई बार उदण्ड व जिद्दी होकर आपकी आज्ञाओं का उल्लंघन भी कर सकते हैं। परन्तु बच्चों की प्रशंसा करने से तथा उनकी मानसिक स्थिति को समझने से उनका सही मार्गदर्शन हो सकता है, जिसके प्रभाव से वे अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए कठिन परिश्रम करने हेतु उद्यत हो जाएंगे।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

मार्च 2025

स्वास्थ्य

इस माह के सितारों का संयोजन आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत ज्यादा अनुकूल नहीं बना हुआ हैं। इस माह आपको सामान्य दुर्बलता का अनुभव हो सकता हैं। तथा इस माह आपके तंत्रिका विकार प्रभावी हो सकते हैं। अत्यधिक परिश्रम करने से थकावट होकर आपके स्वास्थ्य सुख में कमी होगी। अपनी स्वस्थता बनाए रखने के लिए आपको आवश्यक आराम करना चाहिए। अपने शारीरिक तंत्र पर अनुचित दबाव डालने से बचना चाहिए। अपने कायी से संबंधित गतिधियों का एक कार्यक्रम तैयार कर, कठोरता से इसका पालन कर आप स्थिति को बेहतर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इस माह आपकी मांसपेशियों में घ्ंठन हो सकती हैं। रोगों का शीघ्रता से ईलाज कराना आपके लिए हितकारी रहेगा।

फाइनेंस

वित्तीय उन्नति के पक्ष से इस माह के सितारों का संयोजन आपके बहुत अनुकूल नहीं बन रहा है। यदि आप विशेष ध्यान नहीं रखते है तो आपकी आर्थिक स्थिति में कमी भी हो सकती है। अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए आपके अधीनस्थ, सहयोगी और आपके नीचे कार्य करने वाले व्यक्तियों का आपके द्वारा शोषण हो सकता है। इस विषय में आपको गंभीरता से सोचना होगा। माह अवधि की स्थिति आपके लिए प्रतिकूल बनी हुई है। इसलिए इस समय में आपका सतर्क रहना हितकारी रहेगा। माह अवधि में कोई अप्रिय स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए भी समय की प्रतिकूलता बनी हुई है। यदि ऐसी किसी योजना का विचार आपके मन में चल रहा है तो ऐसी योजनाओं को स्थगित करना ही लाभकारी रहेगा।

व्यवसायिक

आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारें शुभ स्थिति नहीं बना रहे हैं। अतः यह माह आपके लिए विशेष रुप से उपयोगी नहीं रहेगा। माह अवधि में आपके अपने सहयोगियों के साथ गंभीर मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। आपको ऐसी परिस्थितियों को होने से रोकने के प्रयास करने चाहिए। जहां तक संभव हो आप अपने ओर से प्रयास करें। अन्यथा मुश्किल समय में उद्देश्य प्राप्ति की उम्मीद आपके लिए कठिन हो सकती हैं। लाभ प्राप्ति के लिए की गई यात्राएं आपके लिए व्यर्थ सिद्ध हो सकती हैं। शीघ्र लाभ प्राप्ति के लिए आप कानून के बाहर जाकर काम करने का प्रयास कर सकते हैं। इस प्रकार का कार्य आपके लिए सही नहीं रहेगा। इस तरह की प्रवृत्तियों का आपको मजबूती से विरोध करना चाहिए। अन्यथा आपके लिए इसके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं।

एजुकेशन

माह अवधि में जहां तक आपकी शैक्षिक संभावनाओं का सवाल है, इस माह के

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए बहुत उत्साहवर्धक नहीं बन रही हैं। शैक्षिक क्षेत्र में शीर्ष पर बने रहने के लिए आपमें प्रेरणा की कमी होगी। माह अवधि में प्रेरणा और मनोबल दोनों को आपको उच्च रखना होगा। यह आपको प्रयास करने के बावजूद प्रतिस्पर्धा में सफलता के निर्णयों से दूर लेकर जाएगी। किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को विशेष कोचिंग लेनी होगी। कोचिंग से सफलता प्राप्ति के संयोग बढ़ जाएंगे। इसके अतिरिक्त इस अवधि में आपका अपने शिक्षकों और वरिष्ठ नागरिकों के प्रति स्वभाव हठी हो सकता हैं। आपको अपने इस स्वभाव को बदलना चाहिए।

यात्रा

यह माह यात्राओं के माध्यम से लाभ प्राप्ति के सुखद योग बना रहा है, क्योंकि इस माह के सितारें आपके लिए अनुकूल योग बना रहे हैं। माह अवधि की शुभता आपको पवित्र स्थानों और तीर्थ स्थानों के यात्रा करने के शुभ अवसर दे सकती है। समय की अनुकूलता आपको साहसिक यात्राएं करा सकती है। इसके अतिरिक्त साहसिक उपक्रमों में कार्य करने वाले व्यक्तियों को विशेष रुप से यात्रा कर लाभ उठाने चाहिए। व्यवसाय या नौकरी दोनों प्रकार के कायी की यात्राओं में सफलता के योग प्रबल बने हुए हैं। यह यात्राएं आप रेल या सड़क मार्ग से करें। व्यवसायिक यात्राओं में सफलता लगभग निश्चित बनी हुई है। यात्रा की सबसे शुभ दिशा पूर्व दिशा है।

पारिवारिक

ग्रह योग के अनुसार पारिवारिक कल्याण की सम्भावनाएं अल्प हैं। अपने भाईयों के साथ मतभेद की सम्भावनाओं को कम करने के लिए धैर्य व शान्तिपूर्वक विषम परिस्थियों का सामना करना होगा।

पत्नी के साथ सम्बन्धों की स्थिति को बेहतर करने के लिए शक न करें अन्यथा बेहतरी की समस्त सम्भावनाएं निरस्त हो जाएंगी। बच्चे भी शत्रुवत् व्यवहार करेंगे। उनका शिक्षा के क्षेत्र में प्रदर्शन भी निम्न स्तर का रहेगा। अतः उन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

बच्चे

इस माह के ग्रह गोचर के कुप्रभाव से बच्चों की उन्नति की अपेक्षा करना व्यर्थ होगा। उनका व्यवहार संतोषजनक नहीं होगा। उद्दण्ड किस्म के बच्चों का अपने भाईयों से झगड़ा हो सकता है। अभिभावकों को उन्हें संभालने की आवश्यकता है।

ये बच्चे अध्ययन कार्य में भी कुछ विशेष नहीं कर सकेंगे तथा प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने वाले बच्चे भी बिना कोचिंग के सफल नहीं हो सकेंगे। कुछ एक बच्चों की कार्य प्रणाली बेहतर परिणाम भी ला सकती है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

अप्रैल 2025

स्वास्थ्य

ग्रहों की स्थिति इस माह आपके लिए सुखद और अनुकूल नहीं बन रही हैं। अतः ऐसे में सितारों का सहयोग मिलना आपके लिए कठिन होगा। इस माह अवधि में आपको सर्दी और सर्दी से होने वाले रोग होने से परेशानियां बढ सकती हैं। इसके अतिरिक्त इस अवधि में आपको इस प्रकार से होने वाले रोगों से विशेष बचाव के प्रयास करने होंगे। इस अवधि विशेष में छाती की पुरानी बीमारियां भी आपकी परेशानियों का कारण बन सकती हैं। सावधानी रखना हितकारी रहेगा। सर्दी, खांसी जैसे रोगों की गंभीरता से जांच कर इनकी जटिलताओं का समूल निवारण करना होगा। इसके अतिरिक्त इस अवधि विशेष में आपको मांसपेशियों में घ्ंठन आदि की परेशानी हो सकती हैं। इस स्थिति में तुरंत ईलाज कराना आपके लिए हितकारी रहेगा। माह अवधि में बन रही ग्रह स्थिति के अनुसार आपको अपने स्वास्थ्य के बारे में सावधान रहना चाहिए।

फाइनेंस

वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों का संयोजन शुभ नहीं बना हुआ है। इस माह के आपके प्रयासों में आत्मविश्वास की कमी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त आपमें पहल करने की क्षमता भी इस माह काम ही रहेगी। यह आपकी योग्यता को प्रभावित करेगा। प्रतिकूल परिस्थितियों में प्रयास करते रहने के अतिरिक्त आपके पास अन्य कोई विकल्प नहीं होगा। नवीन क्षेत्र में निवेश करने के लिए भी समय बहुत अनुकूल नहीं बना हुआ है। इस प्रकार की कोई योजना हो तो उसे इस समय में स्थगित करना ही उत्तम रहेगा।

व्यवसायिक

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बनी हुई हैं। आपके और आपके सहयोगियों के मध्य गंभीर दरार होने की एक अलग संभावना बन रही हैं। आपको ऐसी स्थिति को रोकने का प्रयास करना चाहिए। अन्यथा यह आपके लिए अप्रिय स्थिति बना सकता हैं। विपरीत समय में उद्देश्य प्राप्ति आपके लिए कठिन कार्य होगा। संभावना बन रही है कि आप अपने प्रयासों से अपने उद्देश्यों को पूर्ण रुप से प्राप्त करने में सफल नहीं हो पायेंगे। आपमें असंतोष की स्थिति प्रभावी हो सकती हैं। साहसिक कार्यो में आपको लाभ प्राप्तियां मनोकूल प्राप्त नहीं हो पायेंगी। जोखिम पूर्ण क्षेत्रों में कार्य करने से बचें। तथा ऐसे उदयमों में व्यर्थ के साहस भाव को नियंत्रित करें। यह आपके लिए नुकसान का कारण हो सकता हैं।

एजुकेशन

इस माह की शैक्षिक संभावनाओं के लिए सितारों की स्थिति बहुत सकारात्मक नहीं

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

बन रही हैं। उच्च शिक्षा क्षेत्र में आपको अध्ययन करते समय अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इससे आपकी शैक्षिक प्रगति में विलम्ब होगा। साथ ही इस अवधि में आपको शीर्ष स्कोर प्राप्त करने के लिए प्रेरणा की कमी का अनुभव हो सकता हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले लोगों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। कोचिंग लेना आपके लिए लाभकारी रहेगा। तथा समय के विपरीत होने से शिक्षकों के साथ आपका व्यवहार हठी हो सकता हैं। आपको अपने इस स्वभाव में परिवर्तन लाने के प्रयास करने चाहिए।

यात्रा

इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए अनुकूल बन रही है, अतः यह समय आपकी यात्राओं के लिए लाभकारी रहेगा। माह अवधि में आप तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। माह अवधि में आपकी यात्राओं में साहस की भावना कुछ अधिक बनी हुई है। इसके अलावा उच्च शिक्षा या प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए विदेश या दूर देश के स्थानों की यात्रा करने के लिए समय की शुभता बनी हुई है। यात्राओं के माध्यम से आप अपने आने वाले भविष्य को पहले से बेहतर कर सकते है। यात्रा की सबसे अनुकूल दिशा पूर्व दिशा बन रही है।

पारिवारिक

इस माह के ग्रह गोचर के परिणामस्वरूप परिवार की उन्नति की दृष्टि से कुछ भी लाभदायक नहीं रहेगा। भाईयों से वैचारिक मतभेद होंगे जिससे अत्यन्त कड़वाहट वाली स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। संवेदनशील स्थिति को पनपने न दें।

पत्नी के साथ सम्बन्धों में शक के चलते कड़वाहट की स्थिति बनेगी। अतः अपने विचारों को खुला रखें तथा बच्चों की गतिविधियों से गम्भीर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो जाने पर धैर्य न खोएं अपितु स्वयं को और बच्चों को अनुशासित करने के लिए समय और ऊर्जा का प्रयोग करें तथा बच्चों की गतिविधियों को नियंत्रित करके उन्हें पढ़ाई की ओर आकर्षित करें।

बच्चे

इस माह में अभिभावकों को अपने बच्चों की समस्याओं को सुधारने में कुछ सहायता अवश्यक करनी होगी। कुछ बच्चों को अपने शिक्षकों के साथ गम्भीर कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है, जिसका कुप्रभाव उनकी पढ़ाई पर पड़ेगा। अतः मां बाप को बीच में पड़कर वस्तु स्थिति को समझकर समस्या का समाधान खोजना होगा।

इस माह में उनका पढ़ाई में प्रदर्शन कुछ विशेष नहीं होगा। बहुत से बच्चों को सहायता व उत्साहवर्धन की आवश्यकता रहेगी। कानून की पढ़ाई करने वाली या अन्य उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को विशेष कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। परन्तु उन्हें चाहिए कि वे हार न मानें।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

मई 2025

स्वास्थ्य

आने वाले माह के दौरान बन रही ग्रह स्थिति आपके लिए बहुत उत्साहजनक नहीं रहेगी। इसलिए यह माह स्वास्थ्य के पक्ष से बहुत शुभ नहीं हैं। आपको बुखार, सूजन या शीघ्र होने वाली अन्य गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ सकता हैं। यह माह आपके लिए परेशानियों भरा हो सकता हैं। किसी रोग के प्रभावी होने पर उपचार में किसी भी तरह की लापरवाही या एहतियात उपायों में देरी आपके स्वास्थ्य के लिए गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती हैं। सिर से संबंधित रोग होने की संभावना बन रही हैं। समय रहते उपचार कराने से स्वास्थ्य हानि अधिक नहीं होगी। एहतियात के रूप में आप अपने सिर के लिए किसी टॉनिक का प्रयोग कर सकते हैं।

फाइनेंस

वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत उपयोगी न होने की संभावना बन रही हैं। इस अवधि में आपमें आत्मविश्वास और साहस की कमी बन रही है। सर्वप्रथम आपको अपनी इन कमियों को दूर करना होगा। आने वाले समय में आपको अपने इन सभी प्रयासों के फलस्वरुप सफलता प्राप्त होगी। इसके अलावा इस समय में परिस्थितियां आपके लिए बहुत मददगार साबित नहीं होगीं। इस अवधि में आपके प्रयासों में देरी आपकी सफलताओं में बाधक बन सकती है। संक्षेप में, इस समय की परिस्थितियां आपके लिए नकारात्मक बनी हुई है। इसके अलावा इस समय में नवीन उद्यमों में निवेश करने के लिए समय सौहार्दपूर्ण नहीं बना हुआ है। इससे संबंधित यदि आपके पास कोई योजना है तो आप को इन्हें स्थगित करना चाहिए। इससे आप भविष्य के जोखिमों से बचें रहेंगे।

व्यवसायिक

माह अवधि में व्यावसायिक संभावनाओं के लिए ग्रह स्थिति बहुत अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। इस अवधि में सौदे तय करने हेतु यात्रा करने की संभावनाएं बन रही हैं। इन यात्राओं से लाभ प्राप्ति के योग बहुत कम बन रहे हैं। फिर भी यदि इस अवधि में आपको यात्रा करनी पड़े तो आप पूर्व दिशा की यात्रा करें। यह दिशा इस माह में आपके लिए शुभ दिशा बन रही हैं। अपनी कार्य शैली में आपको परिवर्तन करने का सोचना चाहिए। क्योंकि इस समय में जोखिम पूर्ण क्षेत्रों में कार्य करना आपके लिए हानि का सूचक हो सकता हैं। व्यर्थ के जोखिमों से दूरी बनाकर रखें। कड़ी मेहनत करने के बावजूद आपके कुछ सौदे तय नहीं हो पायेंगे। समय के विपरीत होने पर आप धैर्य से काम लें। इसके अतिरिक्त सहयोगियों के साथ गंभीर संघर्ष की संभावना बन रही हैं। शांत चित्त व्यवहार बनाए रख आप ऐसी अप्रिय स्थितियों से बच सकते हैं।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

एजुकेशन

इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। अतः इस माह आपके अपनी शैक्षिक संभावनाओं को लेकर चिंतित रहने की संभावनाएं बन रही हैं। तकनीकी छात्रों के लिए अपनी सामान्य स्कूल रेकिंग बनाए रखना कठिन कार्य होगा। स्थिति को सामान्य बनाए रखने के लिए भी आपको प्रेरणा की कमी का अनुभव हो सकता हैं। इसके अतिरिक्त आपको अपने मनोबल को उच्च रखना होगा। तथा धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ अध्ययन करना होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले व्यक्तियों को सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। ऐसा न करने पर आपको असफलता का सामना करना पड़ सकता हैं। माह अवधि में अपने उद्देश्य प्राप्ति के लिए अपने प्रयासों पर दृढ़ रहें।

यात्रा

यात्रा विषयों के लिए यह माह उत्कृष्ट बना हुआ है , क्योंकि इस माह के सितारें आपकी यात्राओं की बाधाओं का समाधान कर रहे हैं। अपने व्यापारिक कायी या नौकरी के दायित्वों को पूरा करने के लिए कुछ यात्राएं करनी पड़ सकती है। यात्राओं से अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए मुख्य रुप से सड़क मार्ग या रेल मार्ग का प्रयोग करना लाभकारी रहेगा। यात्राओं से आपको बड़े सौदे तय करने में सहयोग मिल सकता है। माह अवधि में जरुरी कार्य पूर्ण करने के लिए आपका यात्रा करना लाभदायक रहेगा। यात्राएं आपको प्रसन्नता देगी और इसके फलस्वरुप लाभ प्राप्ति के नये अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

पारिवारिक

इस माह आपके परिवार को कुछ कठिनाईयों से गुजरना पड़ सकता है। क्योंकि ग्रह गोचर प्रतिकूल है। आपमें से कुछ लोगों के अपने भाईयों के साथ सम्बन्धों में खराबी आएगी। जिसके कारण परिवार का वातावरण बेहद गम्भीर हो सकता है। धैर्य बनाए रखें और संवेदनशील स्थिति में उत्तेजित होने की अपेक्षा शान्ति से काम लें।

इसके अतिरिक्त अकारण ही शक का शिकार होने से बचें। अन्यथा आपके अपनी पत्नी के साथ सम्बन्धों में अत्यधिक तनाव उत्पन्न हो सकता है। बच्चे भी विशेष रूप से सहायक नहीं रहेंगे। आपको उनकी तरफ विशेष ध्यान देना होगा तथा उनकी गतिविधियों की कड़ी निगरानी करनी होगी।

बच्चे

इस माह के ग्रह गोचर के अनुसार अभिभावकों को अपने बच्चों पर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है। चोट आदि लगने का भय है।

विशेष तौर पर उन बच्चों का अतिरिक्त ध्यान रखना होगा जो साहसिक गतिविधियों तथा खेल–कूद में जोखिम उठाते हैं। उन्हें ऐसा करने से रोका जाए। अधिकतर बच्चे असाधारण

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

तरीके से व्यवहार कर सकते हैं तथा भाई बन्धुओं के साथ व्यर्थ में झगड़ा भी कर सकते हैं। अभिभावकों को चाहिए कि उनका अच्छे से ध्यान रखें।

DUASTRO

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

जून 2025

स्वास्थ्य

इस माह के सितारों का संयोजन आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत शुभदायक बनी हुई हैं। स्वास्थ्य के पक्ष से यह समय बहुत उत्तम बना हुआ हैं। गठिया, पेट फूलना, वायु रोग एवं पाचन तंत्र की शिकायतें जैसे पुराने रोगों में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी के न होने से आपको काफी राहत मिलेगी। यह माह स्वास्थ्य के लिए अनुकूल रहेगा। खांसी रोग प्रभावी हो सकता हैं। ऐसी जटिलताओं की गंभीरता से जांच कराते रहना होगा। अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता आपको गंभीर रोगों से बचाएगी। किसी भी प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्या इस महीने आने की संभावना नहीं बन रही हैं। ग्रहों की स्थिति को देखते हुए इस माह में स्वास्थ्य चिंता का अन्य कोई कारण नहीं बन रहा हैं।

फाइनेंस

वित्तीय संभावनाओं के लिये इस माह में आपके लिए बहुत उत्साहवर्धक स्थिति नहीं बन रही है। आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता की कमी का नुकसान आपको भरना पड़ सकता है। इस माह में आपकी सफलता के मार्ग बाधित रहेंगे। फिर भी आपको स्थिर रहकर प्रयास करते रहना होगा। वित्तीय विषयों में उन्नति के अवसरों की कमी बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त इस अवधि में नये उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रह स्थिति बहुत सौहार्दपूर्ण नहीं बनी हुई है। आपके पास यदि इस प्रकार की कोई योजना है तो इस पर कार्य शुरु करना आपके लिए सही नहीं होगा। ऐसी योजनाओं को स्थगित करना ही उत्तम रहेगा। इस अवधि विशेष में आपके लिए अनेक विपरीत परिस्थितियां बनी हुई हैं। इसलिए इस समय में यदि आपको थोड़ी सफलता के साथ भी काम करना पड़े तो पीछे न हटे।

व्यवसायिक

सितारों की स्थिति इस माह आपके लिए शुभ फलदायक नहीं बनी हुई हैं। अतः यह माह आपके पेशेवर जीवन के लिए बहुत उत्तम नहीं बन रहा हैं। इस माह में आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए काफी कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती हैं। फिर भी उद्देश्य प्राप्ति की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। पर्याप्त उत्साह और साहस होने के बावजूद आपके नीचे कार्य करने वाले अधीनस्थ और सहयोगी आपको सहयोग नहीं करेंगे। इस समय में आपका स्थान परिवर्तन हो सकता हैं। प्रयास करने पर भी अनुकूल सफलता प्राप्त न कर पाना आपको काफी असंतुष्टी देगा। दक्षिण दिशा की यात्रा करना आपके लिए इस माह में फायदेमंद साबित हो सकता हैं। माह अवधि में अनेक यात्राएं किए जाने के योग बन रहे हैं। परन्तु यह यात्राएं आपको लाभ नहीं दे पायेंगी। प्रतिकूल अवधि में शुभ फल प्राप्त न होने के कारण आप इस माह में निराशा भाव में आ सकते हैं।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

एजुकेशन

शैक्षिक गतिविधियों के लिए यह एक उत्कृष्ट माह बना हुआ हैं। इस माह में आपको कुछ उल्लेखनीय सफलता की प्राप्ति हो सकती हैं। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले व्यक्तियों को माह अवधि की शुभता का फायदा होगा। ऐसे व्यक्तियों को आत्मविश्वास को उच्च रखना होगा और प्रेरणा भाव को बनाए रखना होगा। इससे यह वर्ग अपनी सफलता पर भरोसा कर सकता है। तकनीकी छात्रों, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स विशेष रूप से चिकित्सा सजरी का अध्ययन कर रहे छात्रों को मनोकूल सफलता की प्राप्ति की संभावनाएं बन रही हैं। तथा नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कलाओं के छात्रों के लिए माह स्थिति उत्तम बनी हुई हैं। अपने मनोबल को उच्च रखने से समय की शुभता का आप लाभ उठा सकते हैं।

यात्रा

इस माह के सितारों के योग आपकी यात्राओं के पक्ष से काफी सहयोगी बने हुए है। व्यवसाय उद्देश्यों को साकार करने में यात्राएं आपके लिए बहुत मददगार साबित नहीं हो पायेंगी। लेकिन समय के प्रतिकूल होने के कारण आपकी कुछ यात्राएं व्यर्थ और अनावश्यक सिद्ध हो सकती है। माह अवधि में शुभता की कमी के कारण यात्राएं आपके लिए शारीरिक परेशानियां दे सकती है। इस समय में आपको कम से कम जोखिम लेने चाहिए। किसी विशेष कार्य के लिए यात्रा करनी भी पड़े तो आपको सड़क और रेल मार्ग का प्रयोग आप कर सकते है। समय की प्रतिकूलता में कमी करने के लिए आप पूर्व दिशा का प्रयोग करें। इस दिशा में यात्रा करना आंशिक रुप से लाभकारी रहेगा।

पारिवारिक

ग्रह गोचर की आपके ऊपर कृपा भरी दृष्टि के चलते पारिवारिक उन्नति तय है। परिवार के सभी सदस्यों के साथ तालमेल बना रहेगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्य के होने से उत्साह व प्रसन्नता का वातारण बनेगा। अन्यथा भी परिवार में प्रेम व प्रसन्नता में किसी प्रकार की कमी होने के प्रमाण नहीं हैं।

आपमें से कुछ लोगों को भाईयों से लाभ के भी संकेत हैं और इस माह में इस प्रकार का लाभ सर्वप्रकारेण सर्वाधिक होगा। आर्थिक रूप से भी श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त होंगे तथा परिवार की कुल आय में बढ़ोत्तरी होगी।

बच्चे

बच्चों के लिए अनुकूल ग्रह गोचर के चलते यह माह विशेष लाभकारी है। कुछ समस्याएं रहेंगी लेकिन इसके बावजूद भी वे काफी बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

बच्चे हो सकता है कि अधिक आज्ञाकारी व अनुशासित न रहें परन्तु फिर भी वे इस

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

दिशा में प्रयास अवश्य ही करेंगे। अभिभावकों को हर प्रकार की परिस्थिति को पहचानने की पारखी नजर रखनी होगी। बच्चों को चोट आदि से बचाएं।

DUASTRO

जुलाई 2025

स्वास्थ्य

आपके स्वास्थ्य के लिए इस माह अच्छे संकेत नहीं बन रहे हैं। ग्रह संयोजन आपके प्रतिकूल बना हुआ हैं। अधिक परिश्रम और थकावट के कारण आपको सामान्य दुर्बलता का अनुभव होगा। इसके अतिरिक्त तंत्रिका विकार की समस्या भी आपको हो सकती हैं। आपको रोगों से अपना बचाव स्वयं करना चाहिए। अनावश्यक रूप से अपने शरीर पर अत्यधिक तनाव लेना आपके स्वास्थ्य सुख के लिए उत्तम नहीं रहेगा। इससे बचने के लिए आप अपने कार्यो की एक सूची तैयार कर, कार्य करें। समय सारणी का प्रयोग भी आपके लिए हितकारी रहेगा। आपको अपने कार्य सारणी का सख्ती से पालन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त यदि गठिया जैसी पुरानी बीमारियों के आप रोगी है तो स्थिति आपके लिए बदत्तर हो सकती हैं। स्वयं की अधिक से अधिक देखभाल करने से ईलाज की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। अपना ख्याल रखना, परेशानियों से बचाएगा।

फाइनेंस

इस माह में बन रही ग्रहों की स्थिति आर्थिक पक्ष से आपको शुभता प्रदान नहीं कर रही हैं। अतः इस अवधि में आप स्वयं में आत्मविश्वास की कमी और पहल क्षमता को दूर करने का प्रयास करें। इसका प्रभाव आपकी योग्यता पर पड़ रहा है। यह प्रतिकूल समय है इसमें आप स्थिर होकर प्रयासरत रहें। नवीन उद्यमों में निवेश करने के लिए सितारों का योग बहुत सौहार्दपूर्ण नहीं बन रहा है। इस प्रकार की योजनाओं को आने वाले अनुकूल अवधि के लिए स्थगित कर देना ही हितकारी रहेगा। इसके अलावा लेखकों, कवियों और कला जगत के अन्य व्यक्तियों की दूरदर्शिता से आपको मदद मिल सकती है। ऐसे व्यक्तियों के लिए भी स्थिति सुखमय बनी हुई है।

व्यवसायिक

आपके पेशेवर जीवन के लिए इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत शुभ नहीं बनी हुई हैं। यात्रा के माध्यम से आप कोई बड़ा सौदा तय करने का प्रयास करेंगे। परन्तु यात्राओं से लाभ प्राप्ति के योग बहुत कम बन रहे हैं। फिर भी माह अवधि में पश्चिम दिशा में यात्रा कर आप कुछ मामूली लाभ कमा सकते हैं। आप चाहे व्यवसाय में हो या सेवा क्षेत्र में आपका अपने सहयोगियों के साथ गंभीर संघर्ष उत्पन्न हो सकता हैं। आपको ऐसी घटनाओं से बचाव करना होगा। आपके कार्य क्षेत्र के आसपास बाधाएं बनी हुई हैं। अतः इस समय में आप धैर्य से काम लें। जोखिम और अत्यधिक साहसपूर्ण क्षेत्रों में कार्य करना आपके लिए इस समय में सही नहीं होगा। जहां तक हो सकें ऐसे क्षेत्रों में कार्य कर लाभ प्राप्त करने के प्रयासों से बचें। माह अवधि में आप कड़ी मेहनत करेंगे, लेकिन परिस्थितियां आपके अनुकूल नहीं होंगी। इससे योजना अनुसार उद्देश्यों को प्राप्त करने के आपके प्रयास विफल हो जायेंगे। फिर भी आप

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

इस समय में धैर्य बनाए रखें।

एजुकेशन

शैक्षिक संभावनाओं के लिए यह एक फायदेमंद माह बना हुआ हैं। इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए शुभ फलदायी बनी हुई हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा के छात्र, विशेष रूप से सजरी के क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को समय की शुभता का लाभ प्राप्त होगा। वास्तव में यह माह कौशल और निपुणता का प्रयोग करते हुए, अपने प्रयासों के द्वारा उल्लेखनीय सफलता प्राप्ति के योग बना रहा हैं। भाषा, साहित्य पत्रकारिता, और जन–संचार जैसे अन्य क्षेत्रों में शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए समय की स्थिति सुखद बनी हुई हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले लोगों के लिए स्थिति बेहद फायदेमंद बनी हुई हैं।

यात्रा

यात्राएं करने के लिए इस माह के ग्रहों की स्थिति आपके लिए सुखद नहीं बनी रही है। अतः इस माह की यात्राएं आपके लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बन रही हैं। यात्राओं के लिए यह माह उपयोगी नहीं बना हुआ है। इस अवधि में नौकरी या व्यवसाय के सिलसिले में आपको कम से कम यात्राएं करनी चाहिए। अत्यधिक प्रयास करने पर भी इस अवधि में आप अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में पूरी तरह से सफल नहीं हो पायेंगे। बहुत आवश्यक होने पर आप यात्रा करने करने के लिए रेल मार्ग या सड़क मार्ग का प्रयोग कर सकते है। माह अवधि की प्रतिकूल परिस्थितियों में कमी करने के लिए आप जहां तक हो सके अनावश्यक यात्राओं को स्थगित करें, क्योंकि इस अवधि की यात्राओं में आपको चोट या शारीरिक परेशानी होने की संभावना बन रही हैं। इस समय में कम से कम जोखिम लेना आपके लिए हितकारी रहेगा।

पारिवारिक

इस माह भी परिवार का वातावरण प्रतिकूल ही रहेगा। भाईयों के साथ अनवन होगी जिससे पारिवारिक वातावरण में कटुता आएगी। अतः शान्ति भंग होने की स्थिति में धैर्य से काम लें।

इसके अतिरिक्त अकारण ही व्यर्थ का संदेह न करें अन्यथा पत्नी के साथ अलगाव हो सकता है। अपने आप को पूर्णतः अनुशासित रखें। बच्चों के व्यवहार को सुधारना होगा अन्यथा वे भी शत्रुवत व्यवहार करेंगे। अपने समय और ऊर्जा का उपयोग बच्चों की गतिविधियों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए भी करना होगा।

बच्चे

इस माह के अनुकूल ग्रह गोचर के चलते आपके बच्चे कुछ असाधारण प्रदर्शन कर

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

सकते हैं। अधिकतर बच्चे अनुशासन में नहीं रहेंगे। परन्तु उनका प्रदर्शन औसत से नीचे नहीं गिरेगा। बहुत से बच्चे नेतृत्व क्षमता सम्पन्न होने लगेंगे।

जीवन के उत्तरार्द्ध को उज्ज्वल बनाने के लिए ये बच्चे अवश्य ही अच्छी नींव डालेंगे। अधिकतर बच्चे मां बाप के लिए थोड़ी बहुत चिन्ताएं भी उत्पन्न कर सकते हैं परन्तु बुद्धिमत्ता पूर्वक मार्गदर्शन करने से ये बच्चे आगे चलकर कुछ असाधारण कार्य करने की क्षमताओं से सम्पन्न हो सकेंगे।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

अगस्त 2025

स्वास्थ्य

इस माह के ग्रह योगों का सूक्ष्मता से विचार करने पर सितारों की स्थिति आपके स्वास्थ्य सुख के लिए बेहतर परिणामदायक नहीं बन रही हैं। आपके पाचन अंगों में सरलता से विकार आ सकते हैं। जिससे आपको शारीरिक रोग शीघ्र हो सकते हैं। इस प्रकार की कठिनाईयों से बचने के लिए आपको अत्यधिक देखभाल, सावधानियों और ईलाज की आवश्यकता हो सकती हैं। शारीरिक अंगों के संवेदनशील हो जाने के कारण आपको खांसी, जुकाम और कफ आदि रोग जल्द हो सकते हैं। वास्तव में यह माह आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत सतर्कता का माह रहेगा। इस माह में आपको अपने स्वास्थ्य का अधिक से अधिक ध्यान रखना होगा।

फाइनेंस

इस माह की वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से स्थिति बहुत अनुकूल नहीं बन रही है। यह स्थिति आपको आर्थिक पक्ष से चिंतित कर रही हैं। इस समय में आपमें आत्मविश्वास और पहल करने की योग्यता कम रहेगी। इसके कारण आपको सफलता में बाधा का सामना करना पड़ सकता है। इस अवधि की परिस्थितियां आपके लिए मददगार सिद्ध नहीं हो सकेंगी। प्रयास करने के बाद भी आपको आशानुसार लाभ प्राप्त नहीं हो पायेंगे। धैर्य बनाए रखें। परिवहन उद्योगों के लिए यह समय बहुत उत्तम नहीं बना हुआ है। इसके अतिरिक्त इस माह में नवीन उद्यमों में धन निवेश करने के लिए समय बहुत अनुकूल होने की संभावनाएं नहीं बन रही हैं। ऐसे में ऐसी योजनाओं को स्थगित करना ही लाभकारी रहेगा। समय के शुभ होने की प्रतिक्षा करें।

व्यवसायिक

इस माह कार्यक्षेत्र में आपको अपने प्रदर्शन के अनुरुप परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। यह माह पेशेवर जीवन के पक्ष से आपके लिए बेहद संतोषजनक बना हुआ हैं। कार्य दक्षता के साथ आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। माह अवधि में सफलता प्राप्त होंग, फिर भी उद्देश्य प्राप्ति के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। इसके अतिरिक्त इस समय में सौदों के लिए यात्रा करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता हैं। यात्रा की सबसे अनुकूल दिशा पश्चिम दिशा हैं। आप इस दिशा में यात्रा कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। साहस के साथ आप जोखिमपूर्ण क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं। फिर भी इस संबंध में विशेष सावधानी रखनी होगी।संयम के साथ प्रयास करना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

एजुकेशन

इस माह में सितारों की स्थिति आपकी शैक्षिक संभावनाओं के पक्ष से बहुत उत्साहवर्धक नहीं बन रही हैं। माह अवधि में शिक्षा क्षेत्र में प्रेरणा की कमी हो सकती हैं। मनोबल में किसी भी प्रकार की कमी रहने से असफलता की स्थिति बन सकती हैं। इसके अतिरिक्त माह

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

अवधि में आप कुछ हद तक आत्म मुखर और हठी हो सकते हैं। आपका स्वभाव शिक्षकों और वरिष्ठ नागरिकों के साथ विन्रम नहीं रहेगा। आपको सीखने में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता हैं। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले व्यक्तियों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। सफलता के मार्ग में यह आपके लिए निर्णायक साबित हो सकता हैं।

यात्रा

यह माह यात्रा करने के लिए लाभकारी बना हुआ है, क्योंकि इस माह के सितारों का योग आपको शुभता प्रदान कर रहा है। इस समय में आप व्यापार या नौकरी दोनों के लिए यात्रा कर आप अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सकते हैं। रेल द्वारा या सड़क मार्ग दोनों का प्रयोग यात्रा कार्यो के लिए विशेष शुभ फलप्रद हो सकता है। यात्रा के माध्यम से आपके अनेक कार्य पूरे हो सकते हैं। समय की शुभता का लाभ उठाने के लिए आप लाभों को अधिक से अधिक बढ़ा सकते हैं। यात्रा का प्रयोग कर आप अपने सौदों, समझौतों और सभाओं को सफल कर सकते हैं। माह अवधि में आपकी कुछ यात्राएं अपने परिवार के साथ भी पूरी होने की संभावना बन रही है। पारिवारिक यात्राओं के सुखद और यादगार रहने के योग बन रहे हैं।

पारिवारिक

परिवार कठिनाई व विभिन्न प्रकार की चिन्ताओं से गुजरेगा। आपमें से बहुत से लोगों को अपने बन्धु–बान्धवों से गम्भीर तनाव की स्थिति से गुजरना पड़ेगा जिससे आप बेहद कटुता की स्थितियों से गुजरेंगे। इसलिए अपनी पूर्ण शक्ति से न केवल अपने धैर्य को बनाए रखें अपितु किसी भी स्थिति में जरा भी उत्तेजित न हों।

संदेह की स्थिति होने पर भी इसका शिकार न हों तथा अनुशासन में रहें और अपने व्यवहार में सहनशीलता का प्रदर्शन करें। बच्चों पर भी अतिरिक्त ध्यान दें और अपने समय और ऊर्जा का प्रयोग उन्हें सुधारने के लिए करें।

बच्चे

इस माह के ग्रह गोचर से आपके बच्चों की उन्नति की राह सरल होगी। अधिकतर बच्चे अपने अभिभावकों के लिए संतोषजनक नतीजे लेकर आएंगे। वे आकर्षक तरीके से व्यवहार करेंगे तथा इनमें से कुछ असाधारण प्रदर्शन भी करेंगे। भले ही अनुशासन में कमी होगी। परन्तु प्रतिभा का प्रदर्शन लुभावना होगा।

इनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए तथा इन्हें अनुशासित करने का प्रयास करना होगा। अधिकतर बच्चे शारीरिक समस्या या चोट आदि का शिकार हो सकते हैं। एतदर्थ सावधानी की आवश्यकता है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

सितम्बर 2025

स्वास्थ्य

आपके स्वास्थ्य के लिए इस माह ग्रह और भाग्य की शुभता नहीं बनी हुई हैं। अतः इस माह में रोग शीघ्र प्रभावी हो सकते हैं। बुखार, सूजन तथा अचानक से होने वाली गंभीर बीमारियां आपके स्वास्थ्य सुख में कमी कर सकती हैं। इस अवधि में आपका स्वास्थ्य संवेदनशील बना हुआ हैं। शीघ्र उपचार लेना आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता हैं। ऐसा करने से रोग आपके नियंत्रण में रहेंगे। इस अवधि में आंशिक समय के लिए नेत्र संक्रमण रोग प्रभावी हो सकते हैं। मांसपेशियों में घ्ंठन होना भी आपकी शारीरिक परेशानियों का कारण बनेगा। समय पर उपचार कराने और सतर्कता रखने से स्वास्थ्य विकारों में कमी आयेगी।

फाइनेंस

इस माह के सितारों का संयोजन आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए आंशिक शुभता युक्त बन रहा है। इस माह में ग्रहों की शुभता में कमी के कारण आपको सावधानी से काम लेना होगा। आपके किसी मुकद्दमेबाजी या विवाद में शामिल होने की स्थिति में विवाद का फैसला आपके विरुद्ध जा सकता है। इन्हें आपको अनुकूल समय तक स्थगित करना होगा। यह समय नुकसान का हो सकता है। परिस्थितियों के विपरीत होने के कारण नये व्यापार की शुरुआत न करें। माह अवधि में नये उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रहों की शुभता नहीं बन रही हैं। अतः निवेश से बचें। एक अधिक विपरित परिस्थितियां भी इस समय हो सकती है। इसलिए आपको इस समय में कम आय में भी संतोष करना पड़े तो आप के लिए यही लाभकारी निर्णय होगा।

व्यवसायिक

सितारों का संयोजन इस माह अवधि में आपके पेशेवर जीवन के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा हैं। अपने सहयोगियों के साथ गंभीर मतभेद की स्थिति आपके लिए अप्रिय स्थिति उत्पन्न कर सकती हैं। महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण आपको जोखिम पूर्ण स्थिति में ड़ाल सकता हैं। जोखिम पूर्ण क्षेत्रों से जुड़े व्यावसायिक क्षेत्रों में कार्य करना और साहस दिखाना आपको हानि देगा। आपको संयम से काम लेना चाहिए। योजनानुसार उद्देश्यों के लिए अनेक यात्राएं करना आपके लिए कष्टकारी रहेगा। परन्तु इस प्रकार की यात्राओं से आपको आंशिक लाभ होने की संभावना बन रही हैं। इस अवधि की परिस्थितियां आपके लिए प्रतिकूल बनी हुई हैं। अतः सावधान रहें।

एजुकेशन

शैक्षिक पक्ष से यह माह आपके लिए एक उत्कृष्ट बना हुआ हैं। इस माह के दौरान आप कुछ उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर सकते हैं। प्रेरणा के साथ आपको इस माह में अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाना होगा। साथ ही यह अवधि तकनीकी छात्रों के लिए भी बहुत अच्छी

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

बनी हुई हैं। इसके अलावा कुछ विषयों में जिसमें आपको निपुणता प्राप्त है, उसमें आपको अच्छे अंक मिल सकते हैं। किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रों के लिए स्थिति सुखद बनी हुई हैं। इसके अलावा आपको इस माह में सफलता प्राप्ति के लिए अपने मनोबल को उच्च बनाए रखना होगा। इससे आप अपना प्रदर्शन उत्तम रख सकते हैं।

यात्रा

यात्राओं के लिए यह माह सुखद नहीं बना हुआ है, क्योंकि इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए प्रतिकूल बना हुआ है। हालांकि नौकरी या कारोबार के सिलसिले में आपको कुछ यात्राएं करनी पड़ सकती है। इस अवधि में यात्राओं के लिए स्वयं पहल करना आपके लिए बहुत उपयोगी साबित नहीं होगा। यात्रा के द्वारा किए गये प्रयासों का परिणाम अनुकूल न रहने की सम्भावना बन रही है। यात्रा करने के लिए सड़क या रेल मार्ग का प्रयोग करें। यात्रा की सबसे अनुकूल दिशा इस अवधि में पूर्व दिशा है। समय की प्रतिकूलता में आप इस दिशा में यात्रा कर समय को कुछ अपने पक्ष में कर सकते हैं। इसके अलावा विदेश यात्राओं या प्रवास में आपको कुछ शारीरिक परेशानी हो सकती है।

पारिवारिक

इस माह की ग्रह चाल किसी विशेष लाभ का संकेत नहीं दे रही। भाईयों के साथ सम्बन्धों में कड़वाहट उत्पन्न हो सकती है। इसलिए ऐसी स्थिति से बचें, जहां तनाव की सम्भावना हो और ऐसा करने से कुछ हद तक सहायता मिल सकती है।

अगर अपने संदेह पर नियंत्रण रखेंगे तो पत्नी के साथ सम्बन्ध कुछ हद तक सम्भल सकते हैं इसलिए अपने आपको अनुशासित रखें तथा उच्च विचार रखें। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें तथा उन्हें समय दें।

बच्चे

अनुकूल ग्रह गोचर से आपके बच्चों की उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। विशेष रूप से यदि सावधानीपूर्वक योजना बनाई जाए तो नतीजे सुधार प्राप्त करेंगे। अधिकतर बच्चे अपने अध्ययन व अन्य गतिविधियों में औसत से बेहतर नतीजे लाने में सफल होंगे।

अनुशासन और आज्ञा पालन में कुछ कमी रह सकती है। परन्तु फिर भी अधिकतर बच्चे इस दिशा में सोचेंगे और मौलिक चिन्तन व कार्यविधि की दृष्टि से प्रभावशाली व कारगर कदम उठाएंगे। अभिवभावकों को पारखी नजर से हर परिस्थिति को पहचानने की आवश्यकता है तथा इनकी प्रतिभा को निखारने के अतिरिक्त इन्हें अनुशासन प्रिय बनने के संस्कार देने होंगे। इनके स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

अक्तूबर 2025

स्वास्थ्य

इस माह के ग्रह योग आपके स्वास्थ्य सुख में कमी का कारण बन रहे हैं। स्वास्थ्य की कमी आपकी दिक्कतों को बढ़ा सकती हैं। बुखार, सूजन एवं अचानक से होने वाले रोग आपको अपने प्रभाव में जल्द ले सकते हैं। रोगों के प्रति संवेदनशीलता आपकी परेशानियों को बढ़ाएगी। रोगों को नियंत्रण में रखने के लिए शीघ्र उपचार कराना आपके लिए बहुत आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त नेत्र संक्रमणों के प्रति सतर्कता बनाए रख आप इन रोगों से बचाव रख सकते हैं। इस माह अवधि में मांसपेशियों में घ्ंठन होने से आपकी अतिरिक्त परेशानियां बढ़ सकती हैं। एहतियात रखने और समय पर उपचार करने से रोग जटिल रोगों में परिवर्तित नहीं होंगे। स्वस्थ बने रहने के लिए आपको अपना अत्यधिक ख्याल रखना होगा।

फाइनेंस

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से सितारें आपके लिए अनुकूल स्थिति में नहीं हैं। इसके कारण आपकी चिंताएं बढ़ सकती हैं। माह अवधि में लेखकों, कवियों और अन्य कलाकारों को अपनी योग्यता दिखाने के अवसर कम ही मिल पायेंगे। इस अवधि विशेष में आपमें आत्मविश्वास की कमी रहेगी। इसके अलावा इस माह में आपकी पहल करने की क्षमता भी बहुत कम रहने की संभावनाएं बन रहीं हैं। शुभ परिणामों के लिए आपको स्थिर रहकर प्रयासरत रहना होगा। नये उद्यमों या व्यापार क्षेत्रों में निवेश करने के लिए समय की प्रतिकूलता बनी हुई है। नई योजनाओं को आरम्भ करने के लिए अभी समय आपके पक्ष में नहीं हैं। अतः इन योजनाओं को अभी रुका रहने दें।

व्यवसायिक

व्यावसायिक उन्नति के लिए यह माह आपके लिए उत्कृष्ट माह बना हुआ हैं। सितारों की स्थिति इस माह में अनुकूल बनी हुई हैं। कलात्मक विषयों और ललित कला से जुड़े विषयों के लिए परिस्थितियां संतोषजनक बनी हुई हैं। कार्यस्थल पर अपनी पूर्ण योग्यता के अनुसार योगदान देना आपको उत्तम लाभ प्रदान करेगा। आपका कार्यक्षेत्र जो भी हो आप साहस और आत्मविश्वास के साथ अपने उद्देश्यों के प्रति सचेत बने रहेंगे। जल्द से जल्द अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आपको जोखिम पूर्ण क्षेत्रों में कार्य करने से बचना होगा। यात्रा करना आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता हैं।

एजुकेशन

माह अवधि में सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए विशेष रुप से लाभप्रद नहीं बन रही हैं। अतः यह समय शैक्षिक क्षेत्र में आपको चिंताएं दे सकता हैं। शैक्षिक क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचने के लिए आपको प्रेरित रहना होगा। माह अवधि के दौरान आवश्यक प्रेरणा प्राप्त करने के

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

लिए आपको अपने आंतरिक संसाधनों का प्रयोग करना होगा। अपने कार्यो से आपको स्वप्रेरित भी होना पड़ सकता हैं। तथा कला और विज्ञान के छात्रों को अपनी रैंकिंग को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। इसके अलावा किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले लोगों को परीक्षाओं में सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। कोचिंग का निर्णय आपके सफलता के लिए निर्णायक साबित हो सकता है।

यात्रा

यात्रा के लिए इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए सकारात्मक नहीं बनी हुई है। अतः इस अवधि में यात्रा करना आपके लिए उपयोगी नहीं रहेगा। माह अवधि में यात्राओं में चोट या दुर्घटना की संभावना बन रही है। सफर के दौरान आपको शारीरिक परेशानी से बचना होगा। सतर्कता रखने से आप इस अवधि के जोखिम को कम कर सकते हैं। इसके अलावा आप नौकरी या व्यवसाय में प्रयास करना भी आपके लिए लाभकारी साबित नहीं होगा। यात्राओं के लिए विशेष रुप से रेल मार्ग या सड़क मार्ग का प्रयोग करें। प्रतिकूल समय में इन मार्गों से यात्रा करना आपको कुछ लाभ दे सकता है। यात्रा की सबसे अनुकूल दिशा पूर्व दिशा है।

पारिवारिक

इस माह का ग्रह गोचर प्रतिकूल है इसलिए आपको कठिनाईयों व संघर्ष की स्थितियों से गुजरना पड़ेगा। बात बात पर संदेह न करें अन्यथा पत्नी के साथ सम्बन्धों में कटुता आएगी। अपने व्यवहार को अनुशासित रखें और सहनशीलता तथा उदारता का रवैया अपनाएं।

आपमें से बहुत से लोगों को अपने भाईयों के साथ गम्भीर वैचारिक मतभेद का सामना करना पड़ेगा। यहां पर भी धैर्य तथा संवेदनशील स्थिति में उत्तेजित होने के लिए आपके अन्तर्मन का इंकार आपको समस्या से बचाएगा। बच्चों का सहयोग प्राप्त नहीं होगा। उनके व्यवहार पर कड़ी नजर रखनी होगी।

बच्चे

इस माह में बच्चों की उन्नति की राह कठिनाईयों भरी है। उनका व्यवहार भी उद्दण्डता वाला होगा। इनमें से कुछ की अपने सहोदर भाई बहनों से तकरार हो सकती है। परिस्थिति का विश्लेषण करके इन बच्चों के झगड़ों को निपटाएं।

पढ़ाई में इनका प्रदर्शन औसत से कम दर्जे का होगा तथा प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने वाले बच्चों को विशेष सफलता मिलने के संकेत कम हैं। उन्हें अतिरिक्त कोचिंग और कठिन परिश्रम की आवश्यकता है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

नवम्बर 2025

स्वास्थ्य

इस माह में बन रही ग्रह स्थिति आपके स्वास्थ्य सुख के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। इस माह में अधिक परिश्रम और थकावट के कारण आपको सामान्य दुर्बलता और तंत्रिका विकार की समस्याएं होने की संभावना बन रही हैं। इस समय में आपको स्वयं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए विशेष प्रयास करने पड़ सकते हैं। अपने शारीरिक तंत्र पर अनुचित दबाव ड़ालने से आपको बचना होगा। सामान्य से अधिक मेहनत करने से आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता हैं। कार्यो के लिए अनुसूची बनाकर समय सारणी अनुसार जीवन यापन करना आपके लिए लाभकारी रहेगा। इस प्रकार के कार्यक्रमों का आपको सख्ती से पालन भी करना होगा। इसके अलावा आपको पैर और मांसपेशियों में घ्ठन की परेशानियां आ सकती हैं। इस स्थिति में आपको अतिरिक्त ध्यान और देखभाल की जरुरत पड़ सकती हैं। ग्रह योग आपके प्रतिकूल बन रहे हैं। इसलिए इस समय में आपको अपना ख्याल रखना चाहिए।

फाइनेंस

इस माह के सितारों का संयोजन आपकी वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से कुछ अनुकूल नहीं बन रहा है। इस अवधि की असफलता का कारण आपमें आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता की कमी हो सकती है। इस समय में आपकी विकास गति मंद बनी हुई है। इस समय में सार्थक अवसरों की कमी का अनुभव होगा। नया कोई व्यापारिक कार्य आरम्भ करने और इन कार्यो में निवेश करने के लिए समय आपके साथ नहीं हैं। ऐसी योजनाओं को आपको अभी कुछ समय के लिए स्थगित करना ही सही रहेगा। वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह में आपके लिए कोई शुभ संकेत नहीं बन रहा है। इसलिए इस समय में आपको यदि कम आय पर भी कार्य करना पड़े तो आपको धैर्य से काम लेते हुए, करते रहना ही ज्यादा बेहतर होगा।

व्यवसायिक

पेशेवर जीवन की संभावनाएं इस माह में आपके लिए बहुत उत्तम नहीं बनी हुई हैं। अपने सहयोगियों के साथ कोई गंभीर संघर्ष उत्पन्न होने की एक अलग संभावना बन रही हैं। आपको ऐसी घटनाओं से दूरी बनाकर रखनी होगी। अन्यथा आपको कार्यक्षेत्र में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। संभव है कि आपको इसके लिए उपचार क्रियाओं का भी सहारा लेना पड़े। समय की प्रतिकूलता आपसे कड़ी मेहनत करा सकती हैं। लेकिन इससे भी आपको कोई महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होने की संभावना नहीं बन रही हैं। व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए यात्राएं करने के योग बन रहे हैं। ऐसी यात्राओं से लाभ प्राप्ति की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। फिर भी पश्चिम दिशा की यात्रा करना आपको मामूली फायदा दे सकता हैं। आपको अपने असंतोष भाव को नियंत्रित करना होगा। वरना यह आपको गंभीर रुप से परेशानी में ड़ाल सकता हैं।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

एजुकेशन

शैक्षिक संभावनाओं के लिए यह माह आपके लिए अनुकूल नहीं बन रहा है। इसलिए इस अवधि में आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं। अपने कार्यों को ही अपना प्रेरणा स्त्रोत बनाए और मनोबल को उच्च बनाए रखें। आपके अध्ययन कार्यो में इसका विपरीत प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले व्यक्तियों को इस अवधि में कुछ अतिरिक्त कोचिंग के साथ अपने प्रयासों को बढ़ाना होगा। अन्यथा इससे आपकी सफलता और विफलता के बीच अंतर आ सकता हैं। कला और विज्ञान के छात्रों को अपनी रैंकिंग को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। विपरीत समय में आप दृढ़ रहें और दीर्घ समय तक अध्ययनशील रहें।

यात्रा

इस माह के सितारों की स्थिति यात्राओं के लिए बहुत उपयोगी नहीं बनी हुई है। यात्रा के दौरान आपको चोट या अन्य शारीरिक परेशानी की संभावना बन रही है। ध्यान और अभ्यास से आप सभी जोखिमों को कम कर सकते हैं। नौकरी या व्यवासायिक कार्यो के लिए की गई यात्राओं से आप अधिक लाभ नहीं उठा पायेंगे। इस अवधि में किए गये प्रयास सफल न रहने के संभावना बन रही है। यात्रा के लिए आप रेल मार्ग या सड़क मार्ग का ही प्रयोग करें तथा यात्रा की सबसे अनुकूल दिशा पूर्व दिशा है। विपरीत समय में आपका इन मागों और इस दिशा में यात्रा करना कुछ फायदेमंद साबित हो सकता है।

पारिवारिक

इस माह ग्रह चाल के प्रतिकूल होने के चलते आपको कुछ समस्याओं से गुजरना होगा। यदि आप अपनी संदेह करने की आदत पर नियंत्रण नहीं रखेंगे तो आपके अपनी पत्नी के साथ सम्बन्धों में विषमता की परिस्थिति उत्पन्न होती रहेगी। इसलिए स्वयं पर नियंत्रण रखें।

आपमें से बहुत से लोगों को अपने बन्धु–बान्धवों से गम्भीर मतभेद की स्थिति से गुजरना पड़ेगा। आत्मसंयम व धैर्य की आवश्यकता है। संवेदनशील स्थिति में धैर्य बनाए रखें तथा शांति भंग न होने दें। आपके बच्चे भी आपको कठिनाईयों का अनुभव करा सकते हैं। इसलिए उनके व्यवहार पर नजर रखें।

बच्चे

इस माह में आपके बच्चों की उन्नति की राह सहज नहीं प्रतीत हो रही। ऐसी भी सम्भावना है कि कुछ बच्चों का अपनी मां से झगड़ा हो जाए। अन्यथा भी इनका व्यवहार परिवार के बुजुर्गों के प्रति आदर भाव वाला नहीं रहेगा।

ललितकला आदि में भाग लेने वाले बच्चों के परिणाम औसत ही रहेंगे। उन्हें अतिरिक्त परिश्रम करने की आवश्यकता पड़ेगी। अधिकतर बच्चे अपने माता पिता के लिए

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

श्रेष्ठतम परिणाम लाने में असफल रहेंगे और अभिभावक उनके लिए चिन्तित रहेंगे।

DUASTRO

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

दिसम्बर 2025

स्वास्थ्य

इस माह में बन रहे ग्रह, सितारे एवं योग यह निर्धारित कर रहे है कि इनकी स्थिति आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बन रही हैं। बवासीर और छाती की पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों को इस समय मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़ सकता हैं। इस संबंध में आपको विशेष ध्यान की जरुरत है अन्यथा रोगों के उपचार में बहुत अधिक भुगतान करना पड़ सकता हैं। रोगों से संबंधित सावधानियों का बिना गलती के अनुसरण करना आवश्यक हैं। इस माह अवधि में मांसपेशियों में घ्ठन जैसी समस्याओं की संभावना बन रही है। उपचारों में किसी प्रकार की अनदेखी आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं रहेगी। ध्यान से रहें, यह समय आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत शुभ नहीं बना हुआ हैं।

फाइनेंस

इस माह के सितारों के अनुसार आर्थिक स्थिति विशेष रुप से आपके अनुकूल नहीं बन रही हैं। इस माह में बन रही परिस्थितियों के अनुसार आपके लाभों में देरी और बाधाओं की स्थिति बन सकती हैं। यह आपकी प्रगति को मन्द करेगा। इस अवधि में अपने प्रयासों में कमी न करें तथा सावधानी से काम लें। इसके अतिरिक्त इस समय में विशेष रुप से आपको यह भी ध्यान रखना है कि आप इस समय में अपना आत्मविश्वास न खोयें और पहल करने की क्षमता में भी कमी न होने दें। आपके द्वारा इस अवधि में किए गये प्रयासों का परिणाम आपको बाद में लाभों के रुप में प्राप्त हो सकता हैं। इसके अतिरिक्त इस अवधि में आपको नवीन उद्यमों में निवेश करते समय जल्दबाजी से बचना होगा। यदि संभव हो तो ऐसी योजनाओं को इस समय में स्थगित ही करें। समय की शुभता की प्रतिक्षा करना आपके लिए हितकारी रहेगा।

व्यवसायिक

व्यावसायिक संभावनाओं के पक्ष से इस माह की ग्रह स्थिति आपके लिए प्रतिकूल बनी हुई हैं। समय मंफ शुभता की कमी होने के कारण आपको इस समय में सावधान रहना होगा। यह संभावना बन रही है कि आपकी आर्थिक स्थिति पहले से भी कमजोर हो जाएं। शीघ्र लाभ प्राप्ति के लिए आप कानून से बाहर जाकर कार्य करने का प्रयास कर सकते हैं। आपको कठोरता से इस तरह के लालच के आगे झुकने से बचना चाहिए। वरना इसका परिणाम आपके लिए विनाशकारी हो सकता हैं। अपने सहयोगियों के साथ गंभीर विरोधाभास होने की संभावनाएं बन रही हैं। जहां तक हो आप को इससे बचने का प्रयास करना चाहिए। उत्तर दिशा में यात्रा करना आपको मामूली लाभ दे सकता हैं।

एजुकेशन

माह अवधि में जहां तक आपकी शैक्षिक संभावनाओं का संबंध हैं। यह समय आपके

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

लिए प्रतिकूल बना हुआ हैं। ग्रहों का योग आपके लिए विपरीत बना हुआ हैं। तकनीकी छात्रों के लिए शिक्षा क्षेत्र में अपनी रैकिंग बनाए रखना कठिन कार्य हो सकता हैं। इसके अलावा हस्त कलाओं को सीखने वाले वर्ग को अपना कौशल दिखाने के योग कम ही मिल पायेंगे। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को इस अवधि में सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। ऐसा न करने पर आपकी सफलता और विफलता के मध्य अंतर आ सकता हैं। समस्याओं पर काबू पाने के लिए आपको इस अवधि में दृढ़ होकर अध्ययन करना होगा।

यात्रा

इस माह में बन रहे ग्रहों की भविष्यवाणी आपकी यात्राओं के लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बन रही है। यात्राएं आपके लिए कठिनाईयां और नुकसान का कारण बन सकती है। इस अवधि में आपको चोट या शारीरिक परेशानी की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। कष्टकारी समय में आप अत्यधिक देखभाल और प्रयास करने से अवधि के जोखिमों को कम कर सकते है। व्यापार या नौकरी से संबन्धित यात्राएं आपके लिए इस अवधि में बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है परन्तु इन यात्राओं का परिणाम आपके लिए सुखद न रहने की संभावना बन रही है। प्रसन्नता और साहसिक विषयों के लिए यात्रा करना आपके लिए जोखिम पूर्ण हो सकता है। इसके अतिरिक्त आवश्यक होने पर यात्रा करने के लिए सड़क मार्ग या रेल मार्ग का प्रयोग करें। यह आंशिक रुप से आपके लिए लिए कुछ शुभ रहेगा।

पारिवारिक

इस माह का ग्रह गोचर पारिवारिक वातावरण के लिए पूर्णतः प्रतिकूल है। अपने दिमाग से व्यर्थ का संदेह निकाल दें। अन्यथा पत्नी के साथ सम्बन्धों में भयंकर कड़वाहट आ सकती है।

भाईयों के साथ सम्बन्धों में दरार आने से अतिरिक्त कड़वाहट उत्पन्न हो सकती है। धैर्य बनाए रखें तथा विपरीत परिस्थियों से दूर रहें। बच्चे भी शत्रुवत् व्यवहार करेंगे इसलिए अपने समय व ऊर्जा का प्रयोग करते हुए उनकी गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।

बच्चे

यह माह आपके बच्चों के कल्याण के लिए प्रतिकूल ग्रह गोचर के चलते विशेष शुभ नहीं रहेगा। आपमें से बहुतों के बच्चे पढ़ाई में अच्छा नहीं कर सकेंगे। अपितु उनकी अतिरिक्त सहायता करने की आवश्यकता पड़ेगी। साथ ही प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने वाले छात्रों को कोचिंग भी लेनी होगी।

बहुत से बच्चों का व्यवहार भी सही नहीं होगा तथा उनका भाईयों से झगड़ा होगा। अभिभावकों को चाहिए कि सावधानी पूर्वक उनके झगड़ों को सुलझाएं। उनमें से कुछ बच्चे खेलकूद में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

योग

वाशि योग

सूर्याद्व्ययगैर्वाशिर्द्वितीयगैश्चन्द्रवर्जितैर्वेशि।
उत्कृष्टवचाः स्मृतिमानुद्योगयुतो निरीक्षते तिर्यक्।
सर्वशरीरे पृथुलो नृपतिसमः सात्त्विको वाशौ।।
।। सारावली ।। अ.14/श्लोक 1, 6।।

यदि जन्मकुंडली में सूर्य से द्वादश स्थान में चंद्रमा को छोड़कर अन्य ग्रह विद्यमान हो तो वाशि नामक योग बनता है।

योग कारक ग्रह : बुध,सूर्य योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप उत्कृष्ट वाणी वाले, स्मरण शक्ति वाले, उद्यमी, तिरछी दृष्टि वाले, स्थूल शरीर वाले, राजा के समान व्यक्तित्व वाले तथा सात्विक प्रवृत्ति वाले होंगे।

चक्रवर्ती राजयोग

एकोऽपि विहगः कुर्यात्पंचमांशगतो नृपम्।
समस्तबलसम्पन्नश्चक्रवर्तिनमेव च ।।
।। सारावली ।। अ. 35 /श्लोक 64।।

यदि कोई भी ग्रह कुण्डली में अपने पंचमांश में स्थित हो तो जातक राजा होता है और यदि पूर्णबली हो तो चक्रवर्त्ती राजा होता है।

योग कारक ग्रह : सूर्य,गुरु योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण प्रतिष्ठत हो रहा है। फलस्वरूप आप एक प्रसिद्ध सम्मानित देश–विदेशों में प्रतिष्ठा प्राप्त करने वाले राष्ट्राध्यक्ष/राज्याध्यक्ष अथवा सर्वोच्चाधिकारी होकर पूर्ण राज–सुख प्राप्त करेंगे।

अमलयोग

चन्द्राद्व्योम्न्यमलाद्वयः शुभखगैर्योगो विलग्नादपि।
क्ष्मेशः स्यादमले धनी सुतयशः संपद्युतो नीतिमान्।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/श्लोक 19–2(

यदि पत्रिका में लग्न या चंद्रमा से दशम स्थान में शुभ ग्रह हो तो अमला योग होता है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

योग कारक ग्रह : शुक्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप आप भूमि के स्वामी, धनी, नीतिवान् पुत्र एवं संपत्ति से युक्त यशस्वी व्यक्ति होंगे।

हर्ष योग

दुःस्थैर्भावगृहेश्वरैरशुभसंयुक्तेक्षितैर्वाक्रमाद्भावैः हर्षयोगः।
सुखभोगभाग्यदृढगात्रसंयुतो
निहताहितो भवति पापभीरुकः ।
प्रथितप्रधानजनवल्लभो धन–
द्युतिमित्रकीर्तिसुतवांश्च हर्षजः।।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/ श्लोक 57, 6

यदि जन्मपत्रिका में छठा भाव या षष्ठेश अशुभ ग्रहों से युत या निरीक्षित हो तथा षष्ठेश दुःस्थान में निवास करता हो तो हर्षयोग होता है।

योग कारक ग्रह : सूर्य,मंगल,बुध योग की संभावना : 6 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप आप भाग्यवान्, दृढ़ शरीर वाले व सुखी, भोगी, शत्रुजीत, पापकर्म में लिप्त एवं भयातुर होंगे परंतु आप प्रसिद्ध, प्रधानप्रिय, धन, पुत्र, मित्र से सुखी एवं यशस्वी होंगे।

सरल योग

दुःस्थैर्भावगृहेश्वरैरशुभसंयुक्तेक्षितैर्वा क्रमाद्भावैः सरलयोगः।
दीर्घायुष्मान् दृढमतिरभयः श्रीमान्विद्यासुतधनसहितः।
सिद्धारम्भो जितरिपुरमलो विख्याताख्यः प्रभवति सरले।।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/श्लोक 57, 6

यदि जन्मपत्रिका में अष्टमेश या अष्टम भाव अशुभ ग्रहों से युत या निरीक्षित हो और अष्टम भाव का स्वामी 6ठे, 8वें, 12वें भाव में स्थित हों तो सरलयोग बनता है। अष्टमस्थ पाप ग्रह (शनि के अतिरिक्त) अच्छा फल नहीं देगा।

योग कारक ग्रह : सूर्य योग की संभावना : 4 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप दीर्घायु, दृढ़ निश्चयी, निडर, धनवान, विद्या, पुत्र से युत अपने उद्योग में सफलता प्राप्त करने वाला, शत्रुजीत एवं प्रसिद्ध व्यक्ति होंगे।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

वल्लकी वीणा योग

संख्यायोगाः सप्तसप्तर्क्षसंस्थै–रेकापायाद्वल्लकी।
वीणायोगे नृत्तगीतप्रियोऽर्थी।

।। फलदीपिका ।। अ. 6/श्लोक 39, 4(

यदि जन्मपत्रिका में सातों ग्रह (सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, वृहस्पति, शुक्र और शनि) सात पृथक–पृथक राशियों में किसी भी क्रम में हों तो वल्लकी अर्थात् वीणा योग बनता है।

योग कारक ग्रह : सूर्य,चंद्र,मंगल,बुध,गुरु,शुक्र,श योग की संभावना : 99999 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप नृत्य (नाचने) गीत के शौकीन और धनवान होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

सात्त्विक बुद्धि योग

शौर्याधिपे सौम्यान्विते सात्त्विकबुद्धियुक्तः।

।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4/श्लो.–40

यदि जन्मकुंडली में तृतीयेश बुध से युक्त हो तो जातक सात्त्विक बुद्धि का होता है।

योग कारक ग्रह : बुध योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप सात्त्विक बुद्धि के प्राणी होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

कर्णरोग योग

तृतीयनाथे पापान्विते पापनिरीक्षिते वा वदन्ति कर्णोद्भवरोगमत्र ।

।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4/श्लो.–49

यदि जन्मपत्रिका में तृतीयेश पाप युक्त या दृष्ट हो तो कर्णरोग होता है।

योग कारक ग्रह : राहु,बुध योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है फलस्वरूप आपको कर्णरोग होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

दीर्घायु भ्रातृ योग

।। भारतीय ज्योतिष ।। पृ.–285।।

यदि जन्मपत्रिका में तृतीय भाव में शुभग्रह हो तो दीर्घायु भाई होते हैं।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

योग कारक ग्रह : चंद्र योग की संभावना : 3 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके भाई दीर्घायु होंगी, ऐसा प्रतीत होता है।

उच्च प्रासाद (भवन) प्राप्ति योग

तृतीये सौम्यसंयुक्ते गृहेशे स्वबलान्विते ।
तदीशे बलसंपूर्ण हर्म्यप्राकारमण्डितम् ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4 / श्लो.–59

यदि जन्मपत्रिका में तीसरे भवन में शुभ ग्रह स्थित हो, चतुर्थेश अपने बल से पूर्ण हो तृतीयेश बलिष्ठ हो तो विशाल भवन प्राप्त होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र योग की संभावना : 8 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको महल (भवन) सुख प्राप्त होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

विना पीड़ा मृत्यु योग

सौम्यांशके सौम्यगृहेऽथ सौम्य सम्बन्धगे वा क्षयेशे।
अक्लेशजातं मरणं नराणाम्।।
।। फलदीपिका–अ.14 / श्लो.–21 ।।

यदि जन्मकुंडली में द्वादशेश सौम्यग्रह की राशि या सौम्य ग्रह के नवांश या सौम्य ग्रह के साथ स्थित हो तो विना पीड़ा की मृत्यु होती है।

योग कारक ग्रह : गुरु योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका मरण बिना क्लेश का होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

मरणोपरांत ब्रह्मलोकवासी योग

सद्ब्रह्मलोकं गुरुः सम्प्रापयेत्प्राणिनः
सम्बन्धाद्व्ययनायकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः।
।। फलदीपिका–अ.14 / श्लो.–23 ।।

यदि जन्मपत्रिका में द्वादश भाव में गुरु स्थित हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में गुरु हो या द्वादशेश गुरु से संबंध स्थापित करता हो तो मरणोपरांत ब्रह्मलोक में निवास करता है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

योग कारक ग्रह : गुरु योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप मरणोपरांत ब्रह्मलोक में निवास करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्या योग

कुटुम्बकलत्रनाथाभ्यां समेतैर्ग्रहनायकैर्वा कलत्रसंख्यां प्रवदन्ति सन्तः
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6 / श्लो.–14

यदि जन्मकुण्डली में द्वितीयेश या सप्तमेश के साथ जितने ग्रह हों उतनी पत्नी होती हैं।

योग कारक ग्रह : केतु,शुक्र योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो या दो से अधिक जीवनसाथी हो सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुस्त्री योग

केन्द्रत्रिकोणे दारेशे स्वोच्चमित्रस्ववर्गगे ।
कर्माधिपेन वा युक्ते बहुस्त्रीसहितो भवेत् ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.–6 / श्लो.–30

यदि जन्मकुण्डली में सप्तमेश केन्द्र या त्रिकोण में उच्च या मित्र राशि में या अपने अंशादि में हो अथवा दशमेश से युक्त हो तो बहुस्त्री योग बनता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र योग की संभावना : 6 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका अनेक से संबंध स्थापित होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

द्विभार्या योग

षष्ठेंगपे द्विभार्यः।
।। बृहद्योग रत्नाकर ।। पृ. 302 ।।

यदि जन्मपत्रिका में लग्नेश षष्ठ भाव में चला गया हो तो द्विभार्या योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंगल योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो विवाह हो, ऐसा प्रतीत होता है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

गजकेसरी योग

''केन्द्रस्थिते देवगुरौ शशाङ्काद्योगस्तदाहुर्गजकेसरीति।
दृष्टे सितार्येन्दुसुतैः शशाङ्के नीचास्तहीनैर्गजकेसरीस्यात्।।''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 1 ।।

चन्द्रमा से केन्द्र में गुरु हो तो गजकेसरी योग होता है या चन्द्रमा नीच अस्तादि में न गये हुये शुक्र, गुरु और बुध से देखा जाता हो तो भी गजकेशरी योग होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,चंद्र योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में गजकेसरी योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप धनी, मेधावी, गुणी तथा राजप्रिय सम्मानित पुरुष होंगे।

पारिजात योग

''सपारिजातद्युचरः सुखानि ।''
।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।

जिसकी पत्रिका के "पारिजात" भाग में ग्रह हों तो उसे सभी प्रकार के उत्तम सुख की प्राप्ति होती है।

योग कारक ग्रह : सूर्य योग की संभावना : 2 में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह "पारिजात" वर्ग में स्थित है। फलस्वरूप आपको सभी प्रकार का उत्तम सुख प्राप्त होगा।

उत्तमवर्ग योग

''नीरोगतामुत्तमवर्गयातः।''
।।बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 34 ।।

जिस जातक की पत्रिका के "उत्तमवर्ग" भाग में ग्रह हों तो वह प्राणी सभी प्रकार से निरोग रहता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,शुक्र योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह "उत्तमवर्ग" में स्थित है। फलस्वरूप आप सभी प्रकार से निरोग रहेंगे।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

वासि योग

''व्ययखेटैर्वाशि दिनेशात्।''

।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 51 ।

यदि जन्मपत्रिका में सूर्य से बारहवें भाव में कोई ग्रह हो तो "वासि" योग का निरूपण होता है।

योग कारक ग्रह : बुध,सूर्य योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण "वासि" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आपकी दृष्टि मन्द अर्थात् आपमें दृष्टिदोष रहेगा। आप परिश्रमी, नीचेदेखनेवाला एवं असत्यवादी होंगे।

वेशि योग

''धनखेटैर्वेशी दिनेशात्''

।। बृ. पा. होरा. –योगाध्याय–श्लो. 51 ।

यदि जातक के जन्मकाल पत्रिका में सूर्य से द्वितीय भाव में कोई ग्रह स्थित हो, तो जातक पर वेशि योग का सृजन होगा।

योग कारक ग्रह : शुक्र,केतु,सूर्य योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण "वेशि" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप दयावान, स्थूल शरीर वाले, चतुरवक्ता, आलस्य से युक्त एवं वक्र दृष्टि वाले प्राणी होंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA